THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 242 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **कार्तिक शु.8 2080 मंगलवार, 21 नवंबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

स्कैमग्रेस

सबसे पुरानी पार्टी के भ्रष्टाचार का इतिहास

कांग्रेस के घोटालों की गाथा : 48,20,69,00,00,000 रुपये जनता का पैसा लूटा गया

22 अगस्त 2019. ज़ी न्यूज़

भारत की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी ने विभिन्न घोटालों और भ्रष्टाचार के मामलों के माध्यम से रु. 48,20,69,00,00,000 चौंका देने वाली रकम लूटी।

स्कैमग्रेस का A टू Z

जीप स्कैंडल केस-1948 आईएनए ट्रेजर चेस्ट-1947 बीएचयू फंड्स-1956 **मारुति स्कैंडल-1974**
सेंट किट्स जालसाजी-1989 **बोफोर्स-1987** सीमेंट घोटाला-1981 जलगांव हाउसिंग घोटाला-1997
टेलीकॉम घोटाला-1996 उर्वरक आयात घोटाला-2007 पुरुलिया आर्म्स ड्रॉप केस-1995 यूटीआई घोटाला-1993
चीनी आयात घोटाला-1994 **हर्षद मेहता घोटाला-1992** पामोलीन तेल आयात घोटाला-1993
वोक्सवैगन घोटाला-2005 **वाड्रा डीएलएफ भूमि कब्जा-2013** थोरियम घोटाला-2014
नेशनल हेराल्ड घोटाला-2012 तेल घोटाला-1976 **तेलगी घोटाला-2002**
2जी स्पेक्ट्रम घोटाला-2008 नोट-फॉर-वोट-2015 राष्ट्रमंडल खेल घोटाला-2010
देवास-एंट्रिक्स घोटाला-2011 **आदर्श घोटाला-2012** कोयला घोटाला-2012
टाट्रा ट्रक घोटाला-2012 आईपीएल घोटाला-2013 **अगस्तावेस्टलैंड चॉपर घोटाला-2013**
कू ऑयल घोटाला-1976 नागरवाला घोटाला-1971 कोब्बलर घोटाला-1995
गोवा एसईजेड घोटाला-2009 मेघालय वन घोटाला-1995 चावल निर्यात घोटाला-2007
एलआईसी घोटाला-1957 एयरबस घोटाला-1984
स्कॉर्पीन पनडुब्बी घोटाला-2005

जगह की कमी के कारण यह सूची यहीं रुक रही है.

घोटालों की एक भव्य विरासत जो हमारा भविष्य भी लूट लेगी. सोच-समझकर वोट करें.

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

केसीआर भरोसा

- **सौभाग्य लक्ष्मी** — ₹3,000 प्रति माह गरीब महिलाओं के लिए
- **आसरा पेंशन** — ₹5,016 प्रति माह बढ़ाया जाना है
- **गैस सिलिन्डर** — ₹400 वंचितों के लिए सब्सिडी युक्त
- **अन्नपूर्णा योजना** — सन्ना बियम सफेद राशन कार्ड धारकों के लिए
- **रैतु बंधु** — ₹16,000 प्रति एकड़ प्रति वर्ष तक बढ़ाया जाना है
- **केसीआर आरोग्य रक्षा** — स्वास्थ्य बीमा ₹15 लाख तक बढ़ाया जाएगा

'भारत चीन के लिए बड़ा मुद्दा'

लद्दाख के एलजी बोले-वो हमारे पीएम से परेशान, उनकी दाल नहीं गल रही

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के साथ भारत के सीमा विवाद और भारतीय क्षेत्र में चीनी सैनिकों की मौजूदगी को लेकर अक्सर बहस होती रही है। इस मामले में लद्दाख के उपराज्यपाल बीडी मिश्रा का कहना है कि 'भारत चीन के लिए बड़ा मुद्दा' है, वो हमारे पीएम से परेशान, उनकी दाल नहीं गल रही। उन्होंने बातचीत में वास्तविक नियंत्रण रेखा का सूरत-ए-हाल बताया।

गलवान के बारे में अपने आकलन को अपना अनुभव बताया

उन्होंने कहा कि गलवान घाटी में चीन हमारी सोच से बहुत पीछे हैं। वे बोले, "गलवान को लेकर उनका आकलन सेना में चालीस साल तक सेवा करने और 1962 में भारत-चीन युद्ध में ऑपरेशन का नेतृत्व करने के अपने अनुभव पर आधारित है।" उन्होंने कहा, "उपराज्यपाल का पद संभालने के बाद मैं गलवान और बार्डर एरिया के हर उस क्षेत्र में गया, जहां लोग कह रहे थे कि चीन हमारी सीमा में मौजूद है। गलवान घाटी में चीन हमारी सीमा के बारे में हमारी सोच से बहुत पीछे हैं। यह अलग मुद्दा है कि वे आरोप लगाते हैं कि हम उनके क्षेत्र में बैठे हैं।"

भारतीय जमीन पर चीनी सैनिकों की मौजूदगी को बताया झूठा

दोनों देश जिस भूमि को अपना बताते हैं, उसको लेकर दोनों के बीच मतभेद है। उन्होंने कहा, "चीन उस भूमि को अपना बता रहा है, जिस पर हमारी सेना और आम लोग रहते हैं। इसी तरह हमारी सोच उनकी तरफ की उस जमीन के बारे में है, जिस पर कोई नहीं रहता है। भारत के क्षेत्र में चीनी सेना का एक भी जवान नहीं है। अफवाहें गलत हैं।" लद्दाख में एलजी का चार्ज संभालने से पहले छह साल तक अरुणाचल प्रदेश में गवर्नर रहे बीडी मिश्रा ने कहा भारत चीन की लिए बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा, "उनका सिद्धांत शोषण का है।

चाहे पाकिस्तान हो, श्रीलंका हो या अफगानिस्तान हो। हर जगह वह वही करते हैं। पीएम मोदी के कड़े रुख से उनकी दाल नहीं गल रही है।" भारत की आज की स्थिति की तुलना 1962 से करते हुए उन्होंने कहा कि 1962 के युद्ध के दौरान भारत का शीर्ष नेतृत्व तैयार नहीं था, सभी हथियार आयात किए गए थे, और सेना भी तैयार नहीं थी। दूसरी ओर आज भारतीय सेना की रसद बहुत बेहतर है, चीन सीमा पर हमारे टैंक हैं, सड़कें बना दी गई हैं तथा जवानों का मनोबल और नेतृत्व में उनका भरोसा अब तक का सबसे ऊंचा है।"मिश्रा ने कहा, "आज सभी देश भारत के साथ सहयोग करने को तैयार हैं, क्योंकि हम मजबूत हैं। हम उनके पास कटोरा लेकर भिक्षा मांगने नहीं जा रहे हैं।"

एआईआईएमएस के पूर्व डायरेक्टर ने वायु प्रदूषण को बताया मेडिकल इमरजेंसी

बोले-कितनी भी लागत हो एक्शन लेना जरूरी

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली और इससे सटे शहरों में सोमवार को वायु गुणवत्ता फिर से खराब हो गई। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार की सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 338 था, जो रविवार को शाम चार बजे 301 दर्ज किया गया था। पड़ोसी शहरों गाजियाबाद (306), गुरुग्राम (239), नोएडा (308) और फरीदाबाद (320) में भी हवा की गुणवत्ता में गिरावट दर्ज की गई। एआईआईएमएस के पूर्व डायरेक्टर डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा कि वायु प्रदूषण एक मेडिकल इमरजेंसी है, भले ही लागत ज्यादा हो लेकिन हमें एक्शन लेने की जरूरत है। मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसिन, रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन के चेयरमैन डॉ रणदीप गुलेरिया ने प्रदूषण के प्रभाव पर इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत की। इस दौरान उनसे पूछा गया कि डॉक्टर वायु प्रदूषण के व्यापक प्रभाव की जांच कर रहे हैं। ये बड़े AQI नंबर वास्तव में कितने खतरनाक हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति खराब हवा में सांस लेता है और वह फेफड़ों में जा रही है, तो इससे उसका विकास रुक जाता है। ऐसे कई अध्ययन हैं जो बताते हैं कि ऐसे वातावरण में बच्चों के फेफड़ों की कार्यक्षमता बड़े समूह की तुलना में काफी खराब होती है। ऐसे आंकड़े भी हैं जो बताते हैं कि वायु गुणवत्ता में सुधार से इन बच्चों की क्षमता बढ़ जाती है।

खराब हवा में रहने वालों को कई बीमारियों का खतरा

डॉ गुलेरिया ने कहा, "डेटा बताता है कि खराब गुणवत्ता वाली हवा में रहने वाले लोगों के लिए टाइप दो डायबिटीज का भी रिस्क रहता है। मैंने पहले ही हृदय रोगों, स्ट्रोक और तंत्रिका संबंधी विकारों का उल्लेख किया है। कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि जब कोई लगातार वायु प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहता है तो ऑस्टियोपोरोसिस और जोड़ों की समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। जब हम वायु प्रदूषण का इतना उच्च स्तर देखते हैं तो क्या फ्लू शॉट्स आपको किसी प्रकार की सुरक्षा प्रदान करते हैं? इसके जवाब में गुलेरिया ने कहा, "फ्लू शॉट्स मूलतः इन्फ्लूएंजा संक्रमण (वायरल संक्रमण) के लिए हैं। वायरल संक्रमणों पर कुछ अध्ययन हैं जो COVID से संबंधित हैं। एक अध्ययन से पता चला है कि चीन में जब 2003 में सार्स का प्रकोप हुआ था तो उन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में जहां प्रदूषण का स्तर अधिक था।

संजय सिंह अंतरिम जमानत की अर्जी दायर कर सकते हैं

SC बोला-इसका दिल्ली हाईकोर्ट के 20 अक्टूबर को दिए ऑर्डर से कोई सरोकार नहीं

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को दिल्ली शराब मामले को लेकर सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि आप नेता संजय सिंह अंतरिम जमानत की अर्जी दायर कर सकते हैं। इसका दिल्ली हाईकोर्ट के 20 अक्टूबर को दिए ऑर्डर से कोई लेना-देना नहीं है।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने मामले में केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय से 11 दिसंबर के पहले जवाब मांगा है। संजय सिंह ने अपनी गिरफ्तारी और दिल्ली शराब नीति मामले में मनी लॉन्ड्रिंग केस में रिमांड के खिलाफ याचिका दायर की थी। संजय सिंह को 4 अक्टूबर को दिल्ली शराब मामले में गिरफ्तार किया गया था। आप सांसद ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी। इससे पहले हाईकोर्ट ने 20 अपने आदेश में कहा था- हम आपकी गिरफ्तारी में कोई दखलंदाजी नहीं कर सकते। रिकॉर्ड में किसी सामग्री के अभाव में हम किसी प्रमुख जांच एजेंसी पर राजनीतिक मकसद का आरोप नहीं लगा सकते। ईडी का मनी लॉन्ड्रिंग मामला सीबीआई की एफआईआर से निकला। सीबीआई और ईडी के मुताबिक, दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित फायदा पहुंचाया गया।

जजों की नियुक्ति में पसंद-नापसंद की नीति ठीक नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा- ये अच्छे संकेत नहीं, देश में गलत संदेश जाता है

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम की सिफारिश के बावजूद जजों की नियुक्ति में हो रही देरी पर केंद्र सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा- जजों की नियुक्ति में पसंद-नापसंद की नीति ठीक नहीं है। ये अच्छे संकेत नहीं हैं। यह देश में गलत संदेश देता है। जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धूलिया की बेंच ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा- जजों की नियुक्ति और तबादले भी सरकार अपनी पसंद नापसंद के मुताबिक कर रही है। हमने इसके लिए सरकार को पहले भी आगाह किया है।

बेंच ने कहा- अभी भी इलाहाबाद, दिल्ली, पंजाब और गुजरात हाईकोर्ट में जजों के तबादले की सिफारिश वाली फाइल सरकार ने लटका रखी है। गुजरात हाईकोर्ट में तो चार जजों के तबादले पेंडिंग हैं। इन पर सरकार ने अब तक कुछ भी नहीं किया। बेंच ने कहा- दोबारा भेजे गए गए नामों पर नियुक्ति नहीं करना परेशान करने वाला है। कॉलेजियम की सिफारिशों पर अमल करने के लिए और वक्त देते हुए बेंच ने कहा कि केंद्र इसका समाधान लेकर आए। 5 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी। बेंगलुरु एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से जजों की नियुक्ति को लेकर यह याचिका लगाई गई है।

सुप्रीम कोर्टः हमने हाईकोर्ट्स में 14 जजों की नियुक्ति की सिफारिश की है, लेकिन नियुक्ति सिर्फ गुवाहाटी हाईकोर्ट में हुई। सरकार की इस पसंद-नापसंद से जजों की वरिष्ठता क्रम पर असर पड़ता है। वकील जज बनने के लिए अपनी स्वीकृति वरिष्ठता के लिए ही तो देते हैं। जब इस पर अमल नहीं होगा, तो वो क्यों जज बनने को राजी होंगे? वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवेः समय आ गया है कि 1992 की तरह एक परमादेश जारी किया जाए, वर्ना इससे देश में बेहद गलत संदेश जाता है।

सुप्रीम कोर्टः पिछली बार हमने जो नाम दोहराए थे, उनमें से 8 अब तक पेंडिंग हैं। हमें पता है वो नाम क्यों लटकाए गए हैं। हमें सरकार की चिंता भी मालूम है। आधे से ज्यादा नाम सरकार ने क्लियर नहीं किए। हमारी जानकारी के अनुसार, आपने 5 लोगों के लिए तबादला आदेश जारी किए हैं, लेकिन 6 अन्य के लिए नहीं, उनमें से 4 गुजरात से हैं। यह अच्छा संकेत नहीं है।

रेलवे के विरोध में यात्रियों का काले मास्क लगाकर प्रदर्शन

वंदे भारत की वजह से बाकी ट्रेनें लेट

एर्नाकुलम, 20 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के एर्नाकुलम में यात्रियों ने आरोप लगाया कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के कारण अन्य ट्रेनें देरी से चल रही है। जिसके चलते उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। यात्रियों ने भारतीय रेलवे के खिलाफ विरोध जताते हुए अपने चेहरे को काले कपड़े से ढक लिया।

सीपीआई(एम) सांसद ए.एम. आरिफ ने कहा, इस तरह के संचालन से यात्रियों को खासा असुविधा हो रही है। मैंने पहले भी रेलवे अधिकारियों से अनुरोध किया था। साथ ही इस मुद्दे पर शिकायत की थी। उस समय अधिकारियों ने कहा था कि वह शिकायत की जांच कर रहे हैं।

अब मैं मंत्री और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन से मुलाकात करूंगा। सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि वंदे एक्सप्रेस ट्रेन को प्राथमिकता देते हुए अन्य ट्रेनों के निर्धारित समय में बदलाव किया गया है।

मुंबई में सूटकेस में महिला की लाश मिली

मुंबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई के कुर्ला इलाके में रविवार को एक सूटकेस में महिला की लाश मिली। पुलिस ने बताया कि 19 नवंबर को दोपहर करीब 12:30 बजे उन्हें एक लावारिस सूटकेस पड़ा होने की जानकारी मिली थी।

जब पुलिस मौके पर पहुंची और सूटकेस खोला तो उसमें महिला की लाश थी। घटना सीएसटी रोड शांति नगर की है। ये सूटकेस मेट्रो रेलवे निर्माण के लिए लगाए बैरिकेड के पास मिला था। कुर्ला पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ हत्या और सबूत नष्ट करने के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच की टीम भी मामले की जांच कर रही है।

महिला की उम्र 25 से 35 के बीच, शव की पहचान नहीं हुई

पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र 25-35 साल के बीच है। शव की पहचान में पुलिस जुटी है। महिला के शरीर पर टीशर्ट और ट्रैक पेंट था। पुलिस ने महिला का शव घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में पोस्टमोर्टेम के लिए भेज दिया। पुलिस उस इलाके के आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

अंबाला में 23-24 नवंबर को एयर शो

राफेल समेत कई जहाज करेंगे शक्ति का प्रदर्शन; सूर्य किरण-आकाश गंगा टीम दिखाएगी करतब

अंबाला, 20 नवंबर (एजेंसियां)। इंडियन एयरफोर्स 23-24 नवंबर को अपनी प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन करने जा रही है। शो फाइव स्क्वाड्रन के 75 साल पूरे होने पर अंबाला कैंट के एयरफोर्स स्टेशन पर चौथा एयर शो का आयोजन किया जाएगा। खास बात ये है कि पहली बार अंबाला में राफेल समेत अन्य जहाज अपनी शक्ति का प्रदर्शन करेगा। एयरफोर्स के जवान जहाजों के माध्यम से आसमान में तरह-तरह के करतब दिखाएंगे।

एयरफोर्स के जवानों ने अभी से रिहर्सल करनी भी शुरू कर दी है। सूर्य किरण व आकाश गंगा टीम अपनी कलाओं का अनोखा प्रदर्शन दिखाएगी। अंबाला वासी एयर शो का आनंद उठा सकेंगे। एयरशो देखने के लिए एयरफोर्स की तरफ से आमजन के लिए डोमेस्टिक एयरपोर्ट के नजदीक खाली मैदान में की गई है। यहां, आमजन एयर शो का आनंद उठा सकते हैं। 2 दिन चलने वाले इस एयर शो का आयोजन सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक होगा।

सुरक्षा में कोई चूक न हो सतर्क रहेंगे जवान

दोनों दिन 2-2 घंटे के इस एयरशो के दौराना सुरक्षा में कहीं कोई चूक न हो इसके लिए भी एयरफोर्स गंभीर है। शो के दौरान कोई भी व्यक्ति अपने साथ खाने-पीने का सामान अपने साथ नहीं ला सकता। यही नहीं, जिला प्रशासन की तरफ से दोनों दिन धारा 144 लागू करने के आदेश जारी किए हुए हैं। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से एयरफोर्स स्टेशन के आसपास ड्रोन नहीं उड़ाए जा सकेंगे। दोनों दिन एयरफोर्स स्टेशन के नजदीक जाने वाले रास्ते को 2 बजे तक बंद किया जाएगा। एयर शो यूट्यूब पर भी लाइव चलेगा, ताकि कहीं भी बैठा व्यक्ति लाइव इस शो का आनंद उठा सके। अगर कोई व्यक्ति मैदान तक आकर एयर शो नहीं देख सकता तो लोग अपने घरों की छतों से भी आनंद उठा सकते हैं।

बचाव अभियान के लिए पहुंचे अंतरराष्ट्रीय टनल एक्सपर्ट

बोले-हम किसी को भी चोट नहीं पहुंचने देंगे

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सुरंग हादसे के बाद बचाव अभियान में मदद के लिए पहुंचे अंतरराष्ट्रीय टनल एक्सपर्ट अर्नोल्ड डिक्स ने कहा कि हम उन लोगों को बाहर निकालने जा रहे हैं। उत्तरकाशी में सिल्क्यारा सुरंग में हादसे में फंसे मजदूरों को बचाने के अभियान में हिस्सा लेने के लिए इंटरनेशनल टनलिंग अंडरग्राउंड स्पेस के अध्यक्ष प्रोफेसर अर्नोल्ड डिक्स उत्तराखंड पहुंचे। 12 नवंबर को उत्तरकाशी में सिल्क्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढह गया था। रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद के लिए डीआरडीओ की रोबोटिक्स टीम भी पहुंच गयी है।

उत्तरकाशी सुरंग हादसे में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान के तहत भारी मशीनें सिल्कयारा सुरंग में पहुंच गई हैं। टनल एक्सपर्ट अर्नोल्ड डिक्स ने कहा, "हमने यहां सुरंग के ऊपर जो देखा है और जो हम जानते हैं कि सुरंग के अंदर क्या हो रहा है, इसके बारे में हम जानते हैं। हम उन 41 लोगों को बचा रहे हैं और ऐसा करते समय हम किसी को भी चोट नहीं पहुंचने देंगे।"

टनल एक्सपर्ट बोले- किसी को चोट नहीं पहुंचने देंगे

टनल एक्सपर्ट ने आगे कहा, "यहां टीम बचाव पर इतना ध्यान केंद्रित कर रही है कि किसी और को चोट न पहुंचे। फिलहाल, यह सकारात्मक दिख रहा है। हम सभी एक टीम हैं और पूरी दुनिया हमारे साथ है। यह अच्छा दिख रहा है लेकिन हमें यह तय करना होगा कि क्या यह वास्तव में अच्छा है या यह एक जाल है। यह बहुत सकारात्मक लग रहा है क्योंकि मेरे साथ हिमालय भूविज्ञान के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञ हैं। हमें तुलना करने की आवश्यकता है। यह किसी भी जटिल काम की तरह है जहां हमें चारों ओर देखना होता है, ऊपर से नीचे तक। हम सभी एक टीम हैं और पूरी दुनिया हमारे साथ है।"

पीएम ने किया सीएम धामी को फोन

वहीं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात करके निर्माणाधीन सिल्क्यारा सुरंग में पिछले आठ दिनों से फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए जारी बचाव और राहत कार्यों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उनसे कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बचाव कार्य में उपयोग के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

केंद्र और राज्य की एजेंसियों के परस्पर समन्वय से श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने फंसे श्रमिकों का मनोबल बनाए रखने की जरूरत पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री धामी ने उन्हें यह भी बताया कि उन्होंने खुद मौके पर जाकर निरीक्षण किया है और बचाव कार्यों पर भी लगातार नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित हैं और उन्हें जल्द बाहर निकलने की पूरी कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि मौके पर कई मेडिकल टीम तैनात कर दी गई हैं।

रोचक खबरें

साइंटिस्ट्स ने किया कमाल, जिन्दा कर दिया करोड़ों साल पहले गायब हो चुका जानवर

5 साल में घूमते दिखेंगे ये जीव!

साइंस ने काफी तरक्की कर ली है. जो चीजें पहले असम्भव लगती थी वो अब सच होती नजर आती हैं. दुनिया में ऐसे कई जीव हैं, जो गायब हो चुके हैं. प्राकृतिक आपदाओं या मौसम में आए बदलाव के कारण ये जानवर धरती से खत्म हो गए. लेकिन अब साइंटिस्ट्स इन जीवों को वापस से जिंदा करने में जुट गए हैं. इन जीवों को इंसान ने देखा नहीं है. सिर्फ उनके मिले जीवाश्म के आधार पर इनकी तस्वीरें बनाई गई है. डायनासोर से लेकर मैमथ तक ऐसे जानवर हैं जो कभी इस धरती पर राज करते थे. बेहद विशाल ये जानवर दुनिया से अचानक ही गायब हो गए. उनके जीवाश्म के आधार पर साइंटिस्ट्स को पता चला कि ये जीव दिखते कैसे थे? या फिर इनकी लाइफस्टाइल कैसी थी? ये जानवर क्या खाते थे, कैसे रहते थे, ये सब कुछ मिले फॉसिल्स के आधार पर पता चल पाया. लेकिन अब कुछ साइंटिस्ट्स ने बर्फीले इलाके में मिले मैमथ के जमे हुए डीएनए के जरिये वापस से इन्हें जिंदा करने की मुहीम शुरू की है.

जिंदा हो जायेंगे फर वाले मैमथ

साइंटिस्ट्स के मुताबिक़, फर वाले ये मैमथ पांच साल के अंदर फिर से जिंदा हो जाएंगे. उन्हें पूरी उम्मीद है कि उनके द्वारा किया जा रहा एक्सपेरिमेंट सफल हो जाएगा और ये मैमथ फिर से जिंदा हो जाएंगे. इस एक्सपेरिमेंट में साइंटिस्ट्स आर्कटिक की बार्ड में मिले इन वुलेन मैमथ के डीएनए को एशियन एलिफेंट के साथ कंबाइन कर इस बीस्ट का बच्चा पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. बायोटेक कंपनी कोलोसल बायोसाइंस के साइंटिस्ट्स का कहना है कि 2028 तक इन मैमथ के बच्चे बन जाएंगे. कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक़, इन वूलेन मैमथ का जिंदा होना धरती के लिए बेहतर साबित होगा.

हो गई 10 हजार साल तक के लिए बिजली की व्यवस्था!

चांद से सप्लाई होगा पॉवर, मास्टर प्लान शुरू!

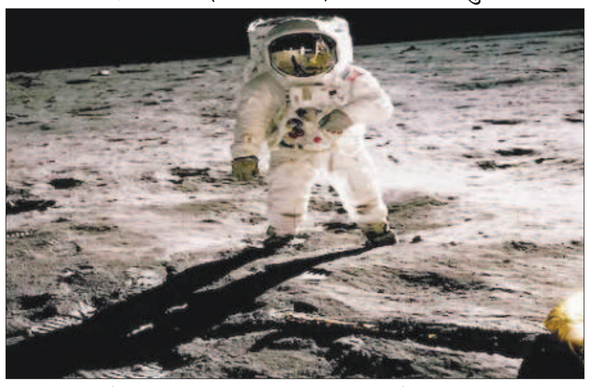

चंदा मामा और इंसानों का काफी गहरा रिश्ता है. जब बच्चे सोते नहीं लोरियों में चंदा मामा बच्चे को सुला देते हैं. इसके अलावा भी चांद का धरती के कई एक्शन्स पर डायरेस्ट प्रभाव पड़ता है. लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है, उसके बाद तो चांद शायद धरती पर रहने वाले लोगों के लिए लाइफ सेवर ही बन जाएगा. एक जियोग्राफी एक्सपर्ट का कहना है कि चांद धरती पर हो रही बिजली की किल्लत को खत्म करने में बेहद महत्वपूर्ण रोल प्ले कर सकता है. टीम मार्शल नाम के इस एक्सपर्ट ने अभी तक स्पेस और चांद पर कई किताबें लिखी है. टीम के मुताबिक़, चांद की सतह इंसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है. उन्हें पूरा यकीन है कि इस सतह के नीचे ऐसे मेटल्स हैं, जिनके इस्तेमाल से बिजली पैदा की जा सकती है. अपनी नई किताब- द टाइम्स में टीम ने लिखा कि वो मेटल्स धरती पर काफी कम मात्रा में मिलते हैं वो चांद की सतह में बहुतायत हैं. इनके खनन से धरती पर बिजली की किल्लत को कम किया जा सकता है.

10 हजार साल बाद तक के लिए मिलेगा पावर

चाइनीज लूनर एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम के चीफ साइंटिस्ट ओयांग जीयूआन के मुताबिक, अगर चांद के सतह से ऐसे मेटल्स मिल गए, जो बिजली पैदा करने में सहायक होंगे, जो धरती पर अगले दस हजार साल तक के लिए बिजली की व्यवस्था हो जाएगी. अमेरिका के प्लान के मुताबिक़, 2025 में वो एक महिला और मर्द को चांद पर भेजेगा. वहीं आधे से अधिक अमेरिकंस भी चाहते हैं कि 2030 से पहले ही चांद के सतह की खुदाई का काम शुरू हो जाए.

क्या आपको भी दिख रही है ये छड़ी? हाथ में लेने से पहले सावधान

लकड़ी का टुकड़ा नहीं ये तो है...

दुनिया में कई तरह के जीव रहते हैं. हर दिन कई नए स्पीसीज का भी पता चलता है. कुछ जीव होते हैं, जिनके बारे में हमें जानकारी होती है तो कुछ ऐसे जीव हैं जो हमारी आंखों के सामने रहते हुए भी पकड़ में नहीं आते. इसकी वजह है भगवान द्वारा इन्हें दी गई खासियत. दरअसल, दुनिया में हर जीव को खुद को दुश्मनों यानी शिकार से बचाना पड़ता है. अब या तो उसमें ताकत होनी चाहिए कि वो अपने दुश्मन को पछाड़ दे या फिर उसमें छिपने का गुण होना चाहिए. इससे वो अपने दुश्मन को नजर ही नहीं आएगा. छिपने में माहिर ऐसे ही एक जीव का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया. इस जीव को पहली नजर में पकड़ पाना नामुमकिन है. ये दिखने में किसी लकड़ी का ही टुकड़ा नजर आता है.

हूबहू लकड़ी की तरह ही इसका शेप है और इसका रंग भी कुछ ऐसा ही है. ये अगर जंगल में किसी को दिख भी जाए तब भी कोई इसे कीड़ा नहीं समझेगा. शख्स ने जब इस कीड़े को अपने हाथ में लेकर दिखाया तब भी लोग इसे लकड़ी का ही टुकड़ा समझते रहे. जब तक कि इस कीड़े ने अपना असली रूप नहीं दिखाया. सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर इस स्टिक इन्सेक्ट का वीडियो शेयर किया गया. जैसे ही इस कीड़े को अहसास होता है कि आसपास खतरा है, ये अपना रुप एक छड़ी में बदल लेता है. ये एकदम स्थिर हो जाता है. इसके बाद तो कोई इसे अपने हाथ में ले ले, उसके बाद भी पकड़ नहीं पाता कि ये कोई कीड़ा है. इसके बाद जब आप इसे लकड़ी समझकर फेंक देंगे तो ये अपने असली रूप में आएगा और वहां से भाग जाएगा.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 242 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.8 2080 मंगलवार, 21 नवंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

गवर्नरों के बिल पास करने में देरी का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु गवर्नर से पूछा

तीन साल से क्या कर रहे थे, केरल गवर्नर ऑफिस से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में आज यानी 20 नवंबर को राज्यपालों के विधेयक अटकाने के मामले में सुनवाई हुई। बिल पर साइन न करने की शिकायत को लेकर केरल और तमिलनाडु सरकार ने याचिकाएं दायर की हैं।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने केरल सरकार की याचिका को लेकर केरल गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। केरल सरकार की तरफ से एडवोकेट केके वेणुगोपाल ने याचिका में कहा था कि गवर्नर आरिफ राज्य सरकार के 8 बिलों को पास करने में देरी कर रहे हैं। शुक्रवार को कोर्ट केरल सरकार का पक्ष सुनेगा।

वहीं, तमिलनाडु सरकार की याचिका पर बेंच ने कहा कि हमने देखा कि गवर्नर आरएन रवि ने दस बिलों पर अपनी मंजूरी तब तक नहीं दी जब तक हमने राज्य सरकार की याचिका पर गवर्नर को नोटिस नहीं भेजा। बेंच ने कहा कि ये बिल तीन साल से पेंडिंग थे, गवर्नर तीन साल तक क्या कर रहे थे? बिलों पर एक्शन न लेना गंभीर चिंता का विषय है। अब कोर्ट इस मामले में 1 दिसंबर को सुनवाई करेगा।

तमिलनाडु गवर्नर ने तीन साल तक बिल पेंडिंग क्यों रखे

सीजेआई ने अटर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से पूछा कि तमिलनाडु गवर्नर का कहना है कि उन्होंने 13 नवंबर को इन बिलों को पास कर दिया। लेकिन हमारी चिंता ये है कि हमने 10 नवंबर को आदेश दिया था कि गवर्नर इन बिलों पर एक्शन लें, जबकि ये बिल जनवरी 2020 से पेंडिंग थे। तब से अब तक गवर्नर क्या कर रहे थे? क्यों गवर्नर ने राज्य सरकार के सुप्रीम कोर्ट आने का इंतजार किया?

10 नवंबर को केंद्र सरकार को भेजा था नोटिस :

सुप्रीम कोर्ट ने 10 नवंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल के विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को गंभीर चिंता का विषय बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने राजभवन पर 12 से अधिक कानूनों को दबाने का आरोप लगाने वाली राज्य सरकार की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा। कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी करते हुए इस मुद्दे को सुलझाने में अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल से मदद मांगी थी।

कानून, कृषि और उच्च शिक्षा समेत कई विभागों को कवर करने वाले विधेयक 13 नवंबर को रवि द्वारा लौटाए जाने के मद्देनजर पारित किए गए थे। >14

कांग्रेस को सबक सिखाना जरूरी : नरेंद्र मोदी

केंद्र सरकार ने मोबाइल पर हर महीने 5 हजार रुपये का खर्च बचाया

पाली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थान में चुनावी दौरा जारी है। प्रधानमंत्री पाली के जाडन में सभा को संबोधित कर मोदी ने कहा कि राजस्थान में महिला अत्याचार बढ़ा है और यहां के मुख्यमंत्री सर्टिफिकेट देते हैं कि वे फर्जी शिकायत दर्ज करवाती हैं। यह महिलाओं का अपमान है।

मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने आपके मोबाइल का बिल भी कम कर दिया है। डेटा की 2014 से पहले की कीमत होती तो आज आप जितना डेटा खर्च कर रहे हैं तो आपको एक मोबाइल पर कम से कम 5 हजार रुपये अधिक खर्च करने पड़ते। एक परिवार में कम से कम 4 मोबाइल होते हैं, मोदी ने यह खर्चा बचाया है।

कांग्रेस ने राजस्थान को पीछे धकेल दिया :

राजस्थान में कांग्रेस के लिए भ्रष्टाचार से बड़ा कुछ नहीं है। कांग्रेस के लिए परिवारवाद ही सब कुछ है। उसके पास तुष्टीकरण के अलावा कुछ नहीं है। दंगाईयों और आतंकियों के हौसले बुलंद हो गए। ऐसी विकृत वाली मानसिकता वाली कांग्रेस को अच्छे से सबक सिखाना जरूरी है। कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन की यह पहली हरकत नहीं है। सनातन को लेकर उन्होंने क्या-क्या कहा, यह सबने देखा है। कांग्रेस और उसके साथी सनातन को खत्म करने का ऐलान कर रहे हैं। सनातन को खत्म करने का मतलब है, राजस्थान की संस्कृति को खत्म करना।

कांग्रेस दलितों को निशाना बना रही :

महिलाओं और दलितों को लेकर कांग्रेस और इनके गठबंधन के नेता कैसी-कैसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। बिहार के नेता ने पूर्व मुख्यमंत्री अति पिछड़े दलित परिवार से आते हैं, इसलिए उनकी बेज्जति करने में उन्हें आनंद आता है। उन्होंने पाप किया, लेकिन कांग्रेस ने इसे गलत बताने का विवेक नहीं दिखाया। राजस्थान में दलित परिवारों पर अत्याचार पर कांग्रेस ने यही किया है।

महिलाओं के विरुद्ध अभियान छेड़ दिया :

जब से महिला आरक्षण विधेयक पास हुआ है, तब से घमंडिया गठबंधन ने महिलाओं के विरूद्ध अभियान छेड़ दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री ने विधानसभा में अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया, लेकिन मजाल है कि कांग्रेस के किसी नेता ने आवाज उठाई हो। यही कांग्रेस का असली चेहरा है। महिला विरोधी कांग्रेस कभी महिलाओं का कल्याण नहीं कर सकती।

कांग्रेस ने राजस्थान को महिलाओं के खिलाफ अपराध में नंबर वन बना दिया है। यहां सीएम कहते हैं कि राजस्थान की बहनों-बेटियों ने पुलिस थाने में फर्जी शिकायत दर्ज कराई है। कोई मां-बहन हमारे देश में ऐसा नहीं कर सकतीं। वो कभी झूठ बोलने का नहीं सोचती, इसमें कुछ तो सच होगा। मुख्यमंत्री सर्टिफिकेट देते हैं कि महिलाएं फर्जी शिकायत लिखवा देती हैं। महिलाओं का अपमान करने वाले मंत्री को कांग्रेस ने टिकट दी। कांग्रेस के जादूगर की बात दिल्ली में बैठे बाजीगर भी मानने लगे हैं।

चंद्रबाबू को हाईकोर्ट से बेल मिली

29 नवंबर से रैली और सभा करने की इजाजत, 5 मामलों में आरोपी

अमरावती, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू को स्किल डेवलपमेंट घोटाले में रेगुलर बेल मिल गई है। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए नायुडू को अपनी पार्टी तेलगू देशम पार्टी (टीडीपी) के लिए चुनाव प्रचार करने की अनुमति दी। नायुडू 29 नवंबर से रैली और सभाएं कर सकेंगे।

नायुडू के खिलाफ आंध्र प्रदेश की जांच एजेंसियों ने पांच अलग-अलग मामलों में केस दर्ज किया है। इससे पहले 31 अक्टूबर को स्किल डेवलपमेंट घोटाले में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दी थी। तब वे राजमंड्री जेल से करीब 53 दिन बाद बाहर आए थे। अब इसी मामले में उन्हें रेगुलर बेल मिल गई है। 9 सितंबर को स्किल डेवलपमेंट घोटाले में नायुडू को सीआईडी ने नांदयाल से गिरफ्तार किया था। 73 वर्षीय नायुडू पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने साल 2015 में मुख्यमंत्री रहते हुए स्कील डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के फंड का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल किया था, जिससे के कारण राज्य के खजाने को 371 करोड़ का नुकसान हुआ था। सीआईडी ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में चंद्रबाबू नायुडू पर आरोप लगाया था कि नायुडू सराकरी फंड को खुद के उपयोग के लिए उसे परिवर्तित करने या धोखाधड़ी से दुरूपयोग करने, पब्लिक सर्वेन्ट्स के अधिकार की प्रॉपर्टी के निपटान, धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेजों को बनाने और सबूतों को नष्ट करने जैसे आपराधिक साजिशों में शामिल रहे।

क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) चंद्रबाबू नायुडू के खिलाफ पांच मामलों की जांच कर रही है। इसमें गैरकानूनी शराब दुकानों को लाइसेंस देने वाला शराब घोटाला शामिल है। जिसमें 31 अक्टूबर को एजेंसी ने नायुडू के खिलाफ केस दर्ज किया। इसके अलावा नायुडू के खिलाफ अलग-अलग जांच एजेंसियां स्किल डेवलेपमेंट घोटाला, अंगालू केस, फाइबर नेट स्कीम केस और अमरावती रिंग रोड मामले में जांच कर रही हैं।

चंद्रबाबू नायुडू के खिलाफ ताजा मामला शराब लाइसेंस घोटाले का है। सीआईडी ने केस दर्ज करते हुए सोमवार को औपचारिक रूप से एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) कोर्ट में याचिका दायर की और अदालत ने सीआईडी की नायुडू के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की तबीयत बिगड़ी

अस्पताल में भर्ती, हालचाल जानने पहुंचे माहरा

देहरादून, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें देहरादून के मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति सामान्य है। पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत बताई जा रही है। वहीं उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा उनसे मिलते पहुंचे। पिछले दिनों हादसे में घायल होने के बाद से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को कुछ दिक्कत हो रही थी। कुछ दिन पहले भी हरीश रावत की तबीयत बिगड़ी थी, तब उन्हें हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट में भर्ती कराया गया था। सीएम धामी भी यहां उनका हालचाल जानने पहुंचे थे। चिकित्सकों ने रावत के एमआरआई, सीटी स्कैन और ईको आदि टेस्ट के बाद पसली में चोट और कमर में हल्की चोट की पुष्टि हुई थी। अब आज उन्हें पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत बताई गई।

निर्माणाधीन स्टेडियम की छत गिरी

3 लोगों की मौत, 10 जख्मी

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एक निर्माणाधीन स्टेडियम की छत गिरने से 3 लोगों की मौत की खबर है। हादसे में 10 लोग जख्मी भी बताए जा रहे हैं। रंगा रेड्डी जिले के मोइनाबाद गांव के निर्माणाधीन इनडोर स्टेडियम में ये हादसा हुआ। घटनास्थल के फुटेज में खुदाई करने वालों को इनडोर स्टेडियम में मलबा साफ करते हुए देखा जा सकता है। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। राजेंद्रनगर के डीसीपी जगदेश्वर रेड्डी के मुताबिक, निर्माणाधीन प्राइवेट इनडोर स्टेडियम के ढह जाने से 3 लोगों की मौत हो गई, लगभग 10 घायल हो गए। एक शव बरामद कर लिया गया है और अधिकारी मलबे से बाकी शव को निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली एलजी का चीफ सेक्रेटरी को हटाने से इनकार

कहा- जांच रिपोर्ट राजनीति से प्रेरित, केजरीवाल ने 897 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। द्वारका एक्सप्रेस-वे में हुए कथित घोटाले में दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार को हटाने की सिफारिश की थी। इस पर एलजी विनय कुमार सक्सेना ने विचार करने से इनकार कर दिया।

केजरीवाल ने 15 नवंबर को एलजी विनय कुमार सक्सेना को चिट्ठी लिखकर कुमार पर 897 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। 19 नवंबर को एलजी सक्सेना ने इस रिपोर्ट को पुरानी धारणाओं और अनुमानों पर आधारित बताते हुए इस पर विचार करने से मना कर दिया। दरअसल, दिल्ली में बने द्वारका एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अधिग्रहण में अनियमितताओं की शिकायत पर दिल्ली की विजिलेंस मिनिस्टर आतिशी ने जांच करवाई थी। आतिशी ने बताया कि नरेश कुमार ने अपने बेटे से जुड़ी कंपनियों को 897 करोड़ का फायदा पहुंचाया है।

एलजी विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि मुझे सीएम की ओर से विजिलेंस मिनिस्टर की रिपोर्ट बंद लिफाफे में मिली थी, लेकिन ये तो पहले से ही पब्लिक डोमेन में मौजूद है और इसकी डिजिटल कॉपियां सभी के पास हैं। मीडिया इस पर कई खबरें कर चुका है। सक्सेना ने कहा, शुरूआती तौर पर ऐसा लगता है कि इस जांच का मुख्य मकसद सच्चाई जानना नहीं था, बल्कि इसका मीडिया ट्रायल करना, लोगों के बीच धारणा बनाना और अदालतों को गुमराह करना है। साथ ही इस मामले पर राजनीति करना भी है।

सीएम ने बुधवार को एलजी सक्सेना को लेटर लिखकर नरेश कुमार को पद से हटाने की सिफारिश की थी। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें नरेश कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। 11 नवंबर को मामले की जांच के आदेश दिए गए थे। विजिलेंस मिनिस्टर आतिशी ने 3 दिनों में जांच करवाकर 14 नवंबर को रिपोर्ट केजरीवाल को सौंपी। उन्होंने लेटर के साथ जांच रिपोर्ट भी एलजी को भी भेजी थी।

डीआरडीओ ने बनाई पनडुब्बी से छोड़ी जाने वाली घातक मिसाइल

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। डीआरडीओ ने पनडुब्बी से छोड़ी जाने वाली एक घातक मिसाइल तैयार की है। इसी साल फरवरी महीने में डीआरडीओ ने इसका गुप्त परीक्षण किया था। ये मिसाइल 402 किलोमीटर दूर लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेद सकती है। इसने परीक्षण के दौरान हर मिशन को पूरा किया। इसे एसएलसीएम यानि सबमरीन लांच क्रूज मिसाइल भी कहा जाता है। बताया गया है कि इसके रेंज को 500 किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है। ये मिसाइल 5.6 मीटर लंबी, इसका व्यास 505 मिलीमीटर और स्पीड 0.7 मैक, यानि कि 864 किलोमीटर प्रतिघंटा है। ये मिसाइल तारपीडो ट्यूब से छोड़ी जाती है। ये दुनिया की इकलौती मिसाइल है जिसकी रेंज 500 किमी तक है और जो तारपीडो ट्यूब से छोड़ी जाती है।

विशाखापट्टनम बंदरगाह पर भीषण आग

40 नाव जलकर खाक, मछुआरों का आरोप- ये किसी ने जानबूझकर किया

अमरावती, 20 नवंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में मछली पकड़ने के बंदरगाह पर कल रात भीषण आग लग गई। आज सुबह भी दमकल की गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी रहीं। आग लगने के बाद स्थानीय लोगों ने अग्निशमन कर्मियों को सतर्क किया, जो तुरंत आग बुझाने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। पहली नाव से शुरू हुई आग 40 नावों तक फैल गयी।

आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने कहा कि लगभग 40 फाइबर नावें जलकर राख हो गईं। घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय मछुआरों को हालांकि, किसी गड़बड़ी का संदेह है और उनका आरोप है कि अज्ञात व्यक्तियों ने जानबूझकर नावों में आग लगा दी होगी।

विशाखापट्टनम के डीसीपी आनंद रेड्डी ने बताया, पुलिस और अग्निशमन दल ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने के कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

विशाखापट्टनम के एडीजी रवि शंकर ने बताया, सभी नावें किनारे पर खड़ी थीं। कुछ लड़कों की मौजूदगी में एक नांव में आग लग गई। संभावना है कि वे पार्टी कर रहे थे। सौभाग्य से अन्य नाविकों ने नांव को समुद्र में छोड़ दिया। जिस जहाज में आग लगी थी, उसमें डीजल और गैस सिलेंडर का पूरा टैंक था इसलिए आग का प्रभाव कई गुना बढ़ गया और यह घाट पर खड़े अन्य जहाजों तक पहुंच गई। एडीजी ने कहा कि अंत में नौसेना का जहाज भी आया और हमारी सहायता की और उनकी वजह से हमने आग पर काबू पा लिया था। शुरूआत में कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है केवल 25-30 जहाज ही जले हैं।

विशाखापट्टनम जिला अग्निशमन अधिकारी एस रेणुकय्या ने बताया कि आग शहर के घाट क्षेत्र में लगी जहां मछली पकड़ने वाली नौकाएं थीं। उ

न्होंने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा, हमने 12 अग्निशमन वाहनों को मौके पर भेजा और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और विशाखापट्टनम पोर्ट ट्रस्ट से भी मदद ली।

जीडीपी के 4 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने के दावे को कांग्रेस ने बताया 'फर्जी'

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार के इस दावे की आलोचना की कि भारत की जीडीपी चार ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गई है, यह दावा पूरी तरह से फर्जी है, जिसका उद्देश्य अधिक उत्साह पैदा करना और चापलूसी और हेडलाइन प्रबंधन का प्रयास है।

एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा (कल दोपहर 2.45 बजे से शाम 6.45 बजे के बीच) जब पूरा देश क्रिकेट मैच देखने में मशगूल था, तब राजस्थान और तेलंगाना के वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और साथ ही प्रधानमंत्री के सबसे चहेते कारोबारी समेत मोदी सरकार के कई धुरंधरों ने ट्वीट किया कि भारत की जीडीपी का साइज पहली बार 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया।

राज्यसभा सांसद रमेश ने कहा, यह पूरी तरह से फर्जी खबर थी, जिसका उद्देश्य अधिक उत्साह पैदा करना और चाटुकारिता और हेडलाइन प्रबंधन का प्रयास था। उनकी टिप्पणी केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस ट्वीट के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गई है।

एक्स पर एक पोस्ट में, शेखावत ने कहा था, भारत के लिए वैश्विक गौरव का क्षण है क्योंकि हमारी जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है।

पांच चुनावी राज्यों में 1760 करोड़ रुपये की जब्ती

नकदी के साथ शराब और ड्रग्स भी जद में

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को बताया कि चुनाव अधिकारियों ने चुनाव की घोषणा के बाद से पांच चुनावी राज्यों में 1760 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की सूचना दी है। आयोग के अनुसार यह राशि इन पांच राज्यों में पिछले चुनावों के दौरान जब्ती के आंकड़ों की तुलना में 636 प्रतिशत अधिक है। पांच मतदान वाले राज्य मिजोरम, तेलंगाना, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश हैं।

चुनाव आयोग ने सोमवार को एक बयान में कहा, चुनाव की घोषणा के बाद से पांच चुनावी राज्यों में 1760 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की सूचना मिली है, जो 2018 में इन राज्यों में पिछले विधानसभा चुनावों में की गई जब्ती से सात गुना (239.15 करोड़ रुपये) अधिक है।

चुनाव आयोग के अनुसार इन पांच राज्यों में 2018 के विधानसभा चुनावों के दौरान जब्त राशि की तुलना में इस बार जब्त राशि में 636 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। चुनाव आयोग की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार तेलंगाना जहां 30 नवंबर को चुनाव होने जा रहे हैं और वहां सबसे अधिक 659.2 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की गई। इसके बाद राजस्थान में 650.7 करोड़ रुपये और मध्य प्रदेश में 323.7 करोड़ रुपये जब्त किए। इसके अलावे छत्तीसगढ़ में 76.7 करोड़ रुपये और मिजोरम में 49.6 करोड़ रुपये जब्त किए गए।

बता दें कि इससे पहले छह राज्यों गुजरात, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और कर्नाटक में विधानसभा चुनावों के दौरान 1400 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की गई थी, जो इन राज्यों में पिछले विधानसभा चुनावों से 11 गुना अधिक थे। गुजरात, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और कर्नाटक में पिछले छह राज्य विधानसभा चुनावों में 6 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की गई थी, जो इन राज्यों में पिछले विधानसभा चुनावों से 1400 गुना अधिक है।

ईसीआई ने आगे बताया कि जब्त की गई वस्तुओं में नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुएं (जिनकी कीमत करोड़ों में है) मुफ्त उपहार और अन्य वस्तुएं शामिल हैं। बयान में कहा गया, इस बार आयोग ने चुनाव व्यय निगरानी प्रणाली (ईएसएमएस) के माध्यम से निगरानी प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी को भी शामिल किया है, जो काफी अहम साबित हो रहा है। यह बेहतर समन्वय और खुफिया जानकारी साझा करने के लिए केंद्र व राज्य के प्रवर्तन एजेंसियों की एक विस्तृत श्रृंखला को एक साथ लाता है।

बांके बिहारी कॉरिडोर को हाईकोर्ट की मंजूरी

कुंज गलियों से अतिक्रमण हटाने का आदेश, यूपी सरकार 5 एकड़ में बनाएगी कॉरिडोर

प्रयागराज, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही कुंज गलियों से अतिक्रमण हटाने का आदेश भी दिया है। हालांकि हाईकोर्ट ने मंदिर के बैंक खाते में जमा धन 262.50 करोड़ रुपये का कॉरिडोर बनाने में उपयोग करने की सरकार को परमिशन नहीं दी है।

सोमवार को चीफ जस्टिस प्रितिंकर दिवाकर की डबल बेंच ने यह फैसला सुनाया। इस फैसले के बाद यूपी सरकार मंदिर के आस-पास 5 एकड़ में कॉरिडोर बनाएगी।

अनंत शर्मा, मधुमंगल दास और अन्य की ओर से जनहित याचिका दाखिल की गई थी। हाईकोर्ट ने 8 नवंबर को इस मामले में सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार अपनी प्रस्तावित योजना के साथ आगे बढ़ सकती है, मगर यह भी तय करे कि दर्शनार्थियों को दर्शन में बाधा न आए।

कोर्ट ने कहा कि एक बार अतिक्रमण हटाने के बाद इन गलियों में दोबारा अतिक्रमण न हो और मंदिर के पहुंच मार्गों पर कोई बाधा न पहुंचे, सरकार को यह सुनिश्चत करना होगा। इस केस में 31 जनवरी 2024 को अगली सुनवाई होगी।

रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा का मुहूर्त 22 जनवरी को 12.20 बजे 48 मिनट का अभिजीत मुहूर्त

पीएम नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा में मौजूद रहेंगे

अयोध्या, 20 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त तय हो गया। 22 जनवरी को अभिजीत मुहूर्त मृगशिरा नक्षत्र में दोपहर 12:20 बजे रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। 48 मिनट का यह मुहूर्त दोपहर 11.36 बजे से 12.24 बजे तक है, जबकि मृगशिरा नक्षत्र पूरे दिन बना रहेगा। रविवार को मंदिर ट्रस्ट से जुड़ी बैठक में यह तय किया गया। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

अयोध्या की हनुमत ज्योतिष संस्थान के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी ने बताया, मृगशिरा नक्षत्र 22 जनवरी को सुबह 5.15 बजे से 23 जनवरी की सुबह 5.36 बजे तक रहेगा। 22 जनवरी को पौष माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी है और दिन सोमवार। प्राण-प्रतिष्ठा का यह योग सनातन धर्म, अयोध्या और मोदी, तीनों के लिए बेहद शुभ है।

16 से 24 जनवरी तक चलेंगे कार्यक्रम

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह 16 जनवरी से शुरू होकर 24 जनवरी तक चलेगा। प्राण-प्रतिष्ठा से पहले सरयू पूजन करके उसके जल से रामलला का अभिषेक होगा। फिर उन्हें रथ से नगर भ्रमण कराया जाएगा। इससे पहले रामलला की मूर्ति को जल, फल और अन्न के बीच में एक-एक दिन रखा जाएगा।

9 दिवसीय समारोह के लिए श्रीराम यंत्र की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम के समापन के बाद इसे सरयू नदी में विसर्जित कर दिया जाएगा। समारोह में हवन के लिए 9 कुंड बनाए जाएंगे। पूरा कार्यक्रम काशी के विद्वानों की देख-रेख में होगा।

100 विशेष और 7 हजार रामभक्तों को आमंत्रण

राम मंदिर के ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल ने बताया, ₹समारोह में विश्व के अनेक देशों के करीब 100 विशेष राम भक्तों को आमंत्रित किया जा रहा है। इसके अलावा, संतों और देशभर के राम भक्तों सहित 7 हजार लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य पर्व 22 जनवरी को मोदी को शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र भेजा जा चुका है।

देशभर के 4 लाख मंदिरों में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह देशभर के 4 लाख गांवों के मंदिरों में भी मनाया जाएगा। इन मंदिरों में रामनाम संकीर्तन और किसी एक मंत्र का जप के साथ मुख्य पर्व पर आरती और प्रसाद वितरण होगा। इसके साथ ही समारोह का लाइव टेलीकास्ट होगा। इससे करोड़ों भक्त इस ऐतिहासिक पल को सीधे देख सकें।

पुजारी को ट्रेनिंग, अन्य मंदिरों में तैनात होंगे पुजारी

रामलला के पुजारी वही होंगे, जिनका जन्म अयोध्या में हुआ है। पुजारी को जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। अभी तक पहले से चली आ रही परंपरा के अनुसार, रामलला की पूजा होती थी। अब भव्य राम मंदिर के निर्माण और राम मंदिर ट्रस्ट के गठन के बाद यह सब नए सिरे से तय किया जा रहा है।

पंक्चर वाले की बेटी ने जीती मैराथन

कहा– मेरे ऊपर पापा ने अपना सब कुछ लगा दिया

प्रयागराज, 20 जून (एजेंसियां)। इंदिरा मैराथन में जोश-जज्बे का लोहा मनवाने वाली तीन विनर्स की सफलता को सभी सलाम कर रहे हैं। मगर उनकी कामयाबी के पीछे संघर्ष की कहानी भी है। मैराथन को जीतने वाली हरियाणा की रीनू के मुताबिक, प्रैक्टिस के दौरान उनके पापा को ताने सुनने पड़ते थे कि ज्यादा बेटी को बढ़ावा मत दो, नहीं तो किसी लड़के के साथ भाग जाएगी।

ऐसी ही कुछ कहानी बिना कोच के प्रैक्टिस करने वाली दिल्ली की नूतन की भी है। उन्होंने बताया कि प्रॉपर डाइट तक नहीं मिलती थी। जो मिल गया, वही डाइट। मैराथन में तीसरे पायदान पर आने वाली प्रयागराज की शिप्रा आर्थिक रूप से कमजोर घर आती हैं, उनके पिता पंक्चर की दुकान चलाते हैं।

गरीबी ने कई बार शिप्रा के हौसले को तोड़ने की कोशिश की पर उसने हिम्मत नहीं हारी और विनर बनीं। प्रयागराज में रविवार को 42 किमी. की इंदिरा मैराथन का आयोजन किया गया था।

महिला वर्ग में दूसरे स्थान पर रहने वाली नूतन रास्ते में जब 38 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर चुकीं थीं। तो उसके बाद उनकी आंखों के सामने धुंधला छा गया और गिर पड़ीं। गिरने के बाद थोड़ी देर के लिए वह बेहोश हो गईं। साथ में चल रहे एनसीसी कैडेट्स ने उनको पानी पिलाया और चेहरे पर पानी के छींटे मारे तब जाकर उनको होश आया।

होश आने के बाद नूतन फिर भागने लगीं और 700 मीटर के बाद एक बार फिर गिरीं और बेहोश हुईं। अंतिम 4 किलोमीटर में नूतन 4 बार गिरीं और बेहोश हुईं। दिल्ली की रहने वाली नूतन को इस बात का अफसोस है कि अगर वह रास्ते में 4 बार बेहोश नहीं होतीं तो वह प्रथम स्थान हासिल कर सकती थीं।

उसी से किसी तरह घर चलता है। पिता के न होने से आर्थिक तंगी घर में है, जिसके कारण उन्हें प्रॉपर एक एथलीट की डाइट नहीं मिल पाती है। वह बाहर से कुछ नहीं मंगा पातीं। घर में जो कुछ भी बनता है, वही उनकी डाइट होती है।

अगर मुझे स्पॉन्सरशिप मिले, थोड़ा प्रॉपर डाइट हो और कोच मिल जाए तो वह देश के लिए ओलिंपिक में मेडल जीत सकती हूं और यही मेरा सपना भी ही है।

हलाल ट्रस्ट यूपी सरकार के खिलाफ कोर्ट जाएगी

ट्रस्ट के सीईओ बोले- हलाल सर्टिफिकेशन के खिलाफ किया जा रहा झूठा प्रचार; राष्ट्र हितों को कमजोर किया जा रहा

सहारनपुर, 20 जून (एजेंसियां)। यूपी की योगी सरकार ने हलाल सर्टिफिकेट से जुड़े फूड प्रोडक्ट्स पर बैन लगा दिया है। सरकार का मानना है कि हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर अवैध कारोबार हो रहा है। यही नहीं, सर्टिफिकेशन से होने वाली अवैध कमाई से आतंकी संगठनों और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को फंडिंग की जा रही है। यूपी सरकार के इस कदम के बाद सहारनपुर में जमीयत उलमा ए-हिंद सामने आ गया है। जमीयत के हलाल ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियाज अहमद फारुखी ने कहा,₹हलाल लिखे उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाना गलत है। इस मुद्दे को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

उन्होंने कहा,₹हलाल व्यापार 3.5 ट्रिलियन डॉलर के महत्वपूर्ण उद्योग के रूप में खड़ा है और भारत को विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में हमारे महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदारों के साथ, फायदा दे रहा है। हलाल सर्टिफिकेशन के खिलाफ झूठे दावों का प्रचार करने वाले कुछ व्यक्ति सीधे तौर पर राष्ट्रीय हितों को कमजोर कर रहे हैं।

'राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड से पंजीकरण हमने हासिल किया'

हलाल ट्रस्ट के सीईओ नियाज अहमद फारुकी ने कहा,हम सरकारी नियमों का पालन करते हैं, जैसा कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना में जोर दिया गया है, सभी हलाल प्रमाणन निकायों को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड द्वारा पंजीकृत होना आवश्यक है, जो कि जमीअत उलेमा-ए-हिंद हलाल ट्रस्ट ने हासिल किया है, यह हमारे लिये एक प्रमुख उपलब्धि है।

उन्होंने कहा,हमारी ट्रस्ट के हलाल सर्टिफेट को दुनिभर में कई सरकारों से मान्यता प्राप्त है। भारतीय कृषि उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) और दुनियार भर में भारतीय दूतावासों के साथ निकटता से सहयोग करते हुए, हम वैश्विक बाजारों में भारतीय हलाल प्रमाणित उत्पादों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं। ट्रस्ट विश्व हलाल खाद्य परिषद के सदस्य भी हैं। 'मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड समेत कई देशों ने हमें मान्यता दी' उन्होंने बताया, मलेशिया (ज़ाकिम), इंडोनेशिया, थाईलैंड (सीआसीओटी), सिंगापुर (एमयूआईएस), दक्षिण कोरिया (एमएफडीएस), कतर (एमओएच), संयुक्त अरब अमीरात (एसओआईएटि, ईएसएमए और इआईएसी), सऊदी अरब (एसएफडीए), एसएएसओ (सऊदी अरब) सभी जीसीसी देशों (जीएसी) ने हमारे प्रमाणपत्र को मान्यता दी है। हम विश्व हलाल खाद्य परिषद अर्थात वर्ल्ड हलाल फूड काउंसिल के सदस्य हैं।

उन्होंने कहा,₹यह उपभोक्ताओं को उन उत्पादों का उपयोग करने से बचाता है जो वे कई कारणों से नहीं चाहते हैं। हमारे देश को लाभ पहुंचाने वाली एक महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि है।

अर्घ्य देकर लौट रहे 6 लोगों पर फायरिंग 3 की मौत

2 भाई-1 बहन ने तोड़ा दम, पिता-दो बहू घायल; बेटी के प्रेमी ने बरसाई गोलियां

लखीसराय, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार के लखीसराय में सोमवार सुबह छठ का अर्घ्य देकर लौट रहे परिवार पर ताबड़तोड़ फायरिंग हुई है। परिवार के लोग पूजा करने के बाद घाट से घर लौट रहे थे। घर से थोड़ी ही दूरी पर 6 लोगों को गोली मारी गई है।

फायरिंग में दो भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं बहन ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान शशि भूषण के बेटे चंदन कुमार और राजनंदन कुमार के रूप में हुई है। बेटी दुर्गा कुमारी की पटना में मौत हुई। घायलों में दो बहू लवली कुमारी, प्रीति कुमारी, और पिता शशि भूषण कुमार शामिल हैं। सभी घायलों को बेगूसराय सदर अस्पताल से पटना रेफर कर दिया गया है।

घटना जिले के कवैया थाना इलाके के पंजाबी मोहल्ला की है। प्रेम-प्रसंग में मृतकों के घर के सामने ही रहने वाले आशीष चौधरी ने गोली मारी है। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया है। वहीं पुलिस ने मौके से हत्या में इस्तेमाल पिस्टल जब्त कर ली है। लड़की की भाभी ने बताया कि पहले से ही इन दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग था। इसी को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है। आशीष चौधरी मेरी ननद से जबरदस्ती शादी करना चाहता था।

एसपी पंकज कुमार ने बताया कि पंजाबी मोहल्ला में एक ही परिवार के 6 से 7 लोग छठ घाट से लौट रहे हैं। गोलीबारी करने वाले युवक की पहचान पंजाबी मोहल्ला स्थित वार्ड नंबर 15 निवासी दुर्गा चौधरी के बेटे आशीष चौधरी के रूप में हुई है। जो पीड़ित परिवार के घर के पास ही रहता था। 6 लोगों को गोली लगी है। तीन साल से आरोपी का प्रेम प्रसंग मृतक पक्ष की लड़की (दुर्गा) से चल रहा था। आरोपी दुर्गा से शादी करना चाहता था,लेकिन लड़की के घर वाले नहीं मान रहे थे।

एक परिवार, 7 हत्याएं, माफिया बृजेश सिंह बरी

हाईकोर्ट ने 4 को सुनाई उम्रकैद; 37 साल पहले प्रधान समेत 4 मासूम का हुआ था मर्डर

प्रयागराज, 20 जून (एजेंसियां)। पूर्वांचल के माफिया और पूर्व एमएलए बृजेश सिंह को बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 37 साल पहले हुए सिकरौरा हत्याकांड में माफिया सहित 9 लोगों को बरी कर दिया है। हालांकि, 4 आरोपियों देवेंद्र सिंह, वकील सिंह, राकेश सिंह और पंचम सिंह को दोषी करार दिया है। उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई है। सोमवार को चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर और जस्टिस अजय भनोट की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया। 10 अप्रैल 1986 को वाराणसी के सिकरौरा गांव (अब चंदौली जिले में) एक परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी गई। रात में इस वारदात को अंजाम दिया गया था। इसमें गांव के प्रधान रामचंद्र यादव, उनके दो भाई रामजन्म, सियाराम और चार मासूम बच्चों मदन, उमेश, टुनटुन, प्रमोद नृशंस हत्या की गई थी।

वारदात की वजह जमीन संबंधी विवाद और ग्राम प्रधान चुनाव की रंजिश बताई गई थी। उस वक्त इसकी गूंज न सिर्फ पूर्वांचल बल्कि पूरे यूपी में सुनाई दी थी। रामचंद्र की पत्नी हीरावती देवी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में बृजेश सिंह सहित 13 लोग आरोपी बनाए गए थे। इसके बाद पहली बार बृजेश सिंह को जेल जाना पड़ा था। 2018 में वाराणसी की सेशन कोर्ट ने गवाहों के बयान में भिन्नता होने के चलते सभी 13 आरोपियों को बरी कर दिया था। सेशन कोर्ट के फैसले को वादिनी हीरावती और सरकार ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई चल रही थी। 9 नवंबर को सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद को कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पीड़िता की ओर से सीआरपीसी की धारा 391 के तहत अर्जी दाखिल कर विवेचक का बयान रिकॉर्ड पर लेने की मांग की गई। याची वकील उपेंद्र उपाध्याय ने कहा कि घटना का ट्रायल कई सालों बाद हुआ है।

कोरोना नहीं,पर असर बाकी, डांस-रनिंग से जा रही जान

तेज म्यूजिक-हॉर्न बढ़ा रहा हार्टबीट, नींद में भी आ सकता है हार्ट अटैक

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। कोरोना महामारी का साइड इफेक्ट अब तक सामने आ रहा है। कम उम्र में आने वाले हार्ट अटैक के पीछे कोरोना का हाथ बताया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कोविड से गंभीर तौर पर बीमार पड़े लोगों को एक-दो साल तक कड़ी मेहनत वाला काम या ज्यादा एक्सरसाइज न करने की सलाह दी है।

वहीं, पत्रकारों के साथ दिवाली मिलन कार्यक्रम में मीडिया समूह के मेडिकल चेकअप को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गंभीर दिखे। उन्होंने कहा, "मैं अनुभव कर रहा हूं कि हमने हाल ही में छोटी आयु के कुछ पत्रकारों को खोया है। 40 के बाद मेडिकल चेकअप होना चाहिए। हम और मीडिया के साथी मिलकर अगर इस दिशा में कुछ बना सके तो अच्छा रहेगा।"

दरअसल, युवाओं में हार्ट अटैक और कोरोना महामारी के बीच अक्सर संबंध जोड़ा जाता है। अब इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) में बात सामने आई है कि कोरोना ने दिल को कमजोर करने का काम किया है। यह असर कुछ सालों तक रहेगा। पिछले कुछ समय में यूपी में कई युवाओं के भी जिम में या डीजे फ्लोर पर हार्ट अटैक या कार्डिएक अरेस्ट से जान गंवाने की खबरें सामने आई हैं। इस पर हमने एसजीपीजीआई लखनऊ की कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रूपाली खन्ना से इसकी वजह समझने की कोशिश की और यूपी के स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक से जाना कि प्रदेश सरकार इसके लिए कितनी तैयार है?

पहले छह महीनों में यूपी में अचानक हार्ट अटैक आने की ये 6 प्रमुख घटनाएं देख लेते हैं

1- 16 नवंबर को गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की हार्ट अटैक से मौत।

2- 23 अक्टूबर को अंबेडकरनगर में दुर्गा पूजा के पंडाल में नाचते हुए 32 साल के युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

3- 16 सितंबर को गाजियाबाद में 20 साल के युवक को ट्रेडमिल पर दौड़ते हुए दिल का दौरा पड़ा और उसने वहीं पर दम तोड़ दिया।

4- 26 अगस्त को लखीमपुर खीरी में गदर-2 देखने गए 35 वर्षीय युवक की मॉल में पहुंचते ही हार्ट अटैक से जान चली गई।

5- 13 जुलाई को डांस करते हुए 45 साल के शख्स की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

6- 16 जून को शाहजहांपुर के 24 साल के युवक की नाचते समय हार्ट अटैक आने से मौत हो गई।

कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर रूपाली खन्ना कहती हैं कि कोरोना महामारी, खराब लाइफस्टाइल और जेनेटिक वजहों से युवाओं में हार्ट अटैक के मामले देखे जा रहे हैं। इसके शुरुआती लक्षणों को इग्नोर नहीं करना चाहिए। अगर किसी को सीने में भारीपन महसूस हो और फिर यह, कंधे, पीठ से होते हुए जबड़े तक जाए। साथ में पसीना भी आए तो कई बार युवा सोचते हैं कि यह गैस की प्रॉब्लम है। अगर किसी का ब्लड प्रेशर बढ़ा रहता है या स्मोकिंग करते हैं, तो उन्हें तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। हार्ट अटैक में दिल की मसल्स में खून की सप्लाई बंद हो जाती है। उन मसल्स को बचाने के लिए हार्ट अटैक का पहला घंटा सबसे जरूरी होता है।

इतने टाइम में अस्पताल पहुंचकर ईसीजी करा लिया जाए तो हार्ट अटैक की पुष्टि होते ही दवा शुरू की जा सकती है। एक घंटे में ब्लॉकेज को खोलने पर दिल में खून की सप्लाई शुरू हो जानी चाहिए।

ऐसा होने पर दिल की मसल्स रिकवर हो जाती हैं और दिल पहले जैसे पूरी तरह से काम करने लगता है।

बेतिया में छठ घाट पर सिलेंडर ब्लास्ट , एक की मौत ,14 घायल

गुब्बारे में गैस भरने के दौरान हुआ हादसा; तीन की स्थिति गंभीर

बेतिया, 20 जून (एजेंसियां)। जिले के पकड़िया छठ घाट पर गुब्बारा में गैस भरने के दौरान ये हादसा हुआ। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चनपटिया में भर्ती कराया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने सभी का प्राथमिक इलाज करने के बाद बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मौके पर चनपटिया विधायक उमाकांत सिंह पहुंचे हैं और अधिकारियों से घटना के संबंध में जानकारी ली। विधायक ने कहा कि सुबह मुझे पता चला कि ऐसी घटना घटी है। जिसमें कई घायल हैं। जिसमें एक की मौत हो गई। एक का दोनों पैर टूट गया है। जिसका इलाज चल रहा है। बहुत ही दुखद घटना है।

मृतक के भाई विनय कुमार ने बताया कि पूजा के दौरान उसकी मां ने उसे बताशा खरीदने के लिए भेजा था। वो गुब्बारे वाले दुकान से काफी दूर था, वहां पता नहीं कैसे पहुंच गया। सिलेंडर ब्लास्ट होते ही अफरा-तफरी मच गई। गुब्बारे वाला मौके से फरार हो गया।

कल होगी नीतीश कैबिनेट की बैठक

सरकारी सेवकों और पेंशनधारियों के डीए में हो सकता है 4 % का इजाफा

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार 22 नवंबर को कैबिनेट की बैठक बुलाई है। बुधवार को सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर कैबिनेट की बैठक होगी। पुराना सचिवालय के कैबिनेट हाल में यह बैठक होगी। दीवाली और छठ पर्व को लेकर पिछले दो सप्ताह से कैबिनेट की बैठक नहीं बुलाई गई है। जानकार सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 22 नवंबर को कैबिनेट की बैठक में सरकारी सेवकों और पेंशनधारियों के डीए को लेकर अच्छी खबर आ सकती है। सरकारी सेवकों और पेंशनधारियों के डीए में इजाफा किया जा सकता है। डीए 42 फीसदी से बढ़कर 46 फीसदी करने पर मीटिंग में फैसला लिया जा सकता है। सरकारी सेवकों को और पेंशनधारियों को वर्तमान में 42 फीसदी महंगाई भत्ता का भुगतान होता है। सातवें वेतनमान का लाभ ले रहे कर्मियो और पेंशनर को यह लाभ मिल रहा है। डीए में चार फीसदी का इजाफा किया जाएगा। डीए को 42 फीसदी से बढ़ाकर 46 किया जाएगा। सरकार के फैसले के बाद बिहार के 5 लाख सरकारी सेवकों फायदा मिलेगा। जबकि इतने ही पेंशन भोगी इससे लाभान्वित होंगे। एक जुलाई 2023 से इसका आर्थिक लाभ मिलेगा। दिसंबर के सैलरी में एरियर दिया जाएगा। सरकारी सेवक और पेंशनधारी को चार फीसदी डीए का बेसब्री से इंतजार है। केंद्रीय कर्मचारियों को डीए मिलने के बाद यह इंतजार लंबा खीचता जा रहा है। दशहरा बीता दिवाली निकला। छठ पर्व भी निकल गई। केंद्रीय कर्मियों और पेंशनधारियों को डीए में इजाफा पहले ही किया गया है। 18 अक्टूबर को मोदी कैबिनेट में यह फैसला लिया है। केंद्रीय कर्मचारियों को केंद्र सरकार त्योहारी तोहफा देते हुए कर्मचारियों का महंगाई भत्ता एक जुलाई 2023 से लागू की है।

अमिताभ ने इस बिहारी को अपने हाथों से पिलाई चाय

घर में जया बच्चन को क्या कहते हैं इसका भी कर दिया खुलासा

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार के सुजीत कुमार को सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने खुद अपने हाथों से चाय पिलाई है। दरअसल, सुजीत कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 के एक कंटेस्टेंट रहे हैं। धनतेरस पर टेलीकास्ट हुए एपिसोड के दौरान अमिताभ बच्चन ने सुजीत को चाय पिलाने का वादा किया था और फिर अपना वादा पूरा करते हुए उन्होंने फिल्मी अंदाज में सुजीत को चाय का ग्लास थमाया था। यह पल सुजीत के लिए यादगार था। सुजीत के साथ अमिताभ बच्चन ने अपने घर के कई राज भी खोले थे।

सुजीत बताते है कि उन्होंने 2015 से रजिस्ट्रेशन करना शुरू किया था। वह हर एक साल ट्राय करते थे, लेकिन केबीसी का बुलावा नहीं आता। फिर एक दिन अचानक 4 अक्टूबर 2023 को उनकी किस्मत पलटी और उन्हें कौन बनेगा करोड़पति से कॉल आया। उन्हें लगा की कोई फ्रॉड कॉल है, इसलिए उन्होंने इसे सीरियसली नहीं लिया। फिर केबीसी की टीम ने उनसे को-ऑपरेट किया और लिंक भेजकर लॉग इन करने को कहा। उन्होंने फिर ऑडिशन दिया और उनसे कुछ सवाल पूछे गए। बाद में केबीसी की टीम ने उनसे कहा कि अगर वो सिलेक्ट होते हैं, तो उन्हें फाइनल कॉल आएगा।

उस दिन के बाद से वह दिन-रात बस कॉल का ही इंतजार करते थे। वह सोते-उठते, बैठते-जागते फोन अपने साथ ही रखते थे। जब भी उनका फोन रिंग करता था या अलार्म भी बजता था, तो उन्हें यही लगता था की केबीसी का फाइनल कॉल आ गया है। 23 अक्टूबर 2023 को आखिरकार वह पल आ ही गया, जब उन्हें केबीसी की ओर से फाइनल कॉल आया। उनका फाइनल सिलेक्शन हो गया था और वह 3 नवंबर को पटना से मुंबई गए। सुजीत ने बताया कि सेट पर पहुंचते ही वह चीजों को एक्सप्लोर कर रहे थे, पर जैसे ही अमिताभ बच्चन आए उनकी धड़कन जैसी थम सी गई थी। वह यकीन नहीं कर पा रहे थे कि जिस महानायक को वह दूर से टीवी पर देखते थे, वह उनके सामने मौजूद हैं।

केबीसी की शूटिंग के दौरान सुजीत के साथ कई ऐसी चीजें हुई, जो चर्चा का विषय बन गया। सुजीत ने बताया कि 10 सवाल पार करने के बाद 3 लाख 20 हजार का एक पड़ाव होता है, जिससे सुपर संदूक खुल जाता है। अमिताभ बच्चन ने सुजीत को कहा था कि अगर वह सारे 10 सवाल के जवाब 90 सेकंड के अंदर दे देंगे तो वह उन्हें डिनर पार्टी देंगे। खेल खेलने से पहले ही सुजीत ने अमिताभ बच्चन से प्रॉमिस करवा लिया कि अमिताभ उन्हें पार्टी देंगे। फिर अमिताभ ने भी चाय पर बात डन की।

एक दलित बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या

नशे में धुत पांच दबंगों ने घटना को दिया अंजाम, 3 गिरफ्तार

मधेपुरा, 20 जून (एजेंसियां)। मधेपुरा में एक दलित परिवार के बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी। गांव के ही अशोक यादव समेत 5 की संख्या में नशे में धुत दबंगों ने घटना को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि घटना के पीछे महादलित परिवार की नाबालिग बेटी से जुड़ा तार है। गांव के लोगों ने दबी ज़ुबान से बताया कि अशोक यादव और उनके गुर्गों ने पहले महादलित युवती के साथ छेड़खानी करने का प्रयास किया। इसका विरोध करने पर दबंगों ने पहले तो लाठी-डंडे से जमकर पिटा। इससे बुजुर्ग महिला की मौत हो गई।

हालांकि गांव के लोग कैमरे पर यह बात बताना मुमकिन नहीं समझ रहे हैं। दरअसल, मामला मुरलीगंज थाना क्षेत्र के पोखराम परमाणनंदपुर पंचायत के वार्ड संख्या 11 का है। जहां बीते देर रात एक महादलित परिवार पर गांव के ही यादव समुदाय के दबंग लोगों ने हमला बोला। घर में घुसकर पति-पत्नी को गांव में दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। इस दौरान बीच बचाव करने पहुंची 50 साल की बुजुर्ग महिला की भी पीट कर हत्या कर दी। हालांकि इस घटना में एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि पड़ोस के ही अशोक यादव उर्फ कारी यादव समेत गांव के चार से पांच नशेड़ी ने मिलकर घटना को अंजाम दिया है। वहीं घटना के संबंध में मृतिका की बहू सुनीता देवी ने बताया कि हमलोग छठ घाट से वापस लौट के घर आए तो मेरी सास, मेरी बच्ची को लेकर चौकी पर बैठ गई।

हम खाना बनाने के लिए चूल्हा के पास जा के बैठे ही थे कि इसी दौरान पड़ोस के लोगों ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा कि चलो धोबिया का लहास नहीं गिराना है।

सभी लोग शराब के नशे में थे। इसके बाद मेरी सास के साथ अंधाधुंध मारपीट करने लगा। हम अपनी बच्ची को लेकर किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाए। घर के बाहर निकलते ही एक बाइक वाला हमको मिला, तो हम गांव के ही एक सनातन चाचा के पास आए। लेकिन गांव के कोई भी लोग मेरी सास को बचाने के लिए नहीं आया।

इस मामले को लेकर मधेपुरा एसपी राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस तत्काल शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

तीन लोग गिरफ्तार भी हुए हैं। साथ ही फिलहाल पीड़ित परिजनों के द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

आवेदन प्राप्त होते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 21 नवंबर, 2023

मेरा हैदराबाद

सुविचार

छल करोगे तो छल मिलेगा,
आज नहीं तो कल मिलेगा,
अगर जियोगे जिंदगी सच्चाई से,
तो सुकून हर पल
मिलेगा !

नौकरी के लिए तैयारी करने वाले युवाओं से केटीआर मिले

चुनाव के बाद विशेष बैठक करने का दिया आश्वासन

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मंत्री के तारक रामा राव ने कहा कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद वह हैदराबाद के अशोक नगर में सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ एक विशेष बैठक करेंगे। अशोक नगर के साथ ही कई विश्वविद्यालयों में फेस्टिवल जॉब की तैयारी कर रहे कुछ छात्रों ने केटीआर से मुलाकात की. इसके बाद मंत्री ने केटीआर से सरकारी नियुक्तियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक बातचीत की। इस मौके पर केटीआर ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह चुनाव परिणाम घोषित होने के चौथे दिन सुबह 10 बजे अशोक नगर में सरकारी कर्मचारियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें सरकारी नौकरियों को भरने से संबंधित सभी मुद्दों पर गहन चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियां पैदा करने में उनकी प्रतिबद्धता पर किसी के सवाल उठाने की कोई संभावना नहीं है। खासकर कांग्रेस पार्टी जो प्रति वर्ष 1000 नौकरियां भी पैदा नहीं करती है। उन्होंने कहा कि वे राज्य के युवाओं को एक लाख सरकारी नौकरियां देने के वादे को दोगुना करते हुए 2 लाख 30 हजार सरकारी नौकरियों को भरने की प्रक्रिया जारी रख रहे हैं। उन्होंने कहा, इसमें 1,62,000 से ज्यादा सरकारी नौकरियां पहले ही भरी जा चुकी हैं. उन्होंने कहा कि देश में कोई भी ऐसी राज्य सरकार नहीं है जिसने पिछले दस सालों में तेलंगाना से ज्यादा सरकारी नौकरियां भरी हों। कांग्रेस पार्टी के नेता जो केवल राजनीतिक द्वेष से उनकी आलोचना कर रहे हैं, उन्हें इस मामले में प्रदेश के युवाओं को जवाब देना चाहिए। उन्होंने तेलंगाना राज्य के छात्रों को चुनौती दी कि वे आंकड़ों के साथ युवाओं को समझाएं कि क्या जिस राज्य में उनकी सरकार है वह दस साल में तेलंगाना से ज्यादा नौकरियां देगा। राज्य के युवाओं और छात्रों ने कांग्रेस पार्टी से तथ्यों को जानने और अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए इस मुद्दे पर झूठे प्रचार को पलटने की अपील की। इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा भरी गई नौकरियों के तालुकवार विवरण की सूची और वर्तमान में भरी गई नौकरियों का तालुकवार विवरण आंकड़ों सहित प्रदान किया गया।

रैतु बंधु योजना को जारी रखने के लिए केसीआर को चुनें : मंत्री

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामा राव ने लोगों से बीआरएस के पक्ष में मतदान करने और रैतु बंधु योजना को जारी रखने के लिए के चंद्रशेखर राव को लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में चुनने का आग्रह किया।

केटी रामा राव ने सोमवार को यादगिरी गुट्टा, भुवनागिरी और मिर्यालागुडा कस्बों में रोड शो किया। रोड शो में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एकमात्र नेता थे जो रैतु बंधु जैसी किसान हितैषी योजना ला सकते थे और तेलंगाना में रायथु बंधु योजना को जारी रखने के लिए केसीआर को फिर से चुना जाना चाहिए। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों का उपहास करते हुए, जहां उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पार्टी के पास मुफ्त बिजली आपूर्ति पर पेटेंट है, केटीआर ने पूछा कि जब कांग्रेस सरकार में थी तो गुणवत्तापूर्ण बिजली कहां थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब विपक्ष में थे तो गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी का रोना रोते थे और पीएम बनने के बाद उन्होंने गैस सिलेंडर की कीमतें बढा दीं।

केटीआर ने कहा कि अगर बीआरएस सत्ता में आती है, तो सीएम केसीआर 800 रुपये वहन करेंगे और तेलंगाना में लोगों को 400 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यादगिरी गुट्टा का विकास नहीं कर सकी, पानी, बिजली आपूर्ति देने में विफल रही और प्रगतिशील योजनाओं को लागू नहीं किया जो अब बीआरएस सरकार द्वारा लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा, यदाद्रि को बड़े पैमाने पर रूपांतरित किया जा रहा है, जो कि तिरुपति को टक्कर दे रहा है।

प्रवासी लोगों की सुरक्षा व विकास को सरकार की प्रथमिकता : तलसानी

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर विधायक प्रत्याशी मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना राज्य में सभी वर्ग के लोग काफी खुश हैं। उन्होंने रविवार रात अमीरपेट के म्यूनिसिपल ग्राउंड में उत्तर भारतीय प्रवासी सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित दिवाली स्नेह सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मिनी इंडिया कहे जाने वाले हैदराबाद में अलग-अलग क्षेत्र और अलग-अलग भाषा के लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि यहां रहने वाले सभी लोग तेलंगाना के बच्चे हैं और उनकी सरकार उनका ख्याल रखती है। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद हैदराबाद शहर का काफी विकास हुआ और हैदराबाद देश के महत्वपूर्ण शहरों में से एक बन गया है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की निगरानी के मामले में हम देश में शीर्ष पर हैं और हैदराबाद देश में सबसे ज्यादा सीसी कैमरों वाला शहर भी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार में सभी प्रकार के व्यापारी बिना किसी समस्या के अपना कारोबार जारी रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि तेलंगाना राज्य विकास और कल्याण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में देश के लिए दिशा सूचक यंत्र बन गया है। कहा कि जो विकास 50 साल में नहीं हुआ वह साढ़े नौ साल में हो गया। उन्होंने याद दिलाया कि जैन समाज के भवन निर्माण के लिए उप्पल भगायत में 2 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। उन्होंने कहा कि महावीर अस्पताल के तत्वावधान में गरीब लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं को मान्यता देते हुए करोड़ों रुपये की लीज अस्पताल की जगह निःशुल्क आवंटित की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वह हर समय लोगों के लिए उपलब्ध रहेंगे और सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र में पहले ही कई विकास कार्य किए जा चुके हैं। इस अवसर पर सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र बीआरएस प्रभारी तलसानी साईं किरण यादव, पूर्व पार्षद नमना सेशुकुमारी, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, जैन समाज के अध्यक्ष हंसराज कोठारी, हिमांशु बापना, गुलाब सिंह, उत्तम सिंह, चैन सिंह, पीयूष गुप्ता और माहेश्वरी समाज के बंगाली मौजूद रहे।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की साधारण सभा, दीपावली मिलन व अन्नकूट प्रसाद मलकपेट गंज स्थित अग्रसेन हाल में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम पदाधिकारी ने महाराज श्री अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना की। अध्यक्ष पंकज कुमार संघी ने सह परिवार पधारे सदस्यों का स्वागत किया। मानद मंत्री प्रदीप बंसल ने गत साधारण सभा की रपट पारित करवाने के पश्चात शाखा की गतिविधियों से सदस्यों को परिचित करवाया। अवसर पर श्याम सुंदर अग्रवाल के संयोजन से शाखा के मेधावी विद्यार्थियों को रजत पदक व प्रशास्त्री पत्र प्रदान कर पदाधिकारियो तथा वरिष्ठ सदस्यों ने सम्मान किया। केंद्रीय समिति के कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए समाज द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। शाखा के परामर्शदाता सुरेश चंद्र गुप्ता, भारतीय जनता पार्टी के नेता सतीश अग्रवाल तथा मलकपेट क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी सुरेंद्र रेड्डी ने सभा को संबोधित करते हुए मतदान की महत्व पर प्रकाश डाला।

केंद्रीय समिति सदस्य लाजपत राय गुप्ता ने संचालन करते हुए सभी सदस्यों से आगामी रविवार 7 जनवरी 2024 को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया. श्याम सुंदर अग्रवाल ने दीपावली के पांच दिवस के कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए योग शिविर के आयोजन की जानकारी दी। अवसर पर परामर्शदाता गोविंद नारायण मोदी, सुरेश चंद्र गुप्ता, चंद्र मोहन अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश पचारिया, हरिश्चंद्र बजाज, उपाध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सतनारायण मोदी, कार्यक्रम के संयोजक सुरेश कुमार गोयल, दिनेश गोयल, संजीव गोयल, सदस्य गोपाल दास मोदी तथा अन्य सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे।

कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम परिवार की पार्टियां : अमित शाह

कोरुतला/जनगांव, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि भाजपा एकमात्र लोगों की पार्टी है, जबकि कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम पारिवारिक पार्टियां हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि राज्य में बीआरएस सत्ता में है। इसका स्टीयरिंग व्हील एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के नियंत्रण में है। ये सभी 2जी, 3जी और 4जी पार्टियां हैं। बीआरएस केसीआर और केटीआर के साथ दो पीढ़ियों की पार्टी है, एमआईएम दादा, पिता और पुत्र के साथ तीन पीढ़ियों की पार्टी है और कांग्रेस चार पीढ़ियों जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और राहुल गांधी के साथ है। ये पार्टियां अपने परिवारों की परवाह करेंगी लेकिन आम आदमी की नहीं, अमित शाह ने सोमवार को कोरुटला और जनगांव में आयोजित सकल जनुला विजय संकल्प सभा की बैठकों को संबोधित करते हुए कहा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जब तेलंगाना को तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने तत्कालीन निज़ाम के चंगुल से मुक्त कराया था, तब बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव एमआईएम को खुश करने के लिए मुक्ति दिवस नहीं मना रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि हम भैरनपल्ली में शहीद स्मारक बनाने के अलावा हर साल 17 सितंबर को आधिकारिक तौर पर मुक्ति दिवस का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी तेलंगाना के विकास, बीसी वर्गीकरण और बीसी मुख्यमंत्री के लिए प्रतिबद्ध है जैसा कि पार्टी ने वादा किया था।

बीआरएस पर देश की शीर्ष भ्रष्ट सरकार होने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कालेश्वरम, मिशन भागीरथ और मिशन काकतीय में भारी भ्रष्टाचार हुआ। उन्होंने बीआरएस नियम में भ्रष्टाचार पर सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश द्वारा जांच का आदेश देने और यह सुनिश्चित करने का वादा किया कि जो लोग भ्रष्टाचार में शामिल थे, उन्हें दंडित किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का नाम और प्रसिद्धि नई ऊंचाइयों को छू गया। हमने नई संसद का निर्माण किया है। दुनिया मार्गदर्शन और नेतृत्व के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने शाम को उप्पल विधानसभा क्षेत्र में रोड शो में भी हिस्सा लिया।

गोपाष्टमी पर इमलीबन गौशाला में गोसेवा करते हुए ए. गौतम जैन, पी. राजेंद्र यादव, गजानंद चौधरी, रघुनंदन गोप व अन्य।

श्री गोपाल गौशाला में भव्य अन्नकूट महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपटनम की मनोरम पहाड़ियों के बीच प्राकृतिक और सुरम्य वातावरण में स्थित श्री गोपाल गौशाला में भव्य अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया गया। गोपाष्टमी के मौके पर आयोजित इस महोत्सव को लेकर गौ भक्तों का जबरदस्त उत्साह देखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और गौ पूजन से हुई। जिसमें श्री गोपाल गौशाला संस्था के टस्ट्री तुलसीराम बंसल, सतवीर गर्ग, महावीर प्रसाद अग्रवाल, विनोद गर्ग, वेद प्रकाश अग्रवाल, सुरेश गोयल, इंदरमल सिंघानिया और सीएच पापाराव ने हिस्सा लिया। जिसके बाद गौशाला में स्थित मंदिर में भगवान को अन्नकूट प्रसाद निवेदित किया गया। जिसके दर्शन के लिए भक्तों का सैलाब मंदिर परिसर में उमड़ पड़ा। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन के सचिव विजय बंसल, मीडिया संस्था इंडिलिंक्स न्यूजलैब के मुकेश सैनी, कारोबारी घनश्याम बंसल, समाजसेवी रमेश काबरा, राजूराम सेपटा, वर्राराम, गायत्री नगर से चंपालाल एवं उनकी टीम, बाबू सिंह, सुनील सिंघल, सरोज सिंघल, भीम गोयल, नरसिंह गोयल, सुशील शर्मा, हरिओम धारिवाल, सुभाष सिंह, प्रवीण अग्रवाल, रामनिवास शर्मा, विनोद तोमर, गुप्ताजी, विवेकानंद रेड्डी, ओमजी मौजूद रहे, तो वहीं महिलावर्ग में गौशाला के लिये प्रमुख योगदान देने वाली शांति देवी गर्ग, गोविंदी बाई काबरा, मीना गोयल, रेखा अग्रवाल, सुशीला देवी, रेखा बंसल, रिंकी बंसल, एकता सैनी ने भी हिस्सा लिया।

अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा का दीपावली मिलन कार्यक्रम

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा का दीपावली मिलन एवं अंकुट कार्यक्रम शिवरामपल्ली स्तिथ कुबेर टावर्स में संम्पन हुए।

जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के मंत्री ललित अग्रवाल ने बताया की सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी पूजा अर्चना की गयी तत्पचात शाखा के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने पधारे सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दी एवं सभी का स्वागत किया, तत्पचात अतिथि के रूप में पधारे अग्रवाल समाज तेलंगाना के कोषाध्यक्ष श्री नवीन कुमार अग्रवाल जी का सभी पदाधिकारीओ ने स्वागत किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, मानद मंत्री ललित अग्रवाल, सह मंत्री सुशील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनिल बंसल, केंद्रीय समिति सदस्य राजेश जैलिया, अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल के अध्यक्ष राकेश कुमार जालान, सुनील कुमार अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, संदेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, सुमित मोदी, गौरव अग्रवाल, वैभव अग्रवाल, राजेश कुमार गुप्ता, अनुज अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अविनाश अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

चुनावी अभियान में चिंतला को भारी जनसमर्थन, जगह-जगह पर स्वागत

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी चिंतला रामचन्द्र रेड्डी ने आज अपने चुनावी अभियान के तहत चंदनगर, पुरानी कामेल और संजय गांधी नगर बस्ती का दौरा किया। हिमायत नगर क्षेत्र में भाजपा के चुनाव प्रचार के दौरान चिंतला पर वहां के निवासियों ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया व भारी समर्थन का आश्वासन दिया। चिंतला रामचंद्र रेड्डी ने चंदानगर व संजय गांधी नगर बस्ती में पदयात्रा की। कार्यक्रम में स्थानीय मंडल के भाजपा नेता सतीश कुमार जाजू, नरसिंग, प्रसाद, अनिल जैन एवं अन्य कार्यकर्ता, महिलाएं, युवा व अन्य लोग भारी सख्या में शामिल हुए।

मायुम गंडीमैसम्मा शाखा द्वारा 'आनंद सब के लिए' कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे आनंद सबके लिए कार्यक्रम के अंतर्गत मारवाड़ी युवा मंच गंडीमेसामा शाखा के द्वारा पल्लवी अनाथ आश्रम में अनाथ लोगों के बीच कपड़े मिठाई एव अन्य पौष्टिक आहार वितरण करके उनके साथ अपनी खुशियां बांटने का युवा मंच द्वारा प्रयास किया गया। इस मौके पर उपस्थित गंडीमेसामा शाखा अध्यक्ष मंगल मुलेवा मंत्री कैलाश सोलंकी उपाध्यक्ष धर्माराम काग संगठन मंत्री किशोर बर्फ जल अमृतधारा संयोजक नेमाराम राठौर पूर्व अध्यक्ष राजूराम कुमावत के साथ ही अन्य लोग मौजूद थे।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(http://ireps.gov.in व्दारा) PUB/1266

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, डिप्युटी सीईई/जीएस/एससी व्दारा निम्न कार्यों के लिए सिंगल पैकेट सिस्टम आफ टेंडरिंग पध्दति में ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01,एनआयटी नं. सीइ 29जीएसयुटीआरडी11, 2023-24, कार्य विवरणः निविदा सं. सीइजीएसयुटीआरडी11,2023-24 दि.17.11.2023, एससी डिवीजन के पीडीपीएल-केवायओपी स्टेशनों के बीच 292/24-26 किमी पर एलसी नं.39 के स्थान पर प्रस्तावित आरओबी निर्माण के मध्देनजर टीआरडी कार्य का अंश (पोर्शन आफ वर्क)। निविदा मूल्य(रू.) 3470079.44, पूरा करने की अवधिः 120 दिन, बंद करने की तिथि 11.12.2023, 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरणार्थ कृपया वेबसाइटः /// http://ireps.gov.in पर लाग इन करें। निविदाकर्ताओं व्दारा केवल ई-टेन्डरिन्ग के माध्यम से ही भाग लिया जा सकेगा एवं मैन्युएल आफर्स पर कतई विचार नहीं किया जायेगा। सभी भावी निविदादाताओं से अनुरोध है कि, पूधरा मूल्य का भुगतान केवल आनलाइन पेमेंट्स व्दारा ही करें। सभी भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्या प्राप्त करें एवं इसे अपने आफर्स के साथ प्रस्तुत करें।

निविदादाता व्दारा किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की शुरू की तिथि तक ही अवलोकन करें।

उप मुख्य बिजली अभियंता/गति शक्ति/सिकंदराबाद

निविदा सूचना संख्या
एनइडी/इ.29/टीआरडी/टेंडर/16/2023-24 दि.17.11.2023 PUB/1267

अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01, टेंडर नं. एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/16/2023-24, कार्य विवरणः अमृत भारत स्टेशन योजना(एबीएसएस) के तहत नांदेड डिवीजन में एफओबीज के प्रावधान से संबंधित ओएचइ के प्रति परिवर्धन एवं परिवर्तन कार्य। अनुमानित मूल्य(रू.) 2,09,49,517/- पूरा करने की अवधिः 15 महिने, बोली सुरक्षा राशि(रू.) 2,54,700/-

बंद करने की तिथिः 15.12.2023, 16.00 बजे
वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, टीआर, नांदेड
A1744

तत्संबंधित निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

स्वतंत्र वार्ता
मंगलवार, 21 नवंबर - 2023

डीपफेक -चरित्र हनन का औजार जिसने मोदी को भी नहीं छोड़ा

अशोक भाटिया

पांच नवंबर को अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इस वीडियो का विरोध करते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। वहीं अभिनेत्री के समर्थन में अमिताभ बच्चन आए और कानूनी कार्रवाई की मांग की जिसके बाद इस फेक वीडियो पर रश्मिका की भी प्रतिक्रिया सामने आई थी । दरअसल यह वीडियो असल में जारा पटेल का था । अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की डीप फेक वीडियो के बाद हर कोई सकते में था । पर इस मामले में ज्यादा तूल तब पकड़ा जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को इस बारे में चेतावनी दी। मोदी ने कहा कि एक तरफ नई-नई टैक्नोलॉजी जिंदगी को जहां आसान बना रही है, वहीं नई टैक्नोलॉजी के अपने खतरे भी हैं, ऐसे खतरे जो किसी की जिंदगी बर्बाद कर सकते हैं, सामाजिक ताने-बाने को खराब कर सकते हैं, समाज में तनाव पैदा कर सकते हैं, इसलिए, इससे सावधान रहने की ज़रूरत है। मोदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के आने के बाद अब जागरूकता ज़रूरी है क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस असली-नकली का फर्क खत्म कर देती है. पता ही नहीं चलता कि क्या सच्चा है और क्या नकली। मोदी ने फेक वीडियो की बात की। कहा कि आजकल सबके हाथ में फोन है, हर फोन में तमाम तरह के एप हैं, सबमें सोशल मीडिया एप हैं और अगर एक फेक वीडियो आता है तो वो कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया के जरिए लाखों लोगों तक पहुंच जाता है, लोग उसे सही समझ लेते हैं। इससे किसी व्यक्ति या समाज का बड़ा नुकसान हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को पत्रकारों के साथ एक दीपावली मिलन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि कैसे एक नकली वीडियो में उन्हें महिलाओं के साथ गरबा डांस करते हुए दिखाया गया। मोदी ने बताया कि स्कूल के दिनों के बाद से उन्होंने कभी गरबा डांस किया ही नहीं लेकिन इस वीडियो को देखकर कोई नहीं कह सकता कि वीडियो में जो व्यक्ति गरबा कर रहा है, वो प्रधानमंत्री नहीं। ये वीडियो डीप फेक वीडियो है। चूंकि टैक्नोलॉजी इतनी आगे बढ़ गई है कि किसी भी व्यक्ति को कुछ भी करते हुए, कहते हुए दिखाया जा सकता है। चेहरा भी उसी का होगा, आवाज भी उसी की होगी लेकिन सब नकली और क्या असली है, क्या नकली है, इसकी पुष्टि करने के लिए आम लोगों के पास कोई ज़रिया नहीं है। इसलिए जो दिखता है, लोग उसी पर भरोसा कर लेते हैं। मोदी ने कहा कि अभी भले समझ में न आए, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का खतरा भविष्य में बड़ी परेशानियां पैदा कर सकता है, इसलिए इसके प्रति लोगों को सावधान करने की जरूरत है। फेक वीडियो का कैसे दुरुपयोग हो सकता है, इसका उदाहरण मध्य प्रदेश के चुनाव में हुआ। चुनाव के दौरान फेक वीडियो का खूब इस्तेमाल हुआ। कांग्रेस और बीजेपी ने इसको लेकर चुनाव आयोग में एक दूसरे के खिलाफ खूब शिकायतें कीं। शुक्रवार को वोटिंग खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान नकली, झूठे वीडियो दिखाए और जनता को गुमराह करने की कोशिश की। दरअसल, बीजेपी ने झूठे प्रचार और गलत तरीकों से प्रचार के करीब दो दर्जन शिकायतें की हैं। इनमें ज्यादातर शिकायतें उन वीडियो की है, जो दूसरे वीडियो पर नकली आवाज़ और ग्राफिक्स सुपरइंपोज करके बनाए गए हैं। इस तरह के कई वीडियो मध्य प्रदेश में सोशल मीडिया के जरिए खूब फैलाए गए। एक वीडियो में दिखाया गया कि शिवराज सिंह कैबिनेट की मीटिंग के दौरान मंत्रियों और अफसरों से कह रहे है कि 'जनता बहुत नाराज है. ।बीजेपी भारी अंतर से हार सकती है...इसलिए कुछ भी करो...हर गांव में जाओ, बूथ पर जाओ...जो करना है करो...अभी वक्त है...सब ठीक करो...मैनेज करो...' असली वीडियो चुनाव के एलान से पहले शिवराज सिंह चौहान की आखिरी कैबिनेट मीटिंग का है। वीडियो असली था लेकिन इसमें आवाज शिवराज सिंह चौहान की नहीं है। चौहान की आवाज की हूबहू नकल करके इसे वीडियो पर सुपर इंपोज किया गया। इस वीडियो को जिन व्हॉट्सऐप ग्रुप्स के जरिए फैलाया गया, उनकी शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने जांच करके इस तरह के वीडियो को तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटवाया। इस तरह के वीडियो कांग्रेस से जुड़े लोगों की तरफ से सर्कुलेट किए गए। ऐसे दर्जनों वीडियो बनाए गए । 'कौन बनेगा करोड़पति' की ओरिजनल क्लिप से छेड़छाड़ की गई। होस्ट और कंटेस्टेंट की आवाज़ बदलकर सारा कंटेंट बदल दिया गया। इस वीडियो से ये मैसेज देने की कोशिश की गई कि शिवराज सिंह सिर्फ घोषणाएं करते हैं, उन पर अमल नहीं करते। कौन बनेगा करोड़पति शो के होस्ट अमिताभ बच्चन थे, लेकिन आवाज सबकी नकली थी। आवाज सुपरइंपोज करके, ग्राफिक्स डालकर ऐसा दिखाने की कोशिश की गई जैसे वाकई में 'कौन बनेगा करोड़पति' में सवाल पूछा गया और शिवराज सिंह चौहान को घोषणा मुख्यमंत्री बताया गया। कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे मध्य प्रदेश में खूब सर्कुलेट किया। 'कौन बनेगा करोड़पति' को टेलीकास्ट करने वाली कंपनी सोनी टीवी को सफाई देनी पड़ी जिसमें कहा गया कि ये नकली वीडियो है, होस्ट और कंटेस्टेंट्स की आवाज़ से छेड़छाड़ की गई है, साइबर क्राइम सेल में शिकायत की गई है। सोनी टीवी ने लोगों से अपील की कि इस तरह के वीडियो शेयर न करें। इसी तरह मशहूर एक्टर कार्तिक आर्यन को भी इस तरह के गुमराह करने वाले एक नकली कैम्पेन में लपेट लिया गया। कांग्रेस के ब्लू टिक वाले किसी समर्थक ने कार्तिक आर्यन का एक वीडियो शेयर कर दिया और उसके साथ कैप्शन लिखा कि अब तो कार्तिक आर्यन भी कांग्रेस का समर्थन करने लगे हैं। चूंकि कार्तिक आर्यन मध्यप्रदेश के ही रहने वाले हैं, इसलिए, जानबूझकर उनका वीडियो इस फर्जी कैम्पेन के लिए इस्तेमाल किया गया। इस वीडियो की खास बात ये थी कि इसमें कांग्रेस का चुनाव निशान पंजा भी लगाया गया था। कार्तिक आर्यन ने अगले ही दिन स्पष्टीकरण जारी कर दिया और कहा कि जिस वीडियो से छेड़छाड़ कर सियासत की जा रही है वो तो एक OTT प्लेटफॉर्म का एड है जिसे डॉक्टर्ड करके कांग्रेस का विज्ञापन बना दिया गया । दुष्प्रचार और अफवाहें किस कदर खतरनाक हो सकती हैं इससे हम सब वाकिफ हैं ये झुंझलाहट पैदा करती है तो इनसे दुनिया में जंग तक की नौबत आ सकती है।कई ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं जब इनकी वजह से समाज में फूट पड़ी और बड़े पैमाने पर कलह-झगड़ा हुआ है। ये झूठी होने के बाद भी इस कदर मजबूत होती हैं कि चुनावों के नतीजों तक असर डालने का दम रखती हैं । सोशल मीडिया के दौर में ये खतरा बेहद बढ़ा हुआ है।जब भू-राजनीतिक आकांक्षाओं वाले साइबर हैकर, किसी विचारधारा को पागलपन की हद तक मानने वाले लोग, हिंसक चरमपंथियों और पैसे लेकर खतरों पर खेलने वाले लोग सोशल मीडिया का इस्तेमाल अपने गलत मकसद के लिए करते हैं।इस तरह से भ्रामक और झूठे तरीकों से गलत सूचनाओं को फैलाने वाले लोगों के हाथ डीपफेक के तौर पर अब एक नया हथियार लगा है । आखिर ये डीपफेक है क्या है ?यह जानना भी जरूरी है । दरअसल डीपफेक का मतलब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- एआई के जरिए डिजिटल मीडिया में हेरफेर करना है।एआई के इस्तेमाल से शरारती तत्व वीडियो, ऑडियो, और फोटोज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर हेरफेर यानी मनिप्युलेशन और एडिटिंग को अंजाम देते हैं।इस तरह से देखा जाए तो ये बेहद वास्तविक लगना वाला डिजिटल फर्जीवाड़ा है, इसलिए इसे डीपफेक नाम दिया गया है । वैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से पैदा किया गया सिंथेटिक मीडिया या डीपफेक कुछ क्षेत्रों में बेहद फायदेमंद साबित होता है।उदाहरण के लिए, शिक्षा, फिल्म निर्माण, आपराधिक फोरेंसिक और कलात्मक अभिव्यक्ति में ये बहुत काम की चीज है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का मतलब एक मशीन में इंसान की तरह सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना है । यही वजह है कि इसे कंप्यूटर साइंस में सबसे बेहतरीन और टॉप माना जाता है।इसमें कंप्यूटर को इस तरह से तैयार किया जाता है कि वो बिल्कुल इंसान की तरह से सोच कर काम कर सके।इस सबके साथ इसका बहुत बड़ा नुकसान भी है।जैसे-जैसे सिंथेटिक मीडिया में टेक्नोलॉजी का दखल बढ़ रहा है, वैसे-वैसे इसके जरिए शोषण का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। रोबोट्स, कंप्यूटर्स से लेकर मोबाइल एप्लीकेशन में एल्गोरिदम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस्तेमाल में लाई जाती है।

म्यांमार संकट, भारत के लिए खतरा

पडोसी देश म्यांमार में काफी समय से सैन्य शासन लागू है। इसके खिलाफ थ्री ब्रदरहुड अलायंस का ऑपरेशन 1027 अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। अब तो खुद सैन्य शासन भी इस अलायंस से घबराने लगा है। सैन्य प्रशासन ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि बड़ी संख्या में सशस्त्र बागी सैनिक हमले पर उतारू हैं। खबरों के अनुसार ब्रदरहुड अलायंस के सैकड़ों की संख्या में ड्रोन सैन्य चौकियों पर लगातार बम बरसा रहे हैं। बता दें कि म्यांमार में यह संकट लगभग दो साल पहले तब उभरा था जब फरवरी 2021 में सेना ने आंग सान सू की की अगुआई वाली निर्वाचित सरकार के हाथों से जबरन सत्ता छीन ली थी। उस समय पूरे देश में उसका जमकर विरोध किया गया। लोकतंत्र बहाली की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतर गए। लेकिन सैन्य शासकों ने आम लोगों के इस विरोध को ताकत से कुचलने की कोशिश की। नतीजतन उग्र आंदोलनकारियों का एक हिस्सा हथियार उठाने का फैसला कर लिया। ये आंदोलनकारी उन सशस्त्र समूहों से जा मिले जो पहले से ही आत्मनिर्णय की मांग कर रहे थे। उसके बाद से ही दोनों पक्षों में निरंतर झड़पें चलती रहीं। इन झड़पों में अब तक 4000 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है। इसमें एक नया मोड़ तब आया जब 27 अक्टूबर से म्यांमार नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी, तांग नैशनल लिबरेशन आर्मी और अराकाम आर्मी - जिन्हें 3 ब्रदरहुड अलायंस कहा जा रहा है- ने मिलकर ऑपरेशन 1027 शुरू किया। इसका मकसद सैन्य शासन को किसी भी कीमत पर उखाड़ फेंकना है। यह ऑपरेशन आगे क्या रूप लेता है और इसके क्या परिणाम आते हैं यह सवाल तो अपनी जगह है ही, लेकिन फिलहाल इसका प्रत्यक्ष परिणाम म्यांमार से भारत की पूर्वोत्तर की सीमा में प्रवेश करने वाले शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के रूप में सामने आ रहा है। पिछले हफ्ते ही 5000 म्यांमारियों का एक नया जत्था मिजोरम आया जिसमें कुछ सैनिक भी शामिल हैं। बता दें कि म्यांमार से भारत की 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। खास बात यह कि भारत के चार राज्यों- मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश- से लगती यह सीमा फ्री मूवमेंट व्यवस्था के तहत आती है, जिसके मुताबिक लोग सीमा के दोनों तरफ 16 किलोमीटर तक आ-जा सकते हैं। वैसे भी सीमा के दोनों ओर बसी जनजातियों में आपसी रिश्तेदारियों के चलते इन प्रावधानों को कड़ा करना या शरणार्थियों के आने पर रोक लगाना मुश्किल है। इसके साथ ही इन नॉर्थ-ईस्ट राज्यों के संवेदनशील हालात का भी ध्यान रखना होगा। 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद से शरणार्थियों का जो तांता लगा है, उससे सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले राज्य हैं मिजोरम और मणिपुर। नशे का अवैध कारोबार इस पूरे प्रकरण का एक अहम पहलू है। जानकारों के मुताबिक कुख्यात गोल्डन ट्राएंगल – म्यांमार, लाओस और थाइलैंड बॉर्डर का इलाका- इसका प्रमुख स्रोत है। जाहिर है, न सिर्फ म्यांमार में बन रही अनिश्चितता की स्थिति बल्कि शरणार्थियों की बढ़ती संख्या भी भारत सरकार के लिए चिंता की बात है। भारत को अगर सुरक्षित सीमा रखना है तो उसे तेजी से बदलते हालात पर नजर बनाए रखनी होगी। अन्यथा म्यांमार की समस्या से भारत प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगा।

वृद्ध माता पिता परिवार के वटवृक्ष और धरोहर दादी और नानी के नुस्खे वाली माँ

संजीव ठाकुर

मां शब्द बड़ा ही वृहद और विराट होता है पूरी सृष्टि इसमें समाहित होती है। मां ,धरती, जननी, धरा ,माते इतने पवित्र शब्द है कि संताने उनका ऋण कभी नहीं चुका सकती हैं और पिता वटवृक्ष से घना साया हैं पितृऋण से कभी उबरा नहीं जा सकता। यूरोप और पश्चिम देश इतने अभागे हैं कि वे अपने माता और पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़ आते हैं या उन्हें छोड़कर स्वयं संताने दूर चली जाती हैं। स्विजरलैंड जैसे खूबसूरत देश में बुजुर्ग दंपत्ति इच्छा मृत्यु लेकर अपना अंतिम समय व्यतीत करते हैं, पर भारत सांस्कृतिक संस्कारी रूप से समृद्ध है तथा मां-बाप संतानों के पास रहते हैं। कुछ प्रतिशत छोड़ दिया जाए महानगरों में संताने मां और पिता को वृद्ध आश्रम में रखने का उपक्रम करने लगे हैं।

पाश्चात्य सभ्यता की यह अंधी नकल बुजुर्ग दंपतियों के लिए बड़ी ही मार्मिक और हृदय विदारक होती है। वृद्ध दंपतियों का अनुभव परिवार के विकास समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह विडंबना है मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगन सहनशीलताऔर परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि ईस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है। वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से गिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे-धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है।

मेरा नाम शिवराज है !' आवाज़ दिल्ली तक भी पहुँची ही होगी ?

श्रवण गर्ग

अमित शाह के हवाले से जानकारी छपी है कि शिवराज सिंह (और वसुंधरा राजे) की आगामी भूमिका चुनावों के बाद तय होगी ! शिवराज एक अनुभवी राजनेता हैं। वे जानते हैं कि इस तरह के सवाल या तो किए जाएँगे या करवाए जाएँगे ! इसीलिए लगभग उसी दौरान जब 17 नवम्बर को मतदान प्रारंभ होने ही वाला था, शिवराज ने भी अपने 'मन की बात' उजागर कर दी कि पार्टी जो भी ज़िम्मेदारी देगी वे उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। 'निवृत्तमान' मुख्यमंत्री को पता है कि पार्टी अगर जीत गई तो उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा और हार गई तो आलाकमान यानी प्रधानमंत्री उन्हें किन-किन ज़रूरी कामों में लगा सकते हैं ! अपने भविष्य का काफ़ी कुछ अनुमान शिवराज को उस समय ही लग गया होगा जब चुनाव प्रचार की अंतिम घड़ी में 14 नवम्बर के दिन इंदौर महानगर के एक व्यस्ततम पौने दो किलो मीटर लंबे टुकड़े पर हुए पचास मिनिट के भव्य रोड शो में प्रधानमंत्री के साथ खुली जीप पर एकमात्र सवार व्यक्ति प्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बल्कि प्रदेशाध्यक्ष-सांसद वी डी शर्मा थे। मानकर चला जा सकता है कि रोड शो के शांतिपूर्वक संपन्न होने तक उपस्थित जन-समूह की संख्या और सुरक्षा इंतज़ामों को लेकर शिवराज अपने द्वारा ही शहर में नियुक्त किए गए अधिकारियों से पल-पल की जानकारी लेते रहे होंगे। मध्यप्रदेश की कोई नौ करोड़ जनता को संघर्षपूर्ण चुनावों के नतीजों के साथ ही जिस एक अन्य जानकारी की अब उत्सुकता से प्रतीक्षा है वह यह कि शिवराज का आगे क्या होने वाला है ? एक साल 28 दिनों का संक्षिप्त 'कमलनाथकाल' छोड़ दें तो जो व्यक्ति पिछले अठारह सालों से सत्ता में बना हुआ है उसका आगे का राजनीतिक भविष्य जनता ही नहीं पार्टी और वफ़ादार नौकरशाही में भी चर्चा का विषय है। शिवराज दोनों ही चिंताओं से मुक्त हैं ! नतीजों की पूर्व जानकारी उन्हें 2018 में भी थी और इस बार भी है। मोदी जिसे पसंद करना छोड़ देते हैं उसे सौंपी जा सकने वाली ज़िम्मेदारियों का भी उन्हें पूर्वानुमान है। नरेंद्र मोदी तो 2001 में पहली बार गुजरात की विधानसभा में पहुँचे थे और सीधे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ गए। शिवराज सिंह उनसे दस साल पहले 1991 में विधायक बन चुके थे। वे उसके बाद पाँच बार लोकसभा के लिये चुने गए। मोदी पहली बार संसद में 2014 में पहुँचे और सीधे प्रधानमंत्री बन गए। विधायक बनने से पहले शिवराज वर्षों तक संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके थे। शिवराज सिंह से जब एक इंटरव्यू में सवाल किया गया कि आलाकमान द्वारा घोषित किए बग़ैर ही वे चुनाव में मुख्यमंत्री पद का चेहरा कैसे बन गए तो उनका जवाब था :'अब जन-भावनाओं का तो हम कुछ नहीं कर सकते !' 2018 में भी शिवराज को मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं बनाया गया था और विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री के चेहरे पर ही लड़ा गया था। भाजपा चुनाव हार गई थी। पूछा जा सकता है कि कमलनाथ सरकार के गिरने के बाद 2020 में जब फिर से भाजपा की सरकार बनी तो शिवराज को ही मुख्यमंत्री क्यों बनाना पड़ा ? विधानसभा में हार-जीत के नतीजों से भी बड़ा सवाल यह है कि चार महीनों के बाद ही होने वाले लोकसभा चुनावों में मध्यप्रदेश में पार्टी का नेतृत्व कौन करेगा ? 2019 के लोकसभा चुनावों में तो देश भर में मोदी का ही चेहरा था और उनका जादू कारगर भी था। इसीलिए विधानसभा चुनाव हारने के बावजूद पार्टी ने लोकसभा में प्रदेश की 29 में से 28 सीटें जीत लीं थीं। उन्हीं जीती गई सीटें के सात दिग्गजों और एक राष्ट्रीय महासचिव को 'शिवराज का विकल्प तैयार करने के लिए' विधानसभा चुनाव लड़वाया गया। पूरे प्रदेश ने देखा कि सारे ही दिग्गज अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों में ही क़ैद रहते हुए किस तरह से हाँफने लगे जबकि शिवराज बुधनी में चुनाव प्रचार के लिए लगभग गए ही नहीं ! सवाल यह है कि आलाकमान (मोदी-शाह) अगर शिवराज का कोई 'चुनाव जिताऊ विकल्प' नौ सालों में नहीं खड़ा कर पाया है तो लोकसभा चुनावों के पहले चार महीनों में ऐसा क्या चमत्कार हो जाने वाला है ? शिवराज के प्रति 'नज़र आती' नाराज़गी का क्या एक कारण यह भी हो सकता है कि योगी की तरह ही ये मुख्यमंत्री भी सत्ता का एक केंद्र बन गए हैं।(वैसे भी दिल्ली के मुक़ाबले भोपाल से नागपुर आधी से कम दूरी पर है।) कर्नाटक में भी ऐसा ही केंद्र येदियुरप्पा बन गए हैं। इसीलिए वहाँ की हार के बाद उनके बेटे को प्रदेश की कमान सौंपी गई है। राजस्थान में भी ऐसा ही एक केंद्र वसुंधरा के नेतृत्व में खड़ा हो रहा है। भाजपा आलाकमान ने उक्त सभी स्थानों पर विकल्प तैयार करने की कोशिशें तो कीं पर अपेक्षित सफलता नहीं मिली। शिवराज का टिकिट चौथी सूची में शामिल करने से काफ़ी पहले आठ दिग्गज नामों की घोषणा के बाद एक हिन्दी अख़बार ने हेडलाइन प्रकाशित की थी कि : 'सीएम की दौड़ में रहे विजयवर्गीय-तोमर-पटेल को टिकट'। ये तीनों नाम और पाँच अन्य शिवराज के मुक़ाबले कितने दमदार हैं कुछ तो उनके चुनाव-प्रचार की कसरत में साबित हो गया और बाक़ी नतीजों के बाद पता चल जाएगा। तीसरी सूची भी घोषित होने के बाद जब प्रदेश में चर्चाएँ चल निकलीं कि मुख्यमंत्री का टिकिट कट रहा है तो शिवराज ने वही किया जो 2014 के लोकसभा चुनावों के पहले करने से वे डर गए थे। प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवारी में शिवराज को मोदी के मुक़ाबले ज़्यादा स्वीकार्य नेता माना जा रहा था। आडवाणी सहित वाजपेयी युग के कई नेताओं और संघ का उन्हें समर्थन प्राप्त था।(यह बात कभी अलग से कि संघ बाद में क्यों पलटी खा गया ?) इसमें यह भी शामिल है कि शिवराज के आग्रह पर 2014 में आडवाणी भोपाल से लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहते थे पर आलाकमान द्वारा उन्हें रोक दिया गया और 'उनकी मर्ज़ी के विरुद्ध' गांधीनगर से उम्मीदवार बनाया गया।शिवराज के इस कदम को बिना कोई आवाज़ किए आलाकमान के प्रति चुनौती भी माना जा सकता है कि जब तीसरी सूची तक नाम सामने नहीं आया तो वे अपने क्षेत्र की जनता के बीच पूछने पहुँच गए :' मैं चला जाऊँगा तो बहुत याद आऊँगा ! मैं चुनाव लड़ूँ या नहीं ? यहाँ से लड़ूँ या नहीं ?' जनता ने अपने दोनों हाथ ऊँचे करके ज़ोरदार आवाज़ में शिवराज के प्रति समर्थन ज़ाहिर कर दिया।चुनाव प्रचार के दौरान जब एक अंग्रेज़ी अख़बार के संवाददाता ने शिवराज से सवाल पूछा कि इतने साल सत्ता में रहने के बाद भी चुनावी चेहरा नहीं बनाए जाने पर क्या आपको बुरा नहीं लगा तो मुख्यमंत्री ने जवाब दिया : मेरा नाम शिवराज सिंह चौहान है ! छोटी-छोटी बातों का मुझ पर या मेरे काम पर असर नहीं पड़ता। कुछ तो हूँ मैं ! पोस्ट महत्वपूर्ण नहीं है !'

शिवराज सिंह किसी और संदर्भ में पहले कभी ऐसा भी बोल चुके हैं कि 'टाइगर अभी ज़िंदा है।' शिवराज के कहे की गूंज दिल्ली दरबार तक भी निश्चित ही पहुँची होगी ?

http://shravan-garg1717.blogspot.com

मानव जीवन में टीवी की भूमिका

योगेश कुमार गोयल

ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है। संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है। इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है। हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

आत्माराम का भूत

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हैदराबाद के हलचल भरे शहर में वह एक अंधेरी, नीरस शाम थी। सड़कें दैनिक जीवन की हलचल से भरी हुई थीं क्योंकि लोग अपनी स्वार्थी इच्छाओं से ग्रस्त होकर इधर-उधर भाग रहे थे। एक समय जीवंत शहर मानवीय मूल्यों के पतन का प्रजनन स्थल सा लगता है, जहाँ लालच और महत्वाकांक्षा का बोलबाला चरम पर होता है। शहर के मध्य में, धनी और प्रभावशाली आत्माराम साहब का एक बड़ा बंगला था।

वह बहुत धनवान और शक्तिशाली व्यक्ति था, लेकिन उसका दिल शहर की सड़कों पर चलने वाली सर्दियों की हवा की तरह सर्द और संवेदनाहीन था। उसने संदिग्ध व्यापारिक लेनदारियों और परिचितों को लूट पाटकर अपनी तिजोरी में पैसे के नाम पर लोगों की बद्दुआएँ अर्जित की थी। यही कारण था कि अपने से कम भाग्यशाली लोगों के प्रति उसका तिरस्कार पूरे शहर में चर्चा का विषय था। एक अशुभ घड़ी में, जब आत्माराम अपने मंद रोशनी वाले अध्ययन कक्ष में अकेले बैठे अपने गोरख धंधों से कमाई नोटों की गड्डियों की गिनती कर रहे था। तभी उसके पुराने व्यापारिक मित्र धनीराम उससे मिलने आया। धनीराम एक मनहूस और पीड़ित किस्म का व्यक्ति था, जो जीवन में अपने लालच और स्वार्थ की सजा के रूप में अनंत काल तक पृथ्वी पर भटकने के लिए अभिशप्त था। आत्माराम को देखते हुए धनीराम ने कराहते हुए कहा, ₹मैं आपको उस चेष्टा के बारे में चेतावनी देने आया हूं जो नैतिक पतन के इस रास्ते पर जारी रहने पर आपका इंतजार कर रहा है। धन और शक्ति के लिए आपकी अतृप्त भूख ने आपको अपने आस-पास के लोगों की पीड़ा के प्रति अंधा कर दिया है, और यदि आप अपने तरीके नहीं बदलेंगे, तो आपको इसका भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।"

23 नवंबर को देवउठनी एकादशी

कार्तिक शुक्ल एकादशी पर शालिग्राम जी और तुलसी का विवाह कराने की परंपरा, महालक्ष्मी का करें अभिषेक

गुरुवार, 23 नवंबर को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी है, इसे देवउठनी एकादशी कहते हैं। इस ग्यारस पर भगवान विष्णु के व्रत करने के साथ ही तुलसी और शालिग्राम जी का विवाह कराने की परंपरा है। इस तिथि पर महालक्ष्मी का अभिषेक भी करना चाहिए।

शालिग्राम जी भगवान विष्णु का स्वरूप है। पुराने समय में तुलसी ने विष्णु जी को पत्थर बनने का शाप दिया था। इस संबंध में एक कथा प्रचलित है। ये कथा शंखचूड़, शिव जी और भगवान विष्णु से जुड़ी है। कथा का जिक्र शिवपुराण में है।

ये है तुलसी और शंखचूड़ की कथा

शंखचूड़ नाम के असुर का विवाह तुलसी से हुआ था। शंखचूड़ अधर्मी था, लेकिन तुलसी के पतिव्रत की वजह से वह अजय था। सभी देवता भी शंखचूड़ का वध नहीं कर पा रहे थे।

शंखचूड़ के आतंक से त्रस्त होकर सभी देवता शिव जी के पास पहुंचे। शंखचूड़ का वध करने के लिए सबसे पहले तुलसी का पतिव्रत धर्म भंग करना था। ये काम किया विष्णु जी ने। शिव जी की मदद के लिए भगवान विष्णु ने छल से तुलसी का पतिव्रत भंग कर दिया और शिव जी ने शंखचूड़ का वध कर दिया। जब तुलसी को मालूम हुआ कि भगवान विष्णु ने उसके साथ छल किया है तो उसने भगवान विष्णु को पत्थर बन जाने का शाप दे दिया। विष्णु जी ने तुलसी का शाप स्वीकार किया। तुलसी को विष्णु जी ने वरदान दिया कि अब से गंडकी नदी और तुलसी के पौधे के रूप में तुम्हारी पूजा होगी। मेरी पूजा में भी तुलसी का उपयोग जरूरी होगा।

गंडकी नदी से मिलते हैं शालिग्राम जी

नेपाल में बहने वाली गंडकी नदी भी तुलसी का ही एक स्वरूप मानी गई है। इस नदी एक विशेष प्रकार के काले पत्थर मिलते हैं, जिन पर चक्र, गदा आदि के निशान बने होते हैं। इन पत्थरों को भगवान विष्णु का स्वरूप माना जाता है। इन पत्थरों को ही शालिग्राम के रूप में पूजा जाता है।

कार्तिक शुक्ल एकादशी से जुड़ी दूसरी मान्यता

विष्णु जी और तुलसी से जुड़ी एक और मान्यता प्रचलित है। इस मान्यता के अनुसार प्राचीन समय में तुलसी ने भगवान विष्णु को पति रूप में पाने के लिए कई सालों तक तपस्या की थी। इस तपस्या की वजह से भगवान विष्णु ने उसे विवाह करने का वरदान दिया और कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर विवाह किया था। इसी वरदान की वजह से हर साल देवप्रबोधिनी एकादशी पर शालिग्राम और तुलसी का विवाह कराने की परंपरा है।

शाम को ऐसे करें तुलसी की पूजा

देवउठनी एकादशी के दिन शालीग्राम और तुलसी जी का विवाह संपन्न कराया जाता है. ऐसे में इस दिन शालीग्राम और तुलसी का विवाह कराएं. अगर ऐसा ना कर सकें तो सामान्य रूप से पूजा करें. शाम के समय सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं और तुलसी नामाष्टक का पाठ करें. तुलसी नामाष्टक स्तोत्र में तुलसी जी के 8 नाम हैं. मान्यतानुसार, देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी नामाष्टक का पाठ करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति आती है।

तुलसी मंत्र।
वृंदा, वृन्दावनी विश्वपुजिता
विश्वपावनी
पुष्पसारा नंदिनी च तुलसी
कृष्णजीवनी
एतत नाम अष्टकं चैव स्त्रोत्र नामार्थ संयुतम
य:पठेत तां सम्पूज्य सोभवमेघ फलं लभेत
तुलसी के 8 नाम
वृन्दायै नमः
वृन्दावन्यै नमः
विश्वपूजितायै नमः
विश्वपावन्यै नमः
पुष्पसारायै नमः
नन्दिन्यै नमः
तुलस्यै नमः
कृष्णजीवन्यै नमः

तुलसी की पूजा के नियम

गलती से भी कभी ऐसे न तोड़े पत्ती

तुलसी का पौधा धार्मिक महत्ता रखने के साथ औषधियां गुणों की भी खान है। हिंदू धर्म में तुलसी की पूजा करना बेहद लाभकारी बताया है। विष्णुप्रिया के नाम से तुलसी को जाना जाता है। शास्त्रों में ऐसा बखान है कि तुलसी की पूजा करने से भौतिक सुख मिलते हैं। सुबह-शाम तुलसी के सामने घी का दीपक जलाने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि आती है। लेकिन तुलसी की पूजा के कुछ बहुत ही जरूरी नियम हैं जिनको अनदेखा नहीं करना चाहिए। आइए आपको बताते हैं कि तुलसी की पूजा करने में क्या सावधानी बरतनी चाहिए।

धार्मिक ग्रंथों में बताया गया है कि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में बिना नहाए तुलसी दल को नहीं छूना चाहिए और न ही तोड़ना चाहिए। महिलाओं को अशुद्ध अवस्था में भी तुलसी स्पर्श नहीं करनी चाहिए। हमेशा स्नान करने के बाद ही तुलसी को प्रणाम करके पत्ता तोड़ना चाहिए।

तुलसी के पौधों को प्रणाम करके तो पत्ती तोड़नी चाहिए, लेकिन पत्ती सुबह के समय या फिर दिन में ही तोड़े। सूर्यास्त होने के बाद तुलसी की पत्ती नहीं तोड़नी चाहिए। न ही शाम के समय तुलसी को छूना या हिलाना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु रूष्ट हो जाते हैं।

तुलसी की पत्ती को या पौधे को गलती से भी रविवार, एकादशी, चंद्र ग्रहण, सूर्य ग्रहण के दिन न ही छूना चाहिए और न ही तोड़ना चाहिए। तुलसी पत्ता तोड़ना चाहिए। ऐसा करने से पूजा का फल नहीं प्राप्त होता है। साथ ही ध्यान से रविवार-एकादशी के दिन तुलसी पर जल भी न चढ़ाएं। शास्त्रों में ऐसा बताया जाता है कि इस दिन माता तुलसी भगवान विष्णु जी के लिए निर्जला व्रत रखती हैं।

सुबह स्नान करने के बाद तुलसी पर जल चढ़ाकर पूजा करने का विधान है। संध्या के समय तुलसी में सिर्फ घी का दीपक प्रज्जवलित करते हैं। ध्यान देते हुए कभी शाम को जल नहीं चढ़ाना चाहिए।

घर के सभी सदस्यों को नियमबद्ध तुलसी में जल अर्पित करना चाहिए। लेकिन तुलसी में ज्यादा जल नहीं डालना चाहिए। नहीं तो तुलसी सूख जाती है।

तुलसी का पौधा ध्यान देते हुए कभी भी दक्षिण-पूर्व दिशा में नही रखना चाहिए। क्योंकि इस दिशा को अग्नि की दिशा माना जाता है।

सूखने से और हवा चलने से अगर तुलसी की पत्ती जमीन पर गिर जाएं तो ऐसे धोकर पौधे में ही डाल दें। क्योंकि तुलसी की पत्ती कभी पैरों के नीचे नहीं आनी चाहिए। इससे तुलसी का अपमान होता है। इसलिए ध्यान से तुलसी के पौधे की साफ-सफाई बीच-बीच में करते रहना चाहिए।

आखिर क्यों हुआ विष्णु जी और तुलसी का विवाह?

दिवाली से 10 दिन पश्चात देवउठनी एकादशी का व्रत रखा जाता है। देवउठनी एकादशी पर प्रभु श्री विष्णु योग निद्रा से जागते हैं। तत्पश्चात, उनका विवाह तुलसी के साथ कराया जाता है। इस वर्ष तुलसी विवाह 24 नवंबर 2023 को है। तुलसी विवाह कराने से विवाह, धन संबंधी हर समस्या का अंत होता है। ये तो सभी जानते हैं कि प्रभु श्री विष्णु मां लक्ष्मी के पति है, किन्तु फिर ऐसा क्या हुआ कि श्रीहरि विष्णु को तुलसी से विवाह करना पड़ा, जानें ये कथा।

तुलसी विवाह की कथा:-

पौराणिक कथा के मुताबिक, प्राचीन काल में एक राक्षस था जिसका नाम जालंधर था। वह बहुत ही शक्तिशाली था, उसे हराना सरल न था। उसके शक्तिशाली होने की वजह थी, उसकी पत्नी वृंदा। जालंधर की पत्नी वृंदा पतिव्रता थी। उसके प्रभाव से जालंधर को कोई भी परास्त नहीं कर पाता था। जालंध का आतंक इस कद्र बढ़ा की देवतागण परेशान हो गए। जब कभी भी जालंधर युद्ध पर जाता था तो तुलसी प्रभु श्री विष्णु की पूजा करने लगती थी, विष्णु जी उसकी सारी मनोकामना पूरी करते। जालंधर से मुक्ति पाने के लिए देवतागण मिलकर प्रभु श्री विष्णु के पास पहुंचे तथा उन्हें सारी व्यथा सुनाई। तत्पश्चात, समाधान यह निकाला गया की क्यों न वृंदा के सतीत्व को ही नष्ट कर दिया जाए।

पत्नी वृंदा की पतिव्रता धर्म को तोड़ने के लिए प्रभु श्री विष्णु ने जालंधर का रूप धारण कर वृंदा को स्पर्श कर दिया। जिसकी वजह से वृंदा का पतिव्रत धर्म नष्ट हुआ तथा जालंधर की शक्ति क्षीण हो गई और युद्ध में शिव जी ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया।वृंदा विष्णु जी की परम भक्त थी जब उसे ये पता चला कि स्वंय विष्णु जी ने उसके साथ छल किया है तो उसे गहरा आघात पहुंचा। वृंदा ने श्री प्रभु श्री विष्णु को श्राप दिया कि वे तुरंत पत्थर के बन जाएं।

प्रभु श्री विष्णु ने देवी वृंदा का श्राप स्वीकार किया तथा वे एक पत्थर के रूप में आ गए। यह देखकर माता लक्ष्मी ने वृंदा से प्रार्थना की कि वह प्रभु श्री विष्णु को श्राप से मुक्त करें। वृंदा ने प्रभु श्री विष्णु को तो श्राप मुक्त कर दिया मगर, उसने खुद आत्मदाह कर लिया। जहां वृंदा भस्म हुई वहां पौधा उग गया, जिसे विष्णु जी ने तुलसी का नाम दिया तथा बोले कि शालिग्राम नाम से मेरा एक रूप इस पत्थर में हमेशा जिसकी पूजा तुलसी के साथ ही की जाएगी। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष देवउठनी एकादशी पर विष्णु जी के स्वरूप शालिग्राम जी और तुलसी का विवाह कराया जाता है।

आंवला नवमी आज पूजा विधि, सामग्री और कथा

आंवला नवमी पूजा विधि सामग्री

आंवले का पौधा पत्ते एवं फल, तुलसी पत्र
कलश एवं जल
कुमकुम, हल्दी, सिंदूर, अबीर, गुलाल, चावल, नारियल, सूत का धागा
धूप, दीप
श्रृंगार का सामान,
दान के लिए अनाज

अक्षय नवमी पर आंवला वृक्ष का पूजन करती महिलाएं।

आंवला नवमी पूजा विधि

प्रातः जल्दी उठकर स्नान आदि करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
आंवले के पेड़ की पूजा कर उसकी परिक्रमा करें।
आंवला नवमी के दिन आंवला के वृक्ष की हल्दी, कुमकम, फल-फूल आदि से विधिवत पूजा करें।
आंवला वृक्ष की जड़ में जल और कच्चा दूध अर्पित करें।
आंवले के पेड़ के तने में कच्चा सूत या मौली लपेटते हुए आठ बार परिक्रमा करें।
इसके बाद पूजा करने के बाद कथा पढ़े या श्रवण (सुने) करें।
महिलाएं बिंदी,चूड़ी, मेहंदी, सिंदूर आदि आंवला के पेड़ पर चढ़ाएं।
इस दिन ब्राह्मण महिला को सुहाग का समान, खाने की चीज और पैसे दान में देना अच्छा मानते है।

आंवला या अक्षय नवमी पूजा कथा

एक व्यापारी और उसकी पत्नी काशी में रहते थे। उनकी कोई संतान नहीं थी। एक दिन व्यापारी की पत्नी को जीवित बच्चे की बलि भैरव बाबा के सामने देने की किसी ने सलाह दी। व्यापारी की पत्नी ने बात मानकर ऐसा ही किया और परिणाम स्वरूप वो रोग ग्रस्त हो गई।अपनी पत्नी की यह हालत देख व्यापारी बहुत दुखी था। उसने अपनी पत्नी से इसका कारण पूछा। तब उसकी पत्नी ने बताया कि उसने एक बच्चे की बलि दी। व्यापारी ने अपनी पत्नी को अपने कुकर्म के प्रायश्चित करने की सलाह दी। उतनी ने व्यापारी की बात मानकर गंगा स्नान किया और एक दिन प्रसन्न होकर मां गंगा ने प्रसन्न होकर उसको रोगमुक्त कर दिया। इसके साथ ही उसको कार्तिक मास के शुक्ल।पक्ष की नवमी को आंवला नवमी का व्रत रहने को कहा। व्यापारी की पत्नी ने बड़े विधि विधान के साथ पूजा की और उसे सुंदर शरीर के साथ ही पुत्र की प्राप्ति भी हुई। तभी से महिलाएं संतान प्राप्ति की कामना करते हुए आंवला नवमी का व्रत रखती है।

- मुकेष ऋृषि

महिलाएं भी पा सकती हैं हनुमान जी की कृपा

मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। इस दिन हनुमानजी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन भगवान की पूजा करने से दुख, रोग, संकट और विपदा दूर होती है। हिंदू धर्म में भगवान हनुमान जी को ऐसा देवता माना गया है, जो आज भी सशरीर धरती लोक पर उपस्थित हैं। उन्हें उनके भक्तों के संकटों का नाश करने वाले देवता के रूप में जाना जाता है। इसलिए हनुमान जी को संकट मोचन भी कहा जाता है।

हनुमान जी की पूजा में महिलाएं इन बातों का रखें ध्यान

1. महिलाओं को हनुमान जी की पूजा करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि हनुमान जी की मूर्ति को स्पर्श ना करें। इसके साथ ही महिलाएं पूजा करते समय हनुमान जी के पैर को भी ना छुएं क्योंकि हनुमानजी महिलाओं का सम्मान करते हैं और मां सीता की तरह सभी महिलाएं उनके लिए मां के समान हैं।
2. महिलाओं को हनुमान जी को पंचामृत से स्नान भी नहीं कराना चाहिए। ऐसा करना ब्रह्मचारी का अपमान माना जाता है।
3. हनुमान जी की प्रतिमा पर महिलाओं को चोला, वस्त्र और यज्ञोपवीत कभी भी नहीं चढ़ाने चाहिए। आप इन चीजों को किसी पुरुष से अर्पित करा सकती हैं।
4. महिलाओं को हनुमान जी के प्रति श्रद्धाभाव प्रकट करने के लिए सिर नहीं झुकाना चाहिए। कहते हैं कि हनुमान जी बाल ब्रह्मचारी थे और उन्होंने माता सीता को अपनी मां माना था। इसलिए उनके लिए हर महिला मां सामान है। कहा जाता कि भगवान हनुमान खुद तो महिलाओं के आगे झुक सकते हैं मगर कोई महिला उनके आगे झुके यह उन्हें मंजूर नहीं। इसलिए महिलाओं को कभी भी हनुमान जी के आगे सिर नहीं झुकाना चाहिए। आप केवल हाथ जोड़कर प्रणाम कर सकती हैं।
5. महिलाओं को हनुमान जी की पूजा के समय कभी भी सिंदूर नहीं चढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही महिलाओं को बजरंग बाण का पाठ भी नहीं करना चाहिए और ना ही जनेऊ अर्पित करना चाहिए।
6. महिलाओं को पीरियड्स के दौरान हनुमान चालीसा का पाठ नहीं करना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि ऐसे समय पर महिलाओं को भगवान हनुमान जी को याद भी नहीं करना चाहिए। वरना उनकी नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

किस्मत की लकीरें बदल देता है चांदी का छल्ला, भिखारी भी बन जाता है राजा

चांदी का छल्ला पहनने के फायदे

1. ज्योतिष शास्त्र की मानें तो चांदी का छल्ला हमारी किस्मत चमकाने का काम करता है। यदि आपका भाग्य हमेशा कमजोर रहता है तो आप अपने हाथ में चांदी का छल्ला पहन सकते हैं। इससे किस्मत आपका भरपूर साथ देगी। भाग्य के दम पर आपके बहुत सारे काम आसानी से हो जाएंगे। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे उसमें सफलता जरूर मिलेगी।
2. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की शांति के लिए भी आपको चांदी का छल्ला जरूर पढ़ना चाहिए। चांदी का छल्ला चंद्र ग्रह का कारक माना जाता है। आपकी कुंडली में चंद्र ग्रहण की स्थिति में सुधार आने पर शुक्र ग्रह की स्थिति भी अपने आप सुधर जाती है। वही शुक्र ग्रह की स्थिति सुधरने से बुध ग्रह भी आपको अच्छा खासा फल प्रदान करता है।
3. यदि आपकी कुंडली में चंद्र, शुक्र, सूर्य राहु, बुध शनि इत्यादि ग्रहों का दोष हो तो आपको चांदी का छल्ला जरूर बनना चाहिए। चांदी का छल्ला पहनने के बाद आपकी कुंडली में मौजूद सभी ग्रहों के दोष दूर हो जाएंगे। इससे आपकी लाइफ में सारी चीजें अच्छी होगी। इन ग्रहों के मजबूत होने से आपके जीवन में सुख शांति और समृद्धि आएगी। एक तरह से आप कह सकते हैं कि आपके जीवन के सभी दुख समाप्त हो जाएंगे।
4. यदि आप कमजोर आर्थिक स्थिति से गुजर रहे हैं तो हाथ में चांदी का छल्ला जरूर करना चाहिए। इससे पैसों के मामले में आपका भाग्य सुधर जाता है। आपको पैसा कमाने के कई मौके मिलते हैं। नौकरी में आपका प्रमोशन होता है तो बिजनेस में लाभ ही लाभ होता है। यह चांदी का छल्ला पहनने के बाद बेरोजगार लोगों को भी नौकरी मिल जाती है। इतना ही नहीं छात्रों को भी चांदी का छल्ला पहनने से बड़ा लाभ होता है।

तो देखा दोस्तों आपने चांदी का छल्ला पहनने के कितने सारे फायदे होते हैं। इसलिए देर मत कीजिए और आज ही दुकान से चांदी का छल्ला ले आए। इसे पहनने के बाद आपकी लाइफ की 90% समस्याएं यूं ही समाप्त हो जाएगी। इतना ही नहीं यदि पति पत्नी के बीच झगड़ा होता है तो दोनों चांदी का छल्ला साथ में पहन सकते हैं। इससे दोनों के बीच में प्यार मोहब्बत बढ़ती है। इनका रिश्ता मधुर होता है। यदि आपको यह खबर पसंद आई तो अपने दोस्तों के साथ शेयर करना ना भूले। इस तरह वे भी चांदी के छल्ले के लाभ जान सकेंगे।

'मैंने सोचा था उसे बेडरूम में ले जाऊंगा'; 'लियो' एक्टर का तृषा कृष्णन पर विवादित बयान, एक्ट्रेस ने बताया घटिया आदमी

साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। कृष्णन अचानक तब सुर्खियों में आई जब उनके को-एक्टर मंसूर अली खान ने उनको लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। एक्टर का बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बयान वायरल होते ही लोग मंसूर अली को खूब खरी-खोटी सुना रहे हैं। वहीं अब तृषा ने लियो के को-स्टार के स्टेटमेंट पर रिएक्ट किया है और कभी दोबारा उनके साथ ना करने की बात कही है। अपनी इस रिपोर्ट में हम आपको बताते हैं कि आखिर मंसूर अली ने क्या कहा था और तृषा ने उनके जवाब में क्या कुछ कहा।

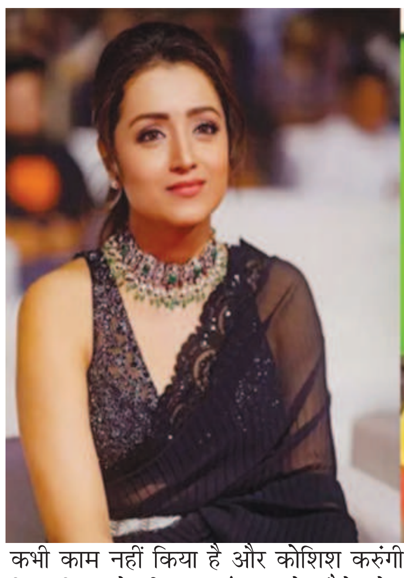

तृषा ने क्या कहा

तृषा ने ट्वीट करते हुए लिखा कि "हाल ही में मेरे ध्यान में एक वीडियो आया है, जहां मिस्टर मंसूर अली खान मेरे बारे में काफी गलत तरीके से बात करते हुए दिख रहे हैं। मैं इसकी निंदा करती हूं और इसे सेक्सिस्ट, अपमानजनक और स्त्रियों के खिलाफ मानती हूं। वो मेरे साथ काम करने की उम्मीद करते रह सकते हैं, लेकिन यह मेरी खुशकिस्मती रही है कि मैंने उनके जैसे नीच आदमी के साथ कभी काम नहीं किया है और कोशिश करुंगी कि भविष्य में भी ना करूँ। उनके जैसे लोग मानवता पर दाग हैं।"

मंसूर अली खान ने क्या कहा था

मंसूर अली ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि "मुझे जब मालूम हुआ कि मैं तृषा के साथ काम कर रहा हूँ तो मुझे लगा कि यह एक बेडरूम सीन होगा। मुझे लगा कि मैं फिल्म में तृषा को उठाकर बेडरूम में ले जाऊंगा जैसा मैंने और भी कई अभिनेत्रियों के साथ पहले फिल्मों में किया है। मैंने पहले भी कई रेप सीन किए हैं और मेरे लिए यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन, इन लोगों ने कश्मीर में शूटिंग के दौरान मुझे तृषा को देखने तक नहीं दिया।"

लोकेश कंगराज ने क निंदा

वहीं फिल्म डायरेक्टर लोकेश कंगराज ने मंसूर की आलोचना की। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि "मैं मंसूर अली खान के बयान से आहत और क्रुद्ध हूँ। हमने एक ही टीम में काम किया है। किसी भी उद्योग में महिलाओं और साथ में काम करने वालों के लिए सम्मान आवश्यक है। मैं इस रवैये की निंदा करता हूं।"

बीजेपी नेता ने उठाया मुद्दा

बीजेपी नेता और एनसीडब्ल्यू सदस्य खुशबू सुंदर ने भी मंसूर अली द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणी के लेकर कहा कि "मैंने पहले ही अपने वरिष्ठ के साथ मंसूर अली खान का मुद्दा उठाया है और इस पर कार्रवाई करूंगी। ऐसे गंदे दिमाग से कोई बच नहीं सकता। मैं तृषा कृष्णन और मेरे अन्य सहयोगियों के साथ खड़ी हूं। जब हम महिलाओं की सुरक्षा और उन्हें सम्मान दिलाने के लिए पूरी ताकत से लड़ रहे हैं, तो ऐसे पुरुष हमारे समाज में एक गंद की तरह मौजूद रहते हैं।"

भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए माधुरी दीक्षित को विशेष सम्मान, अनुराग ठाकुर ने साझा किया पोस्ट

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को 54वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक्स पर पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी है। इसमें लिखा है, 'आज हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि प्रतिभाशाली और करिश्माई अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया जा रहा है।

शुरू हो गया समारोह

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के 54वें संस्करण की शुरुआत आज से गोवा के पणजी में श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में हो रही है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर नुसरत भरूचा, श्रेया घोषाल, सुखविंदर सिंह, माधुरी दीक्षित, शाहिद कपूर, श्रेया सरन सरीखे सितारे समारोह के उद्घाटन में मौजूद रहेंगे और अपनी प्रस्तुति देंगे।

छठ पूजा के समय ऐसे कपड़े पहन तस्वीरें शेयर करने पर ट्रोल हुईं भोजपुरी एक्ट्रेस, लोगों ने कहा- 'कुछ तो शर्म कर लो...'

वहीं हर साल की तरफ इस बार भी भोजपुरी स्टार्स ने बढ़-चढ़कर छठ पूजा को सेलिब्रेट किया. लेकिन भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने कुछ ऐसा कर दिया कि अब वह सुर्खियों में बनी हुई हैं.

छठ के पावन पर्व पर नेहा मलिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो खूब सुर्खियों में बनी हुई हैं.

तस्वीरों में नेहा का काफी बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है. ब्लैक कलर के डीपनेक ड्रेस में एक्ट्रेस ने कैमरा के साथ जमकर पोज दिया है.

वहीं कई लोगों ने एक्ट्रेस के इस लुक की जमकर तारीफ की. तो कुछ यूजर्स को छठ पूजा के मौके पर ऐसी तस्वीर शेयर करना पसंद नहीं आया.

लेकिन शायद लोगों को उनका ये अंदाज पसंद नहीं आया और उन्हें जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया. वहीं अब उनके इस पोस्ट पर कमेंट्स की बाढ आ गई है. किसी एक यूजर ने कमेंट में लिखा कि 'कुछ तो शर्म कर लो...'

भोजपुरी इंडस्ट्री ने अपने करियर की शुरुआत कपने वाली नेहा पंजाबी मूवीज और म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं.

बिना हेलमेट-लाइसेंस के सुपर बाइक चलाने पर धनुष के बेटे यात्रा को पुलिस ने पकड़ा, लगा जुर्माना

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी फिल्म 'कैप्टन मिलर' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसके साथ ही अभिनेता बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। प्रोफेशनल फ्रंट के अलावा अभिनेता हाल ही में निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ गए हैं। अभिनेता का बड़ा बेटा मुश्किल में फंस गया था। दरअसल, धनुष के बड़े बेटे यात्रा राजा को चेन्नई पुलिस ने बिना हेलमेट और लाइसेंस के सुपर बाइक चलाते हुए पकड़ा, जिसके बाद उनका चालान काटा गया।

यात्रा पर लगा जुर्माना

धनुष के बड़े यात्रा राजा को चेन्नई पुलिस ने बिना हेलमेट और लाइसेंस के सुपर बाइक चलाते हुए पकड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 17 साल के लड़के पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो में यात्रा को चेन्नई के पोएस गार्डन इलाके में एक गाइड के साथ सुपर बाइक चलाते हुए देखा गया। हालांकि, वीडियो में वह मास्क में दिख रहे हैं, लेकिन उनकी पहचान की पुष्टि उनकी मां ऐश्वर्या रजनीकांत ने की।

धनुष और ऐश्वर्या का बेटा है यात्रा

बता दें कि ऐश्वर्या मेगास्टार रजनीकांत की बड़ी बेटी हैं। पिछले साल जनवरी 2022 में धनुष और ऐश्वर्या ने शादी के 18 साल बाद अलग होने की घोषणा की थी। यात्रा का एक भाई लिंगा भी है, जो 13 साल का है।

गोविंदा और डेविड धवन के बीच वर्षों बाद दूर हुई कड़वाहट, अभिनेता ने खुद किया खुलासा

बॉलीवुड के हीरो नंबर वन गोविंदा और डेविड धवन के बीच सब कुछ ठीक हो गया है। दोनों ने साथ में मिलकर कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, बड़े मियां छोटे मियां, दीवाना मस्ताना और हसीना मान जाएगी जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। निर्माता रमेश तुरानी की दिवाली पार्टी में फिर से मिले और इस बात का संकेत दिया कि उन्होंने सुलह कर ली है। अपने मुद्दों को सुलझाने के बाद दोनों दूसरी बार इस दिवाली पार्टी में मिले थे।

गोविंदा ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, 'मुझे खुशी है कि लोगों को अब भी लगता है कि हमें साथ मिलकर काम करना चाहिए। ये उनका प्यार है। हमारा पैच-अप पहले ही हो चुका था। यह हमारी दूसरी मुलाकात थी। यह दिवाली पार्टी थी, जहां हमने अच्छा खाना खाया और अच्छा समय बिताया। हम अतीत को याद करने में विश्वास नहीं करते। इस पर विचार क्यों? यह जरूरी नहीं है। जो बीत गई सो बात गई। हमने फिल्मी बातचीत को प्राथमिकता नहीं थी, लेकिन जब ऐसा हुआ, तो हमने केवल सुखद यादों के बारे में बात की और वे बहुत सारी थीं। '

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में दिवाली से पहले गोविंदा ने डेविड धवन के एक तस्वीर साझा की थी। इसके साथ उन्होंने लिखा था, '80 और 90 के दशक में मेरी दो बीवियां थीं। एक सुनीता और एक डेविड।' साथ में लाल दिल वाला इमोजी साझा किया।

बॉलीवुड पार्टियों में अपनी अनुपस्थिति के बारे में बात करते हुए गोविंदा ने कहा, 'मैं 19-20 साल बाद किसी इंडस्ट्री पार्टी के लिए निकला क्योंकि यह एक इंडस्ट्री पार्टी थी न कि कोई ग्रुप पार्टी। रमेश तौरानी एक अच्छे इंसान हैं। पिछले कुछ वर्षों में, बॉलीवुड पार्टियां समूह पार्टियां बन गई हैं और आप अगर एक समूह से संबंधित नहीं हैं, तो आपको आमंत्रित नहीं किया जाता है।'

उन्होंने कहा, 'मैं बिल्कुल भी असामाजिक नहीं हूं, और मैं ग्रुप बनाने में विश्वास नहीं करता। उस समय लोग कहते थे कि गोविंदा, शक्ति कपूर, करिश्मा कपूर और डेविड धवन एक ग्रुप हैं।

मैं उससे भी सहमत नहीं था। हम सभी कलाकार हैं जिन्होंने एक साथ काम किया है।' बता दें कि वर्ष 2019 में अभिनेता ने अपने और निर्देशक डेविड धवन के बीच क्यों अनबन हुई, इसपर भी बात की थी।

गदर 2 के आधे पर सिमटी 'टाइगर 3' दूसरा हफ्ता चलना सबसे बड़ी चुनौती

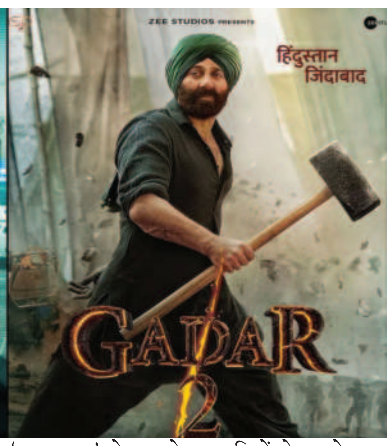

किसी फिल्म फ्रेंचाइजी की कामयाबी का असली मजा तभी आता है जब इसकी नई फिल्म अपनी पिछली फिल्म से बेहतर कारोबार करे और इसके प्रशंसकों को अगली फिल्म के लिए एक नया उत्साह छोड़ जाए। यशराज फिल्म्स की दिवाली के दिन रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर 3' इस मामले में दर्शकों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी है। यशराज फिल्म्स की जासूसी दुनिया की पिछली फिल्म 'पठान' के आंकड़ों के तो ये पहले हफ्ते में आसपास भी नहीं पहुंची, टाइगर की सोलो फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्म 'टाइगर जिंदा है' के छह साल पहले कलेक्शन को भी ये बहुत मुश्किल से मैच कर पाई है। अब 'टाइगर 3' के सामने दूसरे हफ्ते की बड़ी चुनौती है कि वह न सिर्फ 'टाइगर जिंदा है' के दूसरे हफ्ते के कलेक्शन को पार करे बल्कि इस साल की तीनों ब्लॉकबस्टर की तरह कम से कम 300 करोड़ का कारोबार दूसरे हफ्ते में पार करे।

आठवें दिन बमुश्किल कमाए 10 करोड़

दिवाली के दिन रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर 3' ने रिलीज के पहले सात दिनों में करीब 219.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। रिलीज के आठवें दिन यानी दूसरे रविवार को फिल्म का कलेक्शन बहुत मशक्कत के बाद 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर पाया। आशंका व्यक्त की जा रही है कि ये फिल्म रिलीज के नौवें दिन ही 10 करोड़ रूपये के मनोवैज्ञानिक आंकड़े के नीचे आ जाएगी। फिल्म ने रिलीज के पहले आठ दिनों में 229.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है और ये फिल्म की लागत और इसके प्रचार पर हुए खर्च के अनुपात में बस संतोषजन कलेक्शन नहीं है।

'टाइगर 2' से पीछे रही फिल्म

अगर इस फिल्म की टाइगर फ्रेंचाइजी की सात साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर जिंदा है' से तुलना करें और बीते सात साल में हुए रुपये के अवमूल्यन को ध्यान में रखे तो 'टाइगर 3' के पहले सात दिनों के कलेक्शन की सच्ची तस्वीर सामने आती है। 'टाइगर जिंदा है' ने रिलीज के पहले सात दिनों में 206.04 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म ने रिलीज के आठवें दिन 11.56 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि 'टाइगर 3' का आठवें दिन का कारोबार सिर्फ 10.25 करोड़ रुपये ही रहा। फिल्म 'टाइगर जिंदा है' ने रिलीज के दूसरे हफ्ते में 85.51 करोड़ रुपये कमाए थे।

'पठान' से बहुत पीछे छूटा टाइगर

इस साल रिलीज हुई यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की चौथी फिल्म 'पठान' ने जो पैमाना इस जासूसी दुनिया का तय किया, उसके तो 'टाइगर 3' आसपास भी नहीं पहुंची है। शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम स्टारर फिल्म 'पठान' ने रिलीज के पहले सात दिनों में 330.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म का हाइप ऐसा था कि इसने रिलीज के आठवे दिन भी 18.25 करोड़ रुपये कमा लिए। फिल्म 'पठान' की कमाई दूसरे हफ्ते में 94.75 करोड़ रुपये रही थी।

'जवान' अब भी नंबर वन

और अब बात इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' की। शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, नयनतारा और विजय सेतुपति स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के पहले सात दिनों में 368.28 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म का आठवें दिन का कलेक्शन रहा था 21.60 करोड़ रुपये और इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे हफ्ते में 'गदर 2' के दूसरे हफ्ते के कलेक्शन को पीछे छोड़ते हुए 136.10 करोड़ रुपये कमा लिए थे। फिल्म 'टाइगर 3' के सामने पहली चुनौती तो अपनी ही पिछली फ्रेंचाइजी फिल्म 'टाइगर जिंदा है' के दूसरे हफ्ते के कलेक्शन को पार करने की है। इसके बाद फिल्म 'पठान' का पैमाना उसके सामने है। फिल्म 'गदर 2' और 'पठान' का दूसरे हफ्ते का कलेक्शन पीछे छोड़ पाना तो फिल्म 'टाइगर 3' के लिए आसमान से तारे तोड़ लाने जैसा होगा।

'द बंकिघम मर्डर्स' के बाद हॉलीवुड जाने की तैयारी में हैं करीना कपूर ? अभिनेत्री ने बताई सच्चाई

'जाने जां' से ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के बाद करीना कपूर अब अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। जल्द ही वह रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' और फिल्म 'द बंकिघम मर्डर्स' में नजर आएंगी। बता दें कि 'द बकिंघम मर्डर्स' की 80 फीसदी शूटिंग अंग्रेजी में और 20 फीसदी शूटिंग हिंदी में हुई है। इस बीच यह खबर तैरने लगी है कि करीना कपूर हॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी में हैं। इसकी सच्चाई से खुद करीना ने पर्दा उठाया है।

हॉलीवुड जाने का नहीं इरादा

हाल ही में करीना ने अपनी आगामी फिल्म और करियर पर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि वह हॉलीवुड का रुख करना चाहती हैं या नहीं। एक इंटरव्यू में करीना से पूछा गया कि क्या 'द बंकिघम मर्डर्स' हॉलीवुड की दिशा में उनका अगला कदम है? इस पर अभिनेत्री ने कहा, 'जब हंसल मेहता ने मुझसे इसके लिए संपर्क किया तो मैं तुरंत इसका हिस्सा बन गई'।

बतौर निर्माता किया आगाज

बेबो ने आगे कहा, 'यह कुछ ऐसा है, जो मैंने पहले नहीं किया था। मैं इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैंने हॉलीवुड जाने के इरादे से यह फिल्म नहीं की'। बता दें कि 'द बंकिघम मर्डर्स' इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए करीना ने बतौर निर्माता भी अपनी शुरुआत की है। फिल्म में उनके साथ ऐश टंडन, रणवीर बराड़ और कीथ एलन जैसे दमदार कलाकार हैं।

अपने किरदार को लेकर उत्साहित बेबो

'द बंकिघम मर्डर्स' का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है। इसकी कहानी असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखी है। शोभा कपूर, एकता कपूर और करीना के साथ मिलकर बालाजी टेलीफिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स ने इस फिल्म का निर्माण किया है। इसे लेकर करीना ने आगे कहा, 'मैं एक कलाकार के रूप में कुछ अलग करना चाहती थी, इसलिए मैंने इस फिल्म के लिए हां की। बड़ी वजह थी कि मैं सीरीज 'मारे ऑफ ईस्ट टाउन' से बेहद प्रभावित थी'। फिल्म में करीना का किरदार 'मारे ऑफ ईस्ट टाउन' में केट विंसलेट की भूमिका से प्रेरित है। इसमें करीना एक जासूस पुलिसवाली की भूमिका में दिखेंगी।

पारिवारिक परिशानियों से जूझ रही हैं अनुप्रिया गोयनका, अभिनेत्री ने निजी जीवन पर की खुलकर बात

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका 'टाइगर जिंदा है', 'पद्मावत' और 'वॉर' जैसी बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने पसंदीदा कोट्स में एक के बारे में बात करते हुए कहा कि एक महिला टूटी हुई नहीं है, बल्कि वह जो लड़ाई जीती है, उसका एक शानदार उदाहरण है। अनुप्रिया कहना है कि कानपुर से मुंबई में फिल्म उद्योग के स्टारडस्ट तक की उनकी यात्रा बेहद व्यक्तिगत रही है, जहां वह अपने सितारों के साथ चमकी हैं। अभिनेत्री का एक दशक लंबा करियर उतार-चढ़ाव से गुजरा है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन ने हमेशा उनके सामने चुनौतियां खड़ी की हैं।

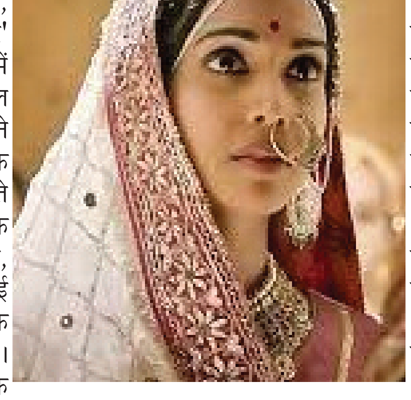

अनुप्रिया गोयनका ने हाल ही में अपने जीवन के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा, 'पिछले 10 वर्षों में, जबकि अभिनय मेरी यात्रा का एक बड़ा हिस्सा रहा है और मैंने इसे अपने दम पर बनाया है, मेरा पारिवारिक जीवन अभी भी उलझा हुआ है।' बता दें कि कानपुर में एक अमीर मारवाड़ी परिवार में जन्मी अनुप्रिया दुनिया की सभी सुख-सुविधाओं की आदी थीं, जब तक वह छह साल की नहीं हो गईं और उन्हें पता चला कि कपड़ों का पारिवारिक व्यवसाय खत्म हो गया है। इसके बाद परिवार रातों-रात 14 कमरों वाले बंगले से दिल्ली में एक कमरे के घर में चला गया था।

आर्थिक तंगी के कारण अनुप्रिया को बड़े होकर पारिवारिक व्यवसाय संभालने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कॉल सेंटर में भी नौकरी की। आखिरी में पारिवारिक व्यवसाय को उन्होंने बंद कर दिया। इसके बाद 19 साल की उम्र में अभिनेत्री को अदालती मामले और बैंक देनदारियों का सामना करना पड़ा। अनुप्रिया गोयनका ने बातचीत के दौरान कहा, 'मेरे कंधों पर अभी भी बहुत कुछ है, मैं आर्थिक, शारीरिक, भावनात्मक रूप से घर की देखभाल करती हूं और सब कुछ करती हूं। कभी-कभी मैं चाहती हूं कि मेरा ध्यान केवल अभिनय पर ही केंद्रित रहे।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'इतने लंबे समय तक इतना कुछ करने, अकेले प्रयास करने से बहुत थकान आ जाती है। मैं अपने एक्टर दोस्त को देखती हूं, जो अपना पूरा ध्यान सिर्फ अभिनय पर केंद्रित करते हैं। इसलिए उनकी सारी खुशी, दुख सब वहीं से आता है। मेरे मामले में, यह अलग है। मैं लगातार अभिनय और अपने पारिवारिक जीवन के बीच जूझती रहती हूं।'

अनुप्रिया गोयनका ने आगे कहा, 'मैंने अपने परिवार में डिप्रेशन को करीब से देखा है। मेरा मानना है कि इससे थकान और थकावट की भावना भी बढ़ती है। मैंने इस क्षेत्र में अपना स्वयं का पीआर बनाने और इसके तरीके को समझने के लिए संघर्ष किया है। मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है, क्योंकि शुरू से ही मैं इसे अकेले ही करने की आदी हूं।'

दिल्ली में 'मौत का खेल'

हर मरीज के बिल पर 35% देने की थी डील फोनपे पर मिलती थी दलाली...

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पॉश इलाके ग्रेटर कैलाश-एक स्थित अग्रवाल मेडिकल सेंटर में मौत के खेल के मामले में पुलिस ने दलाल जुल्फिकार (42) को गिरफ्तार किया है। इसी ने असगर अली नामक मरीज को सेंटर में भेजा था। यहीं उसकी मौत हो गई थी। जुल्फिकार डॉ. नीरज अग्रवाल के मेडिकल सेंटर में 200 से ज्यादा मरीज भेज चुका है। पुलिस अन्य दलालों को तलाश कर रही है। वहीं, पुलिस अन्य शिकायतों पर एक से दो एफआईआर दर्ज कर सकती है।

दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि एसीपी नीरज टोकस और ग्रेटर कैलाश थानाध्यक्ष अजीत सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर प्रेम सिंह, एसआई अनिल कुमार, एसआई विनोद व एसआई श्रीभगवान की टीम ने जुल्फिकार को संगम विहार से गिरफ्तार किया है। लाल कुआं, प्रह्लादपुर निवासी आरोपी का संगम विहार में क्लीनिक है। इसी में वह दवा की दुकान भी चलाता था। आरोपी होम्योपैथी/एलोपैथी दवाएं बेचता था। डीफार्मा कर चुके

जुल्फिकार के पास दवाओं को बेचने का वैध लाइसेंस नहीं है। जुल्फिकार को डॉ. नीरज अग्रवाल का एक कार्ड मिला था। यह कार्ड संगम विहार में डा. अग्रवाल के लड़कों ने बांटा था। इस पर नंबर देखकर जुल्फिकार ने डॉ. नीरज से संपर्क किया और अग्रवाल मेडिकल सेंटर में मरीज भेजने की बात कही। डॉ. नीरज उसे प्रति मरीज कुल बिल राशि का 35 प्रतिशत भुगतान करने पर सहमत हो गया। जिन मरीजों को पथरी व डिलिवरी का ऑपरेशन कराना होता था उन्हें जुल्फिकार डॉ. नीरज अग्रवाल के सेंटर भेजता था।

फोनपे पर देता था कमीशन

चौधरी ने बताया कि डॉ. नीरज अग्रवाल जुल्फिकार को फोनपे पर कमीशन के पैसे देता था। यह खाता उसके मोबाइल नंबर 8882463906, बैंक ऑफ इंडिया, गोविंदपुरी शाखा, खाता नंबर 601810110003481 से जुड़ा हुआ है।

कई साल से संपर्क में था

जुल्फिकार पिछले सात-आठ वर्षों से डॉ. नीरज के संपर्क में था। जुल्फिकार ने अग्रवाल मेडिकल सेंटर में आखिरी मरीज असगर के रूप में भेजा था। इलाज के दौरान असगर की मौत हो गई थी। उसने लगभग 200 से 250 मरीजों को डिलीवरी/गर्भपात/पथरी जैसे इलाज के लिए डॉ. नीरज अग्रवाल के पास रेफर किया था। डॉ. नीरज डिलीवरी, पथरी के

चौंकाने वाला खुलासा

ऑपरेशन के लिए 15,000 से 20,000 और गर्भपात के लिए पांच से छह हजार रुपये लेता था।

यह पांचवीं गिरफ्तारी

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी है। इससे पहले थानाध्यक्ष अजीत सिंह की देखरेख में एसआई श्री भगवान व विनोद की टीम मुख्य आरोपी डॉ. नीरज अग्रवाल (एमबीबीएस), उसकी पत्नी पूजा अग्रवाल (पहले घरेलू सहायिका), महेंदर (लैब तकनीशियन) और डॉ. जसप्रीत एमबीबीएस (एमएस, सर्जन) को गिरफ्तार कर चुकी है। सभी को पुलिस पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

डीएमसी ने सेंटर को नोटिस भेजा दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) ने अब डॉ. नीरज अग्रवाल को कारण बताओ नोटिस भेजा है। डीएमसी ने नोटिस जारी कर पूछा है कि क्यों न आपके मेडिकल सेंटर का लाइसेंस रद्द कर दिया जाए। डीएमसी के इस नोटिस पर पुलिस अधिकारी अचंभे में हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी के ओर से डीएमसी को सेंटर का लाइसेंस रद करने के लिए लिखा था, पुलिस ने सबूत भी दिए थे। इसके बावजूद भी डीएमसी ने लाइसेंस रद्द करने की बजाय नोटिस जारी किया है।

पंजाब में 28-29 नवंबर को शीतकालीन सत्र

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फैसला

गवर्नर के अवैध बताने पर स्थगित किया था सदन

अमृतसर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने 28-29 नवंबर को विधानसभा का शीतकालीन सत्र बुलाने का फैसला किया है। ये फैसला सुप्रीम कोर्ट के 10 नवंबर को दिए गए आदेश के बाद आया है। हालांकि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ये सत्र लंबा होने की बात कही थी, लेकिन अब इसे 2 दिनों में ही खत्म किया जाएगा।

गवर्नर के सत्र को अवैध बताने के बाद ही पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। पंजाब सरकार जल्द ही सत्र के लिए गवर्नर से मंजूरी भी मांगेगी।वहीं, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तकरीबन 5 दिन पहले मौजूदा विधानसभा के चौथे सत्र (बजट सत्र) को स्थायी तौर पर बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी दे दी थी। इससे पहले चौथे सत्र की 20-21 अक्टूबर को बुलाई गई बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी।

सीएम भगवंत मान ने गवर्नर की तरफ से बिलों को अटकाने के आरोप लगाते हुए सत्र को अनिश्चितकालीन समय के लिए स्थगित करने के लिए विधानसभा स्पीकर से कहा था। जिसके बाद सत्र को अनिश्चितकालीन समय के लिए स्थगित किया गया था।

गवर्नर पुरोहित से मांगी जाएगी मंजूरी

राज्य सरकार ने नवंबर के अंत में विधानसभा सत्र बुलाने का फैसला किया है। समय निर्धारित होने व मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद, राज्य सरकार अब सत्र को स्थायी रूप से आयोजित करने के लिए पंजाब

विधानसभा सचिवालय को लिखेगी। जिसके बाद इसे सचिवालय राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित के पास भेजा जाएगा ताकि इसके लिए मंजूरी ली जा सके।

10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई थी सख्ती

पंजाब में भगवंत मान सरकार और राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित में गतिरोध चल रहा है। मामला विधानसभा में पास बिलों पर गवर्नर के साइन नहीं होने का है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में 10 नवंबर को सुनवाई हुई थी। शीर्ष कोर्ट ने पंजाब गवर्नर से कहा कि आप आग से खेल रहे हैं।

लोकतंत्र सही मायने में मुख्यमंत्री और राज्यपाल के हाथों से चलता है। विधानसभा में पास बिल अपने पास न रोकें। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर राज्य सरकार और राज्यपाल में डेडलॉक बना हुआ है तो यह चिंता का विषय है। राज्य में जो भी घटनाक्रम चल रहा है, उससे हम खुश नहीं हैं।

राजसमंद में नड्डा ने कहा : कांग्रेस ने तीनों लोक में घोटाला किया, ये कांग्रेस का इतिहास है

राजसमंद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा की राजसमंद में एक जनसभा को सम्भोदित करते हुए कांग्रेस पर निशान साधते हुए कहा कांग्रेस ने तीनों लोक में घोटाला किया। ये कांग्रेस का इतिहास है। कांग्रेस ने पनडुब्बी घोटाला किया, कांग्रेस ने हेलीकॉप्टर घोटाला किया,कांग्रेस ने 2G घोटाला किया,कांग्रेस ने कॉमनवेल्थ घोटाला किया,कांग्रेस ने कोयला घोटाला किया,कांग्रेस ने चावल घोटाला किया है। उन्होंने कहा राजस्थान की धरती पर 'सेवा और सुशासन' का कमल खिलने जा रहा है।गहलोत सरकार, जिनकी नीयत में हमेशा खोट रहा, उन्होंने राजस्थान के गौरव को बहुत गहरी चोट पहुंचाई है। उस चोट का बदला लेने का मौका 25 नवंबर होगा और नतीजा 3 दिसंबर होगा।राजस्थान वीरों, संतों, अध्यात्म और पगड़ी की लाज रखने वाली भूमि है। इस भूमि पर गहलोत सरकार ने ग्रहण लगा दिया।नड्डा बोले कांग्रेस ने कहा था, किसानों का कर्जा माफ करेंगे। आज राजस्थान में 19 हजार 400 किसानों की जमीन कुर्क हो चुकी है। इन किसानों को न्याय दिलाने का एक ही रास्ता है, कमल को वोट दें।राजस्थान में गहलोत सरकार के दौरान राम नवमी की यात्रा को रोका गया, कावड़ यात्रा को रोका गया, 300 साल पुराना मंदिर ढहा दिया, 18 से अधिक संतों की हत्या हुई, मंदिरों का अपमान हुआ। अब 25 नवंबर को आप इनकी सरकार ढहा देना।

जाट महाधिवेशन : नरेश टिकैत के साथ कई राज्यों के किसान नेता हुए शामिल

टिकैत ने बजाया डेढ़ सौ साल पुराना नगाड़ा

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में अखिल भारतीय जाट महासभा द्वारा जाट महाधिवेशन का आयोजन किया गया। इस जाट महाधिवेशन में नरेश टिकैत सहित कई राज्यों के किसान नेता शामिल हुए। साथ ही हजारों की संख्या में अन्य लोग भी शामिल हुए।

अखिल भारतीय जाट महासभा द्वारा आयोजित जाट महाअधिवेशन में किसान नेता नरेश टिकैत ने तकरीबन डेढ़ सौ साल पुराना नगाड़ा बजाया। महाधिवेशन में किसान नेता युद्ध वीर सिंह को 84 खाप पंचायत द्वारा लाई गई पगड़ी बांधकर उन्हें सम्मानित किया गया।

पंजाब में किसानों ने घेरे डीसी ऑफिस

पराली लदी ट्रॉली लेकर पहुंचे; एयर पॉल्यूशन पर केस दर्ज करने से भड़के हैं 18 संगठन

अमृतसर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा में आज 18 किसान संगठनों ने संबंधित जिलों के डिप्टी कमिश्नर कार्यालयों में प्रदर्शन शुरू कर दिया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट व नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की सख्ती के बाद राज्य सरकारों ने किसानों के पराली जलाने के मामलों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। फाइन लिए जाने व एफआईआर दर्ज होने से खफा किसानों ने सरकारों से फैसला वापस लेने की अपील रखी है।

पंजाब के कई डीसी कार्यालयों में किसान नेता अपने साथ पराली लदी ट्रॉलियां लेकर पहुंच गए हैं। जिसके बाद पुलिस के साथ उनकी जबरदस्त बहस भी हुई है। किसान

मजदूर संघर्ष कमेटी के नेता सरवन सिंह पंधेर ने पंजाब सरकार पर इल्जाम लगाए हैं कि किसानों के प्रति सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी के समक्ष गलत धारनाएं पेश की गई। पंधेर ने कहा कि लोगों के सामने भी ऐसे बात को रखा गया, जिसके बाद किसानों को छवि धूमिल हुई है। सभी जानते हैं कि प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण इंडस्ट्री है। ये सरकारी आंकड़े ही हैं। जिसमें साफ कहा गया है कि 51 प्रतिशत प्रदूषण के पीछे का कारण इंडस्ट्री है। इसके बावजूद किसानों पर इसका इल्जाम डाला जा रहा है।

संघर्ष किया जाएगा तेज

किसान संगठनों का कहना है कि सरकारें किसानों पर एफआईआर दर्ज कर रही हैं। इतना ही नहीं, कई किसानों से लाखों रुपए फाइन वसूला जा चुका है। किसानों से अपील है कि वे इस फाइन को ना दें। सरकार पर दबाव बना फैसला वापस करवाया जाएगा। इसके अलावा किसानों के पासपोर्ट रद्द करने व उनकी सब्सिडी खत्म करने की बातें भी हो रही हैं। अगर सरकार ने ना सुनी तो प्रदर्शन तेज किया जाएगा। आने वाले दिनों में बैठकों के बाद अगली रणनीति तय की जाएगी।

पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल से 4 घंटे पूछताछ

मुझे 100 बार बुलाए विजिलेंस, मैं सहयोग करूंगा, प्लॉट अलॉटमेंट केस में बुलाए थे

बठिंडा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बठिंडा में प्लॉट अलॉटमेंट केस में फंसे पूर्व वित्तमंत्री और भाजपा नेता मनप्रीत सिंह बादल सोमवार दोपहर को विजिलेंस ऑफिस पहुंचे। यहां मनप्रीत बादल से विजिलेंस के अधिकारियों ने करीब चार घंटे तक पूछताछ की। विजिलेंस के अधिकारियों ने रविवार को ही नोटिस जारी कर मनप्रीत सिंह बादल को पूछताछ के लिए बठिंडा ऑफिस बुलाया था। पूछताछ के बाद बठिंडा विजिलेंस ऑफिस से बाहर निकले मनप्रीत बादल ने मीडिया से बातचीत की। जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे विजिलेंस 100 बार बुलाए, मैं आने को तैयार हूं। हमेशा जांच का समर्थन करूंगा।

बता दें कि विजिलेंस ने बादल से कई सवाल दोहरा कर पूछे। मनप्रीत बादल ने आरोप लगाया है कि पंजाब सरकार टारगेट करने रही है, केस में कुछ ऐसा नहीं जिससे मुझ पर कोई उंगली खड़ी कर सके। सरकार विजिलेंस का गलत इस्तेमाल कर रही है। बता दें कि इस केस में मनप्रीत सिंह बादल से दूसरी बार पूछताछ हुई। मनप्रीत बादल को हाईकोर्ट से जमानत मिली हुई है। वहीं इसी मामले में उनके साथ नामजद किए गए शराब कारोबारी जसविंदर सिंह उर्फ जुगनू और सीए संजीव कुमार को कोर्ट से जमानत मिली हुई है। जुगनू और संजीव को लोकल कोर्ट में जमानत मिली, जबकि मनप्रीत सिंह बादल ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत ली। इस मामले में विजिलेंस अधिकारियों का दावा है कि जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि मनप्रीत बादल के प्लॉट की बोली जुगनू के ऑफिस से संजीव कुमार ने दी थी। इस मामले में गिरफ्तार किए गए विकास, राजीव और अमनदीप ने स्वीकार किया था कि उन्होंने उक्त ठेकेदार के कहने पर ही तत्कालीन मंत्री के प्लॉट के लिए बोली लगाई थी।

'पीएम मोदी ब्रांड हैं, इसमें शक नहीं...'

महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ का बड़ा बयान; आरक्षण पर भी बोले

मुंबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फॉलो करने वाले लोगों की कमी नहीं, लेकिन अगर विपक्षी राजनीतिक पार्टी उनके व्यक्तित्व की मुरीद हो तो बात खास हो जाती है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, पीएम मोदी ब्रांड हैं, इसमें कोई शक नहीं, लेकिन समय के साथ ब्रांड बदलते हैं, इस बार बदलाव जरूर होगा। नाना पटोले का बयान चौंकाने वाला कहा जा सकता है, लेकिन उन्होंने जिस तरह से पीएम मोदी के ब्रांड की विदाई का दावा किया है, इससे साफ है कि कांग्रेस पार्टी इस चुनाव में बीजेपी को कड़ी टक्कर देने की कवायद कर रही है।

मराठा कोटा पर भी बोले कांग्रेस अध्यक्ष

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा, ब्रांड आते-जाते रहते हैं और प्रधानमंत्री मोदी का ब्रांड भी बदलेगा। उन्होंने महाराष्ट्र के प्रमुख राजनीतिक मुद्दे- मराठा आरक्षण पर भी बयान दिया। पटोले ने कहा कि अगर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को बहुमत मिलता है तो जातिगत जनगणना के आधार पर मराठा रिजर्वेशन का कानून लागू करेंगे। नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस आरक्षण से जुड़े

तमाम मुद्दों के समाधान पर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और सरकारी नौकरी में आरक्षण से जुड़े जितने मुद्दे हैं, कांग्रेस पार्टी सत्ता में आने के बाद सबका समाधान करेगी। सोमवार को प्रेस वार्ता के दौरान नाना पटोले ने कहा कि केंद्र और महाराष्ट्र की सरकार इन मुद्दों का समाधान करने में कोई दिलचस्पी नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस का मानना है कि मराठा आरक्षण के मुद्दे की जड़ यही है और कांग्रेस इसका समाधान करेगी। महाराष्ट्र की राजनीति में मराठा आरक्षण का मुद्दा पिछले कुछ समय से सुर्खियों में है। मराठा कोटा की मांग कर रहे कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने इस मुद्दे पर राज्य और केंद्र सरकार को अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने कहा है कि ओबीसी श्रेणी के तहत शिक्षा और सरकारी नौकरियों में मराठा आरक्षण का लाभ न मिलने की सूरत में पूरे राज्य में आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि सरकार के पास 24 दिसंबर तक का समय है। यह भी दिलचस्प है कि ओबीसी समुदाय के लोग कुनबी मराठा को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की श्रेणी में शामिल होने का विरोध कर रहे हैं। बेमौसम बारिश के कारण किसानों पर पड़ी मार सोमवार की प्रेस वार्ता में नाना पटोले ने आरक्षण के अलावा किसानों के मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसल नष्ट हो चुकी है, उनके प्रति सरकार उदासीन है। उन्होंने दावा किया कि बेमौसम बारिश के कारण महाराष्ट्र के किसानों की फसल बड़े पैमाने पर नष्ट हुई है। सरकार को समुचित मुआवजे का बंदोबस्त करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि महाराष्ट्र में औद्योगिक निवेश लगातार घट रहा है।

हिमाचल के किन्नौर में ट्रैकिंग पर रोक

बर्फबारी को देखते हुए डीसी ने जारी किए आदेश, ट्रैकरों के फंसने का रहता है डर

किन्नौर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के ट्राइबल जिला किन्नौर में ट्रैकिंग और पर्वतारोहण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। किन्नौर के डीसी तोरुल एस रवीश ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिए हैं। इसके बाद जिला के किसी भी ट्रैक पर ट्रैकिंग व पर्वतारोहण की इजाजत नहीं दी जाएगी।

गौरतलब है कि किन्नौर जिला में ट्रैकिंग के लिए देश व दुनिया भर से ट्रैक्टर पहुंचते हैं। मगर किन्नौर जिला की ऊंचे चोटियों पर बर्फबारी के कारण ट्रैकिंग कई बार खतरनाक साबित हो सकती है। अधिक ऊंचे क्षेत्रों में खासकर बर्फबारी के कारण ट्रैक्टरों के फंसने का रिस्क बना रहता है। कई बार ट्रैकर रास्ता भी भटक जाते हैं। इससे हर वक्त अनहोनी होने का भय बना रहता है।

पौड़ी में दो बसों की आमने-सामने भिड़ंत, हादसे में 22 यात्री घायल

पौड़ी, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पौड़ी के एकेश्वर में सोमवार सुबह दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में 22 यात्री घायल हो गए।

सूचना पर सतपुली पुलिस और एसडीआरएफ टीम पहुंची। इसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया और बसों को हटाकर मार्ग आवाजाही के लिए खुलवाया गया।दुर्घटना एकेश्वर रोड पर सोमवार सुबह करीब 9.15 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, सुबह कोटद्वार से बस (यूके 15 पीए 0241) सवारियां लेकर चौबट्टाखाल जा रही थी। दूसरी ओर, बस (यूके 15पीए 0825) चौबट्टाखाल से यात्रियों को लेकर कोटद्वार आ रही थी। इसी दौरान हादसा हो गया।

हिमाचल में 100 करोड़ का माइनिंग घोटाला

पिछली बीजेपी सरकार में बिना लीज चलते रहे 63 क्रशर, स्टेट को नहीं मिली रॉयल्टी : सीएम

शिमला, 20 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पूर्व भाजपा सरकार पर निशाना है। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में करीब 100 करोड़ रुपए का माइनिंग घोटाला हुआ है। यह खुलासा इंडस्ट्री डिपार्टमेंट द्वारा गठित हाई पावर कमेटी की जांच रिपोर्ट में हुआ है। उन्होंने बताया कि ब्यास बेसिन पर 131 में 63 स्टोन क्रशर बिना वेलिड लीज के चल रहे थे। इन्हें जनरेटर सेट के थ्रू चलाया जा रहा था।

इस वजह से सरकार को माइनिंग रॉयल्टी नहीं मिल पाई, जिससे सरकार को करोड़ों रुपए हानि हुई है। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग देखेगा कि कब इनकी लीज खत्म हुई और बिना लीज के कैसे चल रहे थे। इसकी विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। उन्होंने कहा कि जनरेटर सेट से क्रशर चलाने वालों पर हेवी पेनल्टी लगाने का भी प्रावधान कर रहे हैं। भविष्य में ऐसे स्टोन क्रशर संचालकों को नहीं बख्शा जाएगा। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि पूर्व जयराम सरकार पांच साल तक आंखें मूंद कर बैठी रही। इससे राज्य में माइनिंग घोटाला हुआ। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट अभी ब्यास बेसिन की ही आई है। उन्होंने इंडस्ट्री

मिनिस्टर को कह दिया है कि राज्य के अन्य क्षेत्रों में स्थापित स्टोन क्रशर की भी जांच की जाए। इससे यह घोटाला कई करोड़ों का हो सकता है।

65 क्रशर को खोलने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्यास बेसिन पर 131 स्टोन क्रशर में से तीन बंद पड़े हैं, जबकि 63 के पास लीज नहीं है। शेष 65 को खोलने के निर्देश दे दिए गए है। इन्हें बरसात से ब्यास किनारे हुई तबाही के बाद बंद कर दिया गया था। इससे खासकर कांगड़ा, मंडी, बिलासपुर, कुल्लू और ऊना जिला में निर्माण कार्य भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने सोमवार को राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना के अंतर्गत बेरोजगार युवाओं के लिए ई-टैक्सी योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत ई-टैक्सी खरीद पर सरकार 50 फीसदी अनुदान देगी। इलेक्ट्रिक टैक्सी की खरीद के लिए बैंकों से लोन भी लिया जाएगा। पहले चरण में 500 ई-टैक्सियां आवंटित कर इसे सरकारी विभागों के साथ लगाने का लक्ष्य रक्षा गया है। सरकार ने योजना को पारदर्शी व सुगम बनाने के लिए एक वेब पोर्टल भी लॉन्च किया है। इस पोर्टल के माध्यम से 23 वर्ष से अधिक आयु के बेरोजगार युवा ई-टैक्सी योजना में आवेदन कर सकते हैं। पोर्टल के साथ सभी सरकारी कार्यालयों को जोड़ा गया है। विभाग अपनी जरूरत के हिसाब से ई-टैक्सी के लिए पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा 12 जिलों में स्थित चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन एक-दो महीने में स्थापित किए जाएंगे।

एक ओर गारंटी की पूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हिमाचल में कांग्रेस सरकार बनी थी तो 10 गारंटियां जनता के सामने रखी थीं। पहली गारंटी थी कि सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने की थी जो पूरी कर दी गई है। दूसरी गारंटी के तहत बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के लिए 650 करोड़ रुपए की स्टार्टअप योजना थी। जिसके पहले चरण की आज शुरुआत की है। बजट में फैसला लिया गया था कि हरित राज्य के रूप में इस योजना को शुरू किया जाएगा। इसके तहत आज ई-टैक्सी योजना शुरू की गई है।

दहेज उत्पीड़न में कार्रवाई न होने पर गृहमंत्री विज सख्त, आईओ हटाकर डीएसपी से जांच

यमुनानगर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। गृहमंत्री अनिल विज ने यमुनानगर में दहेज उत्पीड़न मामले में विवाहिता द्वारा सात माह पहले केस दर्ज कराने के बावजूद कार्रवाई न होने पर कड़ा संज्ञान लिया। उन्होंने एसपी यमुनानगर को फोन लगाते हुए आईओ (जांच अधिकारी) को हटाकर डीएसपी से जांच कराने के निर्देश दिए। साथ ही कार्रवाई में विलंब होने की 10 दिनों में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश भी दिए।

विज सोमवार को अंबाला में अपने आवास पर प्रदेश भर से आए सैकड़ों लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। रोजाना की तरह सोमवार को भी उनके आवास पर फरियादियों की लंबी-लंबी कतारें लगती रही। यमुनानगर से आई विवाहिता ने अपनी शिकायत में बताया कि अप्रैल 2023 में उसके द्वारा यमुनानगर में दहेज उत्पीड़न मामले का केस दर्ज कराया गया था जबकि शिकायत इससे कई माह पहले दी थी। उसका आरोप था कि पुलिस की ढुलमुल कार्रवाई की वजह से उसका पति विदेश के लिए फरार हो चुका है। मगर पुलिस ने अप्रैल से अब तक ठोस कार्रवाई नहीं की। गृहमंत्री विज ने एसपी यमुनानगर को फोन लगाते हुए नाराजगी जताई और आईओ को हटाकर डीएसपी को जांच के निर्देश दिए।

सिरसा में गत दिनों होटल में युवक की संदिग्ध मौत के बाद परिजनों ने गृहमंत्री विज को अपनी शिकायत दी। उनका आरोप था कि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया, गृहमंत्री ने एसपी सिरसा को एसआईटी गठित कर जांच के निर्देश दिए। इसके लिए परिजनों ने गृहमंत्री का धन्यवाद जताया।

गौरतलब है कि युवक की मौत के उपरांत लोगों ने शव रखकर प्रदर्शन किया था। कबूतरबाजी में एसआईटी को जांच के निर्देश दिएः गृहमंत्री विज ने विदेश भेजने के नाम पर ठगी के दो अलग-अलग मामलों की जांच कबूतरबाजी मामलों के लिए गठित एसआईटी को सौंपी। अंबाला निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसने अपने बेटी व बेटे को विदेश भेजने के लिए दिल्ली के एजेंट से बात की थी। लगभग 55 लाख रुपए उसने एजेंट को अलग-अलग तारीखों में दिए। लेकिन इसके बाद न तो उनके बच्चों को विदेश भेजा गया और न ही पैसे वापस किए गए। कुरुक्षेत्र से आई युवती ने बताया कि गुरदासपुर के एजेंट ने उसे स्टडी वीजा पर ब्रिटेन भेजने का झांसा देकर 12 लाख की ठगी की है।

अडानी मामले में जांच रिपोर्ट जमा करने में देरी पड़ी सेबी को भारी

सुप्रीम कोर्ट में रेगुलेटर के खिलाफ याचिका दाखिल

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। अडानी-हिंडनबर्ग मामले में सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। वकील विशाल तिवारी ने देश की सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सेबी ने शेयर कीमतों में हेराफेरी करने के आरोपों को लेकर अडानी ग्रुप की जांच पूरी करने और रिपोर्ट सौंपने की आखिरी तारीख का उल्लंघन किया है। सुप्रीम कोर्ट ने गौतम अडानी की अगुवाई वाले अडानी ग्रुप के शेयर कीमतों में हेराफेरी करने के आरोपों की जांच पूरी करने के लिए सेबी को 17 मई 2023 को 14 अगस्त, 2023 तक का समय दिया था।

वकील विशाल तिवारी ने फाइल की पेटीशन

पेटीशनर विशाल तिवारी ने जो पीआएल फाइल की है उसमें कहा है कि सेबी को दी गई समय सीमा के बावजूद वो कोर्ट के ऑर्डर का पालन करने में विफल रही है। उसने अदालत के निर्देशानुसार अंतिम निष्कर्ष/फाइनल रिपोर्ट पेश नहीं की है। याचिका में कहा गया है कि कोर्ट के 14 अगस्त तक की डेडलाइन तय करने के बावजूद सेबी अपनी रिपोर्ट दाखिल करने में असफल रही।

सेबी से स्पष्टीकरण मांगा जाना चाहिए- याचिकाकर्ता

इसमें कहा गया है कि जांच पूरी करने और रिपोर्ट जमा करने के लिए अदालत ने सेबी को 17 मई, 2023 के आदेश में तय की गई समयसीमा का अनुपालन नहीं करने के लिए सेबी से स्पष्टीकरण मांगा जाना चाहिए। याचिका में अडानी ग्रुप और ट्रांसपेरेंट मॉरीशस फंड के जरिए उसके कथित निवेश के खिलाफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम ऐंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) की लेटेस्ट रिपोर्ट का भी जिक्र किया गया है।विशाल तिवारी की लेटेस्ट पीआईएल में कहा गया है कि जनहित याचिका का शुरुआती ध्यान सिर्फ इस बात पर था कि रेगुलेटिंग सिस्टम को मजबूत करने के लिए भविष्य में क्या कदम उठाए जाएंगे। निवेशकों की सुरक्षा से लेकर शेयर बाजार में उनका निवेश सुरक्षित रहे इस पर ही याचिका का फोकस था। विशाल तिवारी ने अपनी अर्जी में कहा कि कंपनियों के आचरण और प्रथाओं पर निगाह रखने के लिए एक मजबूत सिस्टम की भी जरूरत है, भले ही वो रेगुलेटरी अथॉरिटी के तयशुदा जरूरी रूल्स और रेगुलेशन का अनुपालन कर रहे हों। विशाल तिवारी ने कहा कि सेबी ने अपने आवेदन में जांच पूरी करने के लिए जरूरी समयसीमा के सुझाव पर आपत्ति जताई है।

11 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सेबी से पूछा था सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई को सेबी से अडानी ग्रुप के शेयर के मूल्यों में हेरफेर करने के आरोपों की चल रही जांच की स्थिति के बारे में पूछा था और कहा था कि जांच 14 अगस्त तक दिए गए समय में तेजी से पूरी करनी होगी। विशाल तिवारी की याचिका में आरोप हैं कि 25 अगस्त, 2023 को सेबी ने अपनी जांच के बारे में स्टेटस रिपोर्ट दायर की थी। इसमें कहा गया था कि कुल मिलाकर उसने 24 जांच की हैं, जिनमें से 22 के फाइनल नतीजे आ चुके हैं और दो अंतरिम प्रकृति की हैं।

सेबी का क्या है कहना

सुप्रीम कोर्ट ने छह नवंबर को कहा था कि सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री अडानी ग्रुप से जुड़ी जनहित याचिकाओं को सुनवाई के लिए लिस्ट करने के मामले पर गौर करेगी। इसके बाद, बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी ने जांच को लेकर स्टेटस रिपोर्ट दायर की और कहा था कि वह टैक्स हैवन देशों से जानकारी मिलने का इंतजार कर रहा है। सेबी ने कहा था कि अडानी ग्रुप के खिलाफ दो को छोड़कर सभी आरोपों की जांच पूरी कर ली गई है। इस ग्रुप की कंपनियों में निवेश करने वाली विदेशी कंपनियों के असली मालिकों के बारे में पांच देशों से जानकारी आने का उसे अभी इंतजार है। उसने कहा था कि वह अडानी ग्रुप से संबंधित जिन 24 मामलों की जांच कर रहा है, उनमें से 22 मामलों के फाइनल रिजल्ट आ चुके हैं।

मजबूत नहीं, कमजोर रुपया है भारत की तरक्की के लिए जरूरी, कहां से आई ये दिलचस्प सलाह

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रुपये को मजबूत करने का सही समय अभी नहीं आया है। इंडिया को फिलहाल मिडिल इनकम देश बनने पर ज्यादा जोर देना चाहिए। तब तक भारत को ग्लोबल ट्रेड में रुपये के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के प्रयास करने चाहिए। भारतीय अर्थव्यवस्था अभी जिस स्टेज में है, वहां पर रुपये की मजबूती से कई सेक्टर पर बहुत नेगेटिव इम्पैक्ट हो सकता है। यह सलाह थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने दी है

महंगाई, आर्थिक वृद्धि दर और व्यापार पर दें सबसे ज्यादा ध्यान

थिंक टैंक के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था की जरूरतें बिलकुल अलग हैं। फिलहाल देश को महंगाई दर काबू में रखने, आर्थिक वृद्धि दर और व्यापार संतुलन को बनाए रखने पर ही पूरा ध्यान देना चाहिए।

यदि इन तीन मोर्चों पर स्थिरता का माहौल बना तो इंटरेनशनल इनवेस्टर और ट्रेडिंग पार्टनरों में भी भरोसा बढ़ेगा। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भी मजबूत राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां बनानी चाहिए। इसमें कर्ज प्रबंधन, उचित ब्याज दर नीतियां और विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिरता भी अहम रोल निभाएगी। रुपये की दुनियाभर में स्वीकार्यता बढ़ने से यह लक्ष्य हासिल करना आसान हो जाएगा।

राजनीतिक स्थिरता भी बेहद महत्वपूर्ण

थिंक टैंक के अनुसार भारत के लिए राजनीतिक स्थिरता भी बेहद जरूरी है। इससे निवेशकों में अच्छा संदेश जाता है। भारत में पैसा लगाने को तैयार बैठे लोग राजनीतिक स्थिरता को आर्थिक स्थिरता के प्रतीक के तौर पर देखते हैं। मजबूत मुद्रा किसी भी देश स्थिरता, भरोसे और आर्थिक ताकत का प्रतीक होती है।

अमरीकी डॉलर सबसे मजबूत मुद्रा

अमरीकी डॉलर सबसे मजबूत मुद्रा मानी जाती है। पूरी दुनिया में इसे आसानी से स्वीकारा जाता है। मगर भारत को अभी इंतजार करना चाहिए और अर्थव्यवस्था स्थिरता की स्थिति में आने के बाद ही रुपये को मजबूत करने के बारे में सोचना चाहिए। इंटरनेशनल ट्रांजेक्शन में डॉलर का हिस्सा 60 फीसद, यूरो 20 फीसद, जापान के येन का लगभग 5 फीसद और पौंड लगभग 5 फीसद हिस्सा है। रुपया अभी इस लिस्ट में बहुत नीचे है।

सरकार को ट्रांसफर हो सकता है सहारा का फंड

सेबी के पास 25,000 करोड़ जमा, 11 साल में रिफंड के लिए गिने-चुने दावेदार आए

मुंबई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार सहारा-सेबी रिफंड अकाउंट के अनक्लेम्ड फंड को कंसोलिडेटेड फंड ऑफ इंडिया में ट्रांसफर करने पर विचार कर रही है। इसमें बाद में दावा करने वाले निवेशकों को रिफंड का प्रावधान होगा। सहारा ग्रुफ के फाउंडर सुब्रत रॉय के निधन के बाद ये जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, रिफंड अकाउंट स्थापित होने के बाद से पिछले 11 वर्षों में मुश्किल से ही कोई दावेदार सामने आया है। ऐसे में फंड का इस्तेमाल पब्लिक वेलफेयर के लिए भी किया जा सकता है। वहीं बीते दिनों सहारा की 4 को-ऑपरेटिव सोसाइटीज के निवेशकों का पैसा लौटाने के लिए 'सहारा रिफंड पोर्टल' भी लॉन्च किया गया था। शुरुआत 5 हजार करोड़ रुपए से की गई थी।

सुब्रत रॉय पर उनकी दो कंपनियों में नियमों के खिलाफ लोगों से पैसे निवेश करवाने का आरोप लगा था। इसके लिए उन्हें जेल भी जाना पड़ा था।

साल तक तिहाड़ जेल में रहे और 2016 से वो पैरोल पर जेल से बाहर थे। 28 फरवरी 2014 को सुप्रीम कोर्ट ने सुब्रत रॉय को 24,400 करोड़ रुपए निवेशकों को लौटाने को कहा था। तब से लेकर आज तक यह केस चल रहा है।ये केस सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड से जुड़ा है। 30 सितंबर 2009 को सहारा ग्रुप की कंपनी प्राइम सिटी ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दायर किया था। डीआरएचपी के एनालिसिस में एसईबीआई को रियल एस्टेट और हाउसिंग कंपनियों की फंड जुटाने की प्रोसेस में कमी मिली।25 दिसंबर 2009 और जनवरी 2010 को सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) को शिकायतें मिलीं की दोनों कंपनी ओएफसीडीएस से पैसे जुटा रही हैं। ये डेट सिक्योरिटीज होती हैं जो जारीकर्ता को पूंजी जुटाने की अनुमति देती हैं और बदले में जारीकर्ता मैच्योरिटी तक निवेशक को ब्याज का भुगतान करता है।सेबी को पता चला की कंपनी ने ओएफसीडीएस के जरिए 2-2.5 करोड़ लोगों से 24,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। सेबी ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सहारा ने बॉन्ड जारी करने के लिए उससे अनुमति क्यों नहीं ली? मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया और 2012 में कोर्ट ने सहारा को पैसा 15% ब्याज के साथ लौटाने को कहा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

९, सूर्य मंगल ८ बुध, ७, केतु शुक्र ६, १०, शनि ११ चंद्र, ५, राहु १२, २, ३, ४, गुरु १

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	06-09 बजे
चंद्र-	कुंभ में	धनु......	08-22 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	10-28 बजे
बुध-	वृश्चिक में	कुंभ...	12-19 बजे
गुरु-	मेष में	मीन --	13-56 बजे
शुक्र-	कन्या में	मेष--	15-33 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	17-18 बजे
राहु-	मीन में	मिथुन..	19-18 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	21-30 बजे
		सिंह...	23-43 बजे
		कन्या..	01-49 बजे
		तुला.....	03-58 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य- दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-27 सूर्यअस्त - 17-35
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी - 01 -10 - तक उपरान्त दशमी
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष , मंगलवार 21 November
नक्षत्र - शतभिषा - 20- 01 - तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग - व्याघात - 17 - 39 - तक उपरान्त हर्षण
करण- बालव - 14 -13 - तक उप- कौलव
विशेष:- व्रत -त्योहार - अक्षय आंवला नवमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:12 से 10:37 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:27 - 07:48	अशुभ	लाभ	17:35 - 19:14	शुभ
शुभ.	07:48 - 09:12	शुभ	उत्पात	19:14 - 20:50	अशुभ
रोग	09:12 - 10:37	अशुभ	शुभ	20:50 - 22:26	शुभ
उत्पात	10:37 - 12:01	अशुभ	अमृत	22:26 - 24:01	शुभ
चंचल	12:01 - 13:26	शुभ	चंचल	24:01 - 01:37	शुभ
लाभ	13:26 - 14:50	शुभ	रोग	01:37 - 03:13	अशुभ
अमृत	14:50 - 16:14	शुभ	काल	03:13 - 04:48	अशुभ
काल	16:14 - 17:35	अशुभ	लाभ	04:48 - 07:27	शुभ

लुढ़क गए ऑटो और फाइनेंशियल शेयर

लगातार दूसरे दिन नुकसान में रहा शेयर बाजार

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू बाजार ने आज सोमवार को नुकसान के साथ नए सप्ताह की खराब शुरुआत की। सोमवार का कारोबार समाप्त होने के बाद दोनों प्रमुख सूचकांकों बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। इस तरह पिछले सप्ताह के आखिरी दिन यानी शुक्रवार को शुरू हुआ नुकसान का सिलसिला आज लगातार दूसरे दिन भी बरकरार रहा। आज के कारोबार में ऑटो और फाइनेंशियल शेयरों पर ज्यादा दबाव दिखा। दोनों प्रमुख घरेलू सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी ने सप्ताह के पहले दिन कारोबार की शुरुआत ही गिरावट के साथ की थी। सेंसेक्स हल्के नुकसान के साथ 65,787.51 अंक पर खुला था। पूरे दिन के कारोबार में बाजार ज्यादातर समय लाल निशान में ही रहा था। एक समय तो सेंसेक्स 65,550 अंक से भी नीचे चला आया था। कारोबार समाप्त होने के बाद सेंसेक्स 139.58 अंक यानी 0.21 फीसदी के नुकसान के साथ 65,655.15 अंक पर बंद हुआ।निफ्टी ने भी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की और लगभग पूरे दिन नुकसान में ही रहा। कारोबार समाप्त होने के बाद निफ्टी करीब 37 अंक के नुकसान के साथ 19,695 अंक के पास बंद हुआ।इससे पहले शुक्रवार को सेंसेक्स 187.75 अंक यानी 0.28 फीसदी के नुकसान के साथ 65,794.73 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 33.40 अंक यानी 0.17 फीसदी के नुकसान के साथ 19,731.80 अंक पर रहा था। साप्ताहिक आधार पर बात करें तो बाजार लगातार तीन सप्ताह से तेजी दर्ज कर रहा है। बाजार की लगातार तेजी पर पिछले सप्ताह के अंतिम दिन से थोड़ी लगाम लगी है।सप्ताह के पहले दिन के कारोबार में सबसे ज्यादा नुकसान में फाइनेंशियल और ऑटो सेक्टर के शेयर रहे। सेंसेक्स के शेयरों को देखें तो सबसे ज्यादा नुकसान में बजाज फाइनेंस का शेयर रहा, जिसके भाव में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। बजाज फिनसर्व भी 1 फीसदी से ज्यादा के नुकसान में रहा। महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर करीब 2 फीसदी और टाटा मोटर्स करीब 1 फीसदी के नुकसान में रहा। अल्ट्राटेक सीमेंट के भाव में करीब डेढ़ फीसदी की गिरावट आई। दूसरी ओर भारती एयरटेल का भाव करीब 1.75 फीसदी के फायदे में रहा। एचसीएल टेक और विप्रो के शेयर भी 1-1 फीसदी से ज्यादा के फायदे में रहे। आईटी शेयरों की तेजी ने आज बाजार की गिरावट पर अंकुश लगाया। टीसीएस और टेक महिंद्रा के भाव में भी तेजी दर्ज की गई।

भारतीयों के लिए वीजा-फ्री एंट्री शुरू कर सकता है वियतनाम

अभी ई-वीजा लेना पड़ता है, इससे पहले श्रीलंका-थाईलैंड ने बिना वीजा एंट्री शुरू की थी

हनोई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका और थाईलैंड के बाद वियतनाम भी भारत के ट्रैवलर्स के लिए वीजा फ्री एंट्री शुरू कर सकता है। अभी जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों के नागरिक बिना वीजा के वियतनाम में प्रवेश कर सकते हैं।लोकल न्यूज एजेंसी वीएनएक्सप्रेस के अनुसार, वियतनाम के संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्री गुयेन वान हंग ने पर्यटन में सुधार लाने के लिए चीन और भारत जैसे प्रमुख बाजारों के लिए शॉर्ट टर्म वीजा वेवर देने को कहा है। टूरिज्म इंडस्ट्री को बूस्ट देने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

दस महीनों में 1 करोड़ इंटरनेशनल ट्रैवलर पहुंचे वियतनाम

अगस्त के मध्य से, वियतनाम ने सभी देशों के लोगों के लिए ई-वीजा जारी करना शुरू किया है। इस साल के पहले दस महीनों में, वियतनाम में लगभग 1 करोड़ इंटरनेशनल विजिटर आए, जो 2022 की इसी अवधि की तुलना में 4.6 गुना ज्यादा है। वियतनाम के फु क्वोक आइलैंड, न्हा ट्रांग, दा नांग, हा लॉन्ग बे और होई एन जैसे डेस्टिनेशन भारतीय पर्यटकों के बीच पॉपुलर हैं। भारत से वियतनाम के लिए वियतजेट अपनी फ्लाइट ऑपरेट करता है। 14-15 हजार रुपए में राउंड ट्रिप टिकट मिल जाता है।

10 मई 2024 तक बिना वीजा थाईलैंड जा सकते हैं भारतीय

इससे पहले अपनी इकोनॉमी को बूस्ट देने के लिए थाईलैंड ने भारत और ताइवान के नागरिकों के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया था। भारतीय 10 नवंबर, 2023 से 10 मई, 2024 तक बिना वीजा के थाईलैंड जा सकते हैं और 30 दिनों तक वहां रह सकते हैं। टूरिज्म सीजन से ठीक पहले लिए गए इस फैसले से थाईलैंड को ज्यादा पर्यटकों के आने की उम्मीद है। थाई सरकार के प्रवक्ता चाई वाचरोन्के ने कहा कि इस स्कीम से 14 लाख अतिरिक्त पर्यटकों के आने की उम्मीद है। इससे अतिरिक्त 1.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 12 हजार करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट होगा। वहीं प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने कहा, 'हम भारत और ताइवान के नागरिकों को वीजा-फ्री एंट्री देंगे क्योंकि उनके बहुत से लोग थाईलैंड की यात्रा करना पसंद करते हैं।'

भारतीयों के लिए पहले वीजा ऑन अराइवल फैसिलिटी थी

अब तक, भारतीय और ताइवानी पर्यटकों को इमिग्रेशन चेकपॉइंट पर 15 दिनों के वीजा ऑन अराइवल के लिए आवेदन करना पड़ता था।

इससे पहले सितंबर में उसने चीनी नागरिकों के लिए भी वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया था। 2019 में थाईलैंड घूमने के लिए सबसे ज्यादा लोग चीन से पहुंचे थे। थाईलैंड के रिकॉर्ड 3.9 करोड़ अराइवल्स में से 1.1 करोड़ अराइवल चीन के थे।इस साल जनवरी-अक्टूबर के बीच थाईलैंड में 2.2 करोड़ पर्यटक आए।

क्या चुनावों से पहले गरीबों को जमकर अनाज बांटेगी सरकार?

गोदामों में आया दोगुना चावल, जारी है खरीद

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार को एक बार फिर चावल के काफी अधिक भंडार (Rice Stock) की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। चालू खरीफ मार्केटिंग सेशन के दौरान भारी धान खरीद और खुले बाजार में एफसीआई स्टॉक से काफी कम बिक्री के चलते ऐसा हो सकता है। अनुमानों के अनुसार एजेंसी को चालू खरीद सीजन के आखिर तक बफर रिक्वायरमेंट के दोगुने से ज्यादा धान मिल सकता है। अधिकारियों ने कहा कि बढ़ते स्टॉक को संभालने के लिए सरकार को अनाज ऑफलोड करने के लिए कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि अगले साल के चुनाव में सरकार को गरीबों के लिए अधिक खाद्यान्न आवंटित करने का मौका मिल सकता है।

क्यों रहेगी अधिक भंडार की समस्या?

टीओआई के अनुसार जून में केंद्र द्वारा राज्यों को एफसीआई से अपने स्वयं के कार्यक्रमों के लिए चावल खरीदने की अनुमति देने की नीति को समाप्त करने के फैसले ने अतिरिक्त चावल की बिक्री को प्रभावित किया है। इसके अलावा, अनाज-आधारित इथेनॉल संयंत्रों को चावल की बिक्री रोक देने से भी ऑफलोडिंग कम हुई है। जुलाई में चावल की ई-नीलामी शुरू हुई थी। एफसीआई ने खुले बाजार में मुश्किल से एक लाख टन चावल बेचा है। इससे अगले मार्च तक थोक खरीदारों को 25 लाख टन चावल बेचने के लक्ष्य को पाना बहुत मुश्किल हो गया है।

500 लाख टन खरीद की उम्मीद

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चालू खरीद सीजन में एफसीआई और राज्य सरकार की एजेंसियों ने अब तक लगभग 170 लाख टन चावल की खरीद की है जो पिछले महीने शुरू हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें 500 लाख टन से अधिक की खरीद का भरोसा है, क्योंकि कुछ राज्यों जैसे ओडिशा और झारखंड में खरीद अभी शुरू नहीं हुई है। वर्तमान में, एफसीआई के पास 194 लाख टन चावल है, जो 1 जनवरी के लिए 76 लाख टन की बफर आवश्यकता से अधिक है। इस स्टॉक में वह 230 टन चावल शामिल नहीं है जो मिलों से प्राप्त होना बाकी है। इसके अलावा, अगले रबी विपणन सत्र में सरकार को चावल की खरीद लगभग 50-60 लाख टन होने की उम्मीद है।

जरूरत से दोगुना स्टॉक

अधिकारियों ने कहा कि एफसीआई के पास 1 अक्टूबर को भी चावल का शुरुआती स्टॉक 221 लाख टन था और यह आवश्यक बफर स्टॉक से दोगुना से अधिक था। उन्होंने कहा कि चालू सीजन में खरीद की अच्छी गति स्टॉक को और आगे बढ़ाएगी। सरकारी अनुमानों के अनुसार, केंद्र को मुफ्त राशन योजना, प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पूरा करने के लिए सालाना लगभग 400 लाख टन चावल की आवश्यकता होती है, जिसके तहत लगभग 81 करोड़ लोगों को हर महीने पांच किलो अनाज मिलता है।

सोने की कीमतों में 50 रुपये की गिरावट, चांदी 300 रुपये टूटी

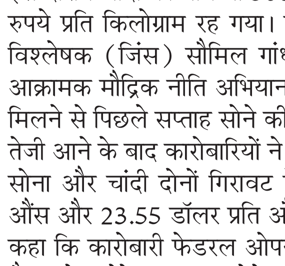

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 61,770 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी का भाव भी 300 रुपये की गिरावट के साथ 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी के अनुसार, "फेडरल रिजर्व के आक्रामक मौद्रिक नीति अभियान के समाप्त होने की उम्मीद को बल मिलने से पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी आने के बाद कारोबारियों ने मुनाफावसूली की।वैश्विक बाजारों में सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ क्रमशः 1,978 डॉलर प्रति औंस और 23.55 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करते दिखे। गांधी ने कहा कि कारोबारी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर नजर रखेंगे, जो मंगलवार को जारी किया जाना है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं । इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं ।अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी । इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें । आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है । आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं । आसपास कोई आज बीमार अनुभव कर रहा है ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गौतम सिंघानिया से अलग होने नवाज मोदी ने शर्त रखी

संपत्ति में 75% हिस्सा मांगा, गौतम ने 6 दिन पहले अलग होने का किया था ऐलान

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। रेमंड के चेयरमैन गौतम सिंघानिया की पत्नी नवाज मोदी ने अलग होने के लिए शर्त रखी है। उन्होंने 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 11 हजार करोड़ रुपए) की कुल संपत्ति में 75% हिस्सेदारी मांगी है। बताया जा रहा है कि सिंघानिया अपनी पत्नी से अलग होने के लिए उनकी शर्त से काफी हद तक सहमत हैं, लेकिन उन्होंने एक फैमिली ट्रस्ट बनाने का सुझाव दिया है। सिंघानिया ने उस ट्रस्ट में परिवार की वेल्थ और एसेट्स को ट्रांसफर करने के लिए कहा है, जिसमें वह एकमात्र मैनेजिंग ट्रस्टी होंगे। गौतम सिंघानिया की मौत के बाद उनके परिवार के सदस्यों को उनकी संपत्ति वसीयत के रूप में मिल जाएगी। हालांकि, नवाज मोदी फैमली ट्रस्ट बनाने के सुझाव से सहमत नहीं हैं।

नवाज मोदी बोलीं- अभी कोई निर्णय नहीं हुआ

नवाज मोदी ने बताया कि उन्होंने गौतम सिंघानिया को मेल भेजकर इसके बारे में पूछा है, लेकिन अभी तक उन्होंने कोई भी जवाब नहीं दिया है। जबकि, नवाज मोदी ने रविवार को भेजे गए इमेल के जवाब में कहा है कि पिछले कुछ हफ्तों से इसके बारे में चर्चा चल रही है, अभी यह इनीशियल स्टेज में है। अभी तक कोई भी निर्णय नहीं हुआ है।

ट्रस्ट में मुख्य रूप से होते हैं तीन पक्ष

ट्रस्ट कानून से परिचित लोगों ने बताया,'इसमें मुख्य रूप से तीन पक्ष होते हैं - एक सेटलर, जो ट्रस्ट में पैसा लगाता है। एक ट्रस्टी, जो एडमिनिस्ट्रेटर और बेनिफिशरी के रूप में काम करता है। तीनों में से एक को अलग होना चाहिए। ट्रस्ट में रिलेशनशिप पहले कानून बाद में आता है। सेटलर ट्रस्ट का ट्रस्टी हो सकता है,लेकिन तीनों ट्रस्टी नहीं हो सकते हैं। गौतम सिंघानिया ने 6 दिन पहले 13 नबंवर को अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से अलग होने की जानकारी दी थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और X पर लिखा था- यह दीपावली बीते सालों की तरह नहीं होने वाली है।

एक कपल के तौर पर 32 साल साथ रहकर, माता-पिता के तौर पर ग्रो होकर और हमेशा एक-दूसरे के लिए मजबूती की वजह बने रहकर हमने लंबा सफर तय किया। हमारे कमिटमेंट और भरोसे के सफर में दो सबसे खूबसूरत पड़ाव भी आए।

हाल के दिनों में, हमारे जीवन के इर्द-गिर्द बहुत सी निराधार अफवाहें और गॉसिप फैलाई गई हैं, जिन्हें हमारे कथित शुभचिंतकों ने काफी हवा दी है। यह मेरा विश्वास है कि नवाज और मैं यहां से अलग-अलग रास्ते अपनाएंगे। मैं उनसे अलग हो रहा हूं, जबकि हम अपने दो अनमोल हीरे निहारिका और निसा के लिए जो

भी बेहतर होगा, वह करते रहेंगे। कृपया इस निजी फैसले का सम्मान करें और हमें इस रिश्ते के सभी पहलुओं को सेटल करने के लिए स्पेस दें। इस वक्त मैं पूरे परिवार के लिए आपकी शुभकामनाएं चाहता हूं।

मारपीट में नवाज की कॉलर बोन टूट गई थी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नवाज मोदी सिंघानिया को पिछले हफ्ते ठाणे में उनके पति की दीपावली पार्टी में शामिल होने से रोक दिया गया था। वहीं पिछले महीने गौतम ने अपने ब्रीच कैंडी हाउस में नवाज के साथ मारपीट की थी, जिससे उनकी कॉलर बोन टूट गई थी। इसके बाद नवाज मोदी को गिरगांव के सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया। हालांकि, इस मामले में पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी।

सिंघानिया के क्लॉथ, रियल एस्टेट सहित कई बिजनेस

गौतम सिंघानिया रेमंड ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 11 हजार करोड़ रुपए है। रेमंड ग्रुप के पास क्लॉथ, डेनिम, कंज्यूमर केयर, इंजीनियरिंग और रियल एस्टेट सहित अन्य बिजनेस हैं। रेडिमेड कपड़ों के बाजार में ग्रुप की दमदार मौजूदगी है। यह डेनिम कैटेगरी में भी लीडिंग मैन्युफैक्चरर है। कंपनी हाई क्वालिटी डेनिम सप्लाई करती है।

1999 में गौतम सिंघानिया ने नवाज से शादी की थी। इससे पहले 8 साल तक दोनों रिलेशनशिप में रहे थे। नवाज के पिता इस शादी के लिए राजी नहीं थे। 2005 में गौतम सिंघानिया ने मुंबई के बांद्रा में 'पॉइजन' नाम से एक नाइट क्लब खोला था। बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन सिंघानिया फैमिली की खास दोस्त हैं। महाराष्ट्र के अलीबाग में गौतम का एक फार्म हाउस भी है, जहां वे हर साल अपने दोस्तों और फैमिली के लिए न्यू ईयर पार्टी ऑर्गेनाइज करते हैं।

नवाज 10 साल की थीं, तब माता-पिता अलग हो गए थे

मुंबई में जन्मीं नवाज के पिता वकील थे। नवाज के पास भी लॉ की डिग्री है। जब नवाज 10 साल की थीं, तब उनके माता-पिता अलग हो गए थे। नवाज फिटनेस फ्रीक हैं। मुंबई में उन्होंने बॉडी आर्ट फिटनेस सेंटर शुरू किया था। नवाज भारत में पिलेट्स और गाइरोटोनिक्स स्टूडियो खोलने वाली पहली महिला हैं। वे राइटर भी हैं। उनकी टाइम अरेस्ट नाम की बुक भी पब्लिश हो चुकी है।

नवाज के पिता शादी के लिए राजी नहीं थे

गौतम ने एक इंटरव्यू में बताया था कि, पारसी लड़की को पत्नी बनाना आसान नहीं रहा। नवाज के पिता शादी के लिए राजी नहीं थे, लेकिन बेटी की जिद के आगे उन्हें झुकना पड़ा। शादी के बाद भी कल्चरल डिफरेंस होने के कारण गौतम और नवाज को कई एडजस्टमेंट्स करने पड़े। गौतम का उनके पिता विजयपत सिंघानिया से भी विवाद रहा है। गौतम सिंघानिया पर अपने पिता को घर से निकालने तक के आरोप लगे हैं। विजयपत सिंघानिया ने रेमंड्स की नींव रखी थी। गौतम सिंघानिया और नवाज मोदी की दो बेटियां हैं। इनके नाम निहारिका और निसा हैं।

गौतम सिंघानिया लग्जरी स्पोर्ट्स कार के शौकीन हैं। वे सुपर कार क्लब ऑफ इंडिया के फाउंडर भी हैं। उन्हें कई बार स्पोर्ट्स कार ड्राइव करते भी देखा गया है। दूसरी तरफ नवाज फिटनेस पर बहुत ध्यान देती हैं। वे जिम भी चलाती हैं।

चुनाव के बाद पहली बार मिले रमन-भूपेश

छठ के मंच पर बृजमोहन–ढेबर की हंसी–ठिठोली विकास ने बोलना शुरू किया तो मूणत उठकर चले गए

रायपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर में छठ की छटा के साथ राजनीति की छटा भी बिखरी। प्रदेश मुखिया समेत कई सियासी विरोधी एक ही मंच पर ना सिर्फ बैठे बल्कि बातें भी की। महादेव घाट आयोजन समिति के मंच पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व सीएम डॉक्टर रमन सिंह ने हाथ मिलाया। वहीं एजाज ढेबर और बृजमोहन अग्रवाल की हंसी ठिठोली भी दिखी।

कार्यक्रम में रमन सिंह भाषण दे रहे थे इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कार्यक्रम में पहुंचे, रमन सिंह का भाषण खत्म होने के बाद सीएम भूपेश बघेल ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया और दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया। हालांकि जब विकास उपाध्याय ने बोलना शुरू किया तो इसी दौरान राजेश मूणत जाते भी दिखे।

'दल से उठकर सभी आते हैं'

मंच पर सीएम का स्वागत चल रहा था। कुछ देर तक रमन सिंह मंच पर बैठे रहे हालांकि दोनों ने एक दूसरे से बात नहीं की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भाषण से पहले ही डॉ रमन सिंह भी मंच से उतर कर दूसरे कार्यक्रम लिए रवाना हो गए।

हालांकि मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा कि, आयोजन समिति ने सभी को निमंत्रित किया है। यह सभी का पर्व है। इसलिए इसमें राजनीतिक दल की कोई सीमा नहीं होती है। दल से उठकर सभी लोग कार्यक्रम में आते हैं।

विकास उपाध्याय के भाषण से पहले मूणत ने छोड़ा मंच

छठ कार्यक्रम में डॉ रमन सिंह और राजेश मूणत और भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय पहले से ही मंच पर मौजूद थे।

सीएम भूपेश बघेल के साथ पश्चिम विधायक विकास उपाध्याय, नगर निगम महापौर एजाज ढेबर भी मौजूद थे। जब विकास उपाध्याय को भाषण देने के लिए बुलाया गया, विकास के भाषण से पहले ही राजेश मूणत मंच छोड़कर रवाना हो गए।

बृजमोहन, एजाज और आरपी की हंसी ठिठोली

महादेव घाट में आयोजित छठ पर्व के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जहां श्रद्धालु पहुंचे थे तो वहीं कार्यक्रम के मंच पर भी राज नेताओं का जमावड़ा लगा हुआ था। रमन सिंह के रवाना होने के तुरंत बाद ही बृजमोहन अग्रवाल कार्यक्रम के मंच पर पहुंचे इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश ने भी उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जब भाषण दे रहे थे उस दौरान मंच पर बैठे बृजमोहन अग्रवाल, महापौर एजाज ढेबर और कांग्रेस नेता आरपी सिंह आपस में चर्चा करते दिखे। हंसी-ठिठोली करते नजर आए। रायपुर के महादेव घाट में माहौल गजब का रहा। 4 दिन तक चलने वाले छठ महापर्व में सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने उपवास तोड़ा।

साइड नहीं देने पर युवक की पीट-पीटकर हत्या

रास्ता रोककर की थी मारपीट पैसे भी लूटे, 2 गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले के पलारी थाना क्षेत्र में रास्ता रोककर युवक बिसाहू राम ध्रुव की हत्या कर पैसे लूटने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। घटना 14 नवंबर की है। थाना प्रभारी शशांक सिंह ने बताया कि बिसाहू राम ध्रुव, परशुराम ध्रुव और संतुराम साहू एक बाइक पर सवार होकर भवानीपुर जा रहे थे। तभी ग्राम वटगन में बाइक पर सवार दो युवक बिरेन्द्र उर्फ बिरू डहरिया और मुकेश रात्रे ने साइड नहीं देने के नाम पर गाली-गलौज करने लगे। संतुराम साहू के ऊपर जेब में रखे 700 रुपए निकाल लिया। जिसका विरोध करने पर दोनों युवक धक्का-मुक्की कर मारपीट करने लगे। बिसाहू राम ध्रुव को सड़क पर फटक कर पेट में जोर-जोर से मारने लगे, जिससे वो अधमरा हो गया। नाक और मुंह से खून भी निकलने लगा।

चुनाव से पहले 4 हजार बदमाशों की हुई गिरफ्तारी

बिलासपुर में 3 .66 करोड़ का माल जब्त 2018 में 1.11 लाख का सामान जब्त हुआ था

बिलासपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले में आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस ने कई धाराओं में 4 हजार से अधिक बदमाशों की गिरफ्तारी की है। जबकि 3 करोड़ 66 लाख रुपए का माल जब्त किया है। इससे पहले साल 2018 के चुनाव में पुलिस ने महज 1 लाख 11 हजार 390 रुपए का सामान और 30 साड़ी जब्त किया था।

एसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस की निजात अभियान और सख्ती का सीधा असर इस विधानसभा चुनाव में देखने को मिला है। यह पहला मौका था जब मतदान के दौरान कहीं भी कोई विवाद नहीं हुआ और न ही पुलिस को कोई शिकायत मिली। पुलिस का दावा है कि जिले में पहली बार बिना किसी आपराधिक प्रकरण दर्ज किए शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हुआ।

करीब 1 किलो सोना और एक करोड़ 40 लाख नगद जब्त

इस बार विधानसभा चुनाव में आचार संहिता के लागू होने के

बाद से 25 मामलों में एक करोड़ 40 लाख रुपए नकद जब्त किए गए। इसके अलावा 19 हजार 933 लीटर अवैध शराब, 76 किलो गांजा, 911 ग्राम सोना, 25.7 किलो चांदी, साड़ी, पंपलेट और अन्य चुनाव सामग्री जब्त की गई।

पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की

बीते साल 2022 में 3 हजार 912 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई थी। साल 2023 में 20 हजार 921 लोगों प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। आचार संहिता के दौरान दो हजार 818 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। एक हजार 158 फरार वारंटियों की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। इनमें से कई वारंटी ऐसे भी थे जिन्हें पुलिस ने प्रदेश भर से गिरफ्तार किया।

एसपी संतोष कुमार सिंह ने जिले के 31 बदमाशों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन बनाकर कलेक्टर के पास भेजा। साथ ही रासुका की भी कार्रवाई की गई।

मालगाड़ी डिरेल, बैगन के पीछे लगे चार डिब्बे पटरी से उतरे

घंटों की मशक्कत के बाद दोबारा चालू हुई लाइन

कोरबा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। एसईसीएल कोरबा के जूनाडीह साइडिंग में मालगाड़ी संख्या एन बॉक्स ई के दस नंबर बैगन के पीछे लगे चार डिब्बे पटरी से उतर गए। डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण ट्रैक पर अत्यधिक मात्रा में कोल डस्ट जमा होना बताया जा रहा है। डिब्बों के पटरी से उतर जाने की सूचना मिलने पर एसईसीएल और रेलवे के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली।

सोमवार की सुबह पांच बजे कोरबा के जूनाडिह साइडिंग में मालगाड़ी संख्या एन बॉक्स/ ई का 10वां वैगन के पीछे का चार चक्का रेल पटरी से समय करीबन उतर जाने की सूचना पर हड़कप मच गया। जिसके बाद मालगाड़ी के चालक ने इसकी जानकारी तत्काल रेलवे के उच्च अधिकारी और एसईसीएल प्रबंधन को दी जहां विभाग में हड़कप मच गया। रेलवे मेंटेंश विभाग के अलावा कोरबा रेलवे एआरएम भी मौके पर पहुंच गए और घटनाक्रम की जानकारी ली। रेलवे की टीम ने 4:30 घंटे की मशक्कत के बाद सुधार कार्य पूरा किया।

हादसे का मुख्य कारण अत्यधिक मात्रा में कोल डस्ट जमा होने के कारण होना बताया जा रहा है उक्त ट्रैक एसईसीएल प्रबंधन के अंतर्गत होने के कारण उक्त घटना की पूरी जिम्मेदारी एसईसीएल प्रबंधन की है। कहीं ना कहीं एसईसीएल की लापरवाही के चलते यह घटना घटी है अगर समय रहते रेलवे ट्रैक का काम करवाती तो शायद यह हादसा नहीं होता। इस हादसे के बाद कोयला परिवहन बाधित रहा जिससे रेलवे और एसईसीएल को भारी नुकसान हुआ है।

बेटे ने पिता पर चलवाई गोली

अनुकंपा पर नौकरी और पुश्तैनी जमीन के लिए रची पिता के हत्या की साजिश, पुलिस ने दबोचा

रामगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ जिला अंतर्गत भदानीनगर ओपी क्षेत्र के मतकमा गांव में पिता की सीसीएल की नौकरी और पुस्तैनी जमीन के लिए बेटे ने ही पिता की हत्या की साजिश रच डाली। बेटे ने न केवल हत्या की साजिश रचि बल्कि उनपर शूटरों को पैसे देकर गोली की चलवा डाली। अपराधियों ने गोली भी चलाई लेकिन पिता की जान बच गई। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई पड़ताल के बाद बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गोली मारने की घटना बीते गुरुवार की है। जबकि गिरफ्तारी और घटना की विस्तृत जानकारी पतरातू एसडीपीओ डॉ वीरेंद्र चौधरी ने रविवार को दी है।

भुरकुंडा इलाके रहने वाले अमित मुंडा ने सीसीएल में कार्यरत अपने पिता रामजी मुंडा पर जान मरवाने की नियत से गोली चलावाई। बताया जा रहा है कि उसने ऐसा अनुकंपा पर नौकरी लेने और पुश्तैनी जमीन पाने के लिए कराया। इसके लिए उसने दो शूटरों को चेक के माध्यम से चार लाख रुपये की सुपारी दी थी। पैसे लेने के बाद अपराधियों ने 16 नवंबर की शाम ऑफिस से लौटते समय घर से महज 50 मीटर की दूरी पर गोली मार फरार हो गए।

गोली मारे जाने की घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आपसी मदद से रामजी मुंडा को अस्पताल लेकर गए। इसके बाद पीछे से उनका बेटा अमित भी अस्पताल पहुंचा। पुलिस को गोलीबारी की जानकारी हुई तो अस्पताल पहुंची। यहीं पुलिस को रामजी मुंडा के बेटे अमित मुंडा पर शक हुआ। जिसके बाद उसे अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया। वहीं अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपित बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गोली लगने से घायल पिता का इलाज चल रहा है।

पूछताछ के क्रम में पता चला कि सेंट्रल कोल्डफील्ड्स लिमिटे की बांसगढा खदान में रामजी मुंडा कार्यरत है। बेटे अमित मुंडा ने बताया कि उसके पिता का एक महिला से अवैध संबंध था। इसके कारण वह घरवालों का ख्याल नहीं रखते थे। पिता घर का खर्चा–पानी भी नहीं देते थे। इसी कारण से गुस्से में आकर उसने पिता की हत्या की साजिश रची।

महिलाओं का 50 क्षेत्रों में मतदान ज्यादा

आधी आबादी को भाजपा–कांग्रेस की 'नकदी घोषणाओं' ने लुभाया

रायपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 50 विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने ज्यादा मतदान किया। 7 और 17 नवंबर को हुए दो चरणों में मतदान के आंकड़ों के अनुसार, मतदान में कुल एक करोड़ 55 लाख 61 हजार 460 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें 77 लाख 48 हजार 612 पुरुष मतदाता और 78 लाख 12 हजार 631 महिला मतदाता शामिल रहीं। वैसे भी छत्तीसगढ़ में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा है।

इस चुनाव में करीब 59 फीसदी सीटों पर महिला वोटर्स का वर्चस्व रहा। 53 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा है। इनमें 23 आदिवासी के लिए रिजर्व सीटें हैं, जबकि 2 एससी वर्ग के लिए रिजर्व हैं। शेष 28 सीटें सामान्य वर्ग की हैं। बस्तर में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत अधिक रहता है, जबकि मैदानी इलाकों में महिलाएं अपेक्षाकृत कम मतदान करती हैं

महिला मतदाताओं को नकदी से लुभाया

भाजपा ने महतारी वंदन योजना के तहत एलान किया था कि उनकी सरकार बनी तो प्रत्येक महिला को सालाना 12 हजार रुपये देगी। ठीक अगले दिन कांग्रेस ने घोषणा की कि उनकी सरकार आई तो हर महिला को 15 हजार रुपये सालाना मिलेंगे।

बायोमेट्रिक मशीन से धान की खरीदी अनिवार्य

लगभग पांच लाख कुंतल से अधिक हुई धान की खरीदी

राजनांदगांव, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजनांदगांव जिले में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी तेजी से चल रही है और आज से जिले में बायोमेट्रिक मशीन का उपयोग खरीदी केन्द्रों में अनिवार्य कर दिया गया है। बायोमेट्रिक के माध्यम से किसानों के थम उनकी आंखों से बायोमेट्रिक किया जा रहा है ताकि किसान की सही पहचान हो सके और किसान अपना धान बेच सकें, जिले के धान खरीदी केन्द्रों में अब तक 23 हजार से अधिक किसानों ने धान बेचा है। लगभग पांच लाख क्विंटल से अधिक धान की बिक्री हो चुकी है।

धान खरीदी केन्द्रों में किसान धान बेचने पहुंच रहे हैं कुछ दिन पूर्व बिना बायोमेट्रिक मशीन के धान की खरीदी हो रही थी लेकिन आज से बायोमेट्रिक से धान खरीदी अनिवार्य कर दिया गया है ताकि किसानों की सही पहचान हो सके और कोई दूसरा व्यक्ति उस किसान के पर्चे में वहां धान ना बेच पाए। बायोमेट्रिक का उपयोग हाथ के अंगूठे और आंखों से किया जा रहा है ताकि सही किसान की पहचान हो सके और वह टोकन लेकर अपना धान समर्थन मूल्य पर संबंधित धान खरीदी मे अपनी उपज बेच सके।

प्रदेश में एक नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू हो गई है दीपावली त्यौहार के कारण खरीदी धीमी गति से चल रही थी, लेकिन त्यौहार खत्म होते ही अब किसान अपनी उपज लेकर खरीदी केन्द्रों में पहुंच रहे हैं। जिले के धान खरीदी केन्द्रों में बायोमेट्रिक मशीन का उपयोग नहीं हो रहा था लेकिन आज से बायोमेट्रिक मशीन का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है जिससे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की पहचान करने में आसानी हो रही है।

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी बहू ने की थी सास की हत्या

जांजगीर चांपा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले के नैला चौकी उपथाना क्षेत्र के ग्राम कापन में 14 नवंबर की सुबह नाला के पास शौच के लिए गए बुजुर्ग महिला गुरुबारी केवट की हत्या हुई थी। जिसमें मृतका की बहु छठ बाई केवट ने उसकी हत्या की है। जिसपर आरोपी महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार, 14 नवंबर की सुबह नाला पार में पुलिस को शव मिलने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। और परिजनों से पूछताछ की जा रही थी। शार्ट पीएम रिपोर्ट में पता चला की मृतका के सिर पर गंभीर चोट लगने से मृत्यु होना बताया गया। जिस पर धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया। नैला चौकी प्रभारी सत्यम चौहान ने बताया की मृतका के घर के सदस्यों से पूछताछ की जा रही थी। इस दौरान मृतका की बहु छठ बाई केवट ने बताया की उसकी सास गुरुबारी केवट लड़ाई झगड़ा किया करती थी जिससे तंग आकर जब सुबह शौच के लिए नाला गई हुई थी। तभी पीछे से लोहे के बट्टा से सिर पर हमला कर हत्या कर दी है। आरोपी छठबाई केवट के पास से घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद किया गया है। और धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी महिला को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

आदिवासियों की आबादी में कमी पर बोले बाबूलाल मरांडी

कहा– रोजगार की कमी इसका प्रमुख कारण

रांची, 20 नवंबर (एजेंसियां)। आदिवासियों की आबादी कम होने को लेकर झारखण्ड में राजनीति तेज हो गई है। इसी बीच झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बयान दिया है। उन्होंने कहा, जब इतनी बड़ी आबादी मजदूरी के लिए राज्य से बाहर जाती है तो आबादी कम हो जाती है।

उन्होंने झारखण्ड में आदिवासियों की आबादी कम होने के आरोपों पर बयान देते हुए कहा कि राज्य में रोजगार की कमी के कारण लोग पलायन कर रहे हैं। हमारे पास खनिज और पर्यटन है लेकिन फिर भी पलायन हो रहा है। अगर बुनियादी ढांचे को मजूबत किया जाए तो यह मुद्दा कम हो सकता है। लेकिन वर्तमान की राज्य सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया इसलिए पलायन लगातार बढ़ रहा है।

बाबूलाल मरांडी का हेमंत सोरेन सरकार पर हमला

साथ ही सीएम हेमंत सोरेन पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, यह सरकार बनते ही पैसा कामने में लग गई। सरकार का काम जनता के लिए होता है लेकिन यहां वे परिवार के लिए कमाई में व्यस्त है। सरकार में एजेंटों, बिचौलियों, भ्रष्ट अधिकारियों को खास पदों पर बैठाया गया। उन्होंने सरकार पर हमला करते हुए कहा, ईडी ने उन्हें पांच नोटिस दिए लेकिन वह उनके सामने पेश नहीं हुए। हमारी ईडी से यही मांग है अगर कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति पेश नहीं होता है तो उन पर भी उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो लोगों का कानून से विश्वास उठ जाएगा।

हूती विद्रोहियों ने भारत आ रहा कार्गो जहाज हाईजैक किया

इसमें 25 क्रू मेंबर्स, इजराइली सेना बोली- इसके पीछे ईरान, जहाज में हमारे नागरिक नहीं

यरूशलम, 20 नवंबर (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार को तुर्किए से भारत आ रहे जहाज को हाईजैक कर लिया। लाल सागर से बंधक बनाए गए 620 फीट के कार्गो शिप का नाम गैलेक्सी लीडर है और इसमें 25 क्रू मेंबर मौजूद हैं।

वारदात से पहले हूती समूह ने इजराइली जहाजों पर हमले की चेतावनी दी थी। हूती विद्रोहियों के एक स्पोकपर्सन ने कहा कि इजराइल की तरफ से चलने वाले सभी जहाजों को निशाना बनाया जाएगा।

हालांकि, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि यह जहाज उनका नहीं है और इस पर कोई इजराइली और भारतीय नगारिक सवार नहीं है। कतरी मीडिया हाउस अलजजीरा के मुताबिक ये कार्गो शिप ब्रिटेन का है और इसे जापानी कंपनी ऑपरेट करती है।

जहाज में केवल इजराइली बिजनेसमैन की पार्टनरशिप

इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के अनुसार बहामास के झंडे तले जा रहा जहाज ब्रिटिश कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। इजराइली कारोबारी अब्राहम उंगर इसके आंशिक हिस्सेदार हैं। फिलहाल यह एक जापानी कंपनी को लीज पर दिया गया था।

इजराइली विदेश मंत्रालय के अनुसार, जहाज पर यूक्रेन, बुल्गारिया, फिलीपींस और मेक्सिको के नागरिक सवार हैं। वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसे आतंकी घटना बताते हुए इसके पीछे ईरान का हाथ बताया। वहीं, हूती मिलिट्री के प्रवक्ता याह्या सारी ने कहा है कि वो जहाज पर मौजूद सभी बंधकों को इस्लामिक उसूलों और तौर-तरीके के साथ संभाल रहे हैं। उन्होंने लाल सागर में इजराइली जहाजों को निशाना बनाने की फिर से धमकी दी है।

नेतन्याहू ने जताई चिंता, बोले- शिपिंग लाइन प्रभावित होगी

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ईरान की ओर से अंतरराष्ट्रीय जहाज पर हमला बताया है। उन्होंने कहा कि यह ईरान की ओर से आतंकवाद का एक और कृत्य है। यह फ्री वर्ल्ड के लोगों पर एक बड़ा हमला है। इसके अलावा यह दुनिया की शिपिंग लाइन को भी प्रभावित करता है। इससे इस रूट की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।

हमले से पहले ईरान समर्थित हूती के प्रवक्ता याह्या सारिया ने टेलीग्राम चैनल पर कहा था कि समूह इजराइली कंपनियों के स्वामित्व वाले या संचालित या इजराइली झंडे तले जाने वाले सभी जहाजों को टारगेट करेगा।

कौन हैं हूती विद्रोही

साल 2014 में यमन में गृह युद्ध शुरू हुआ। इसकी जड़ शिया-सुन्नी विवाद है। कार्नेजी मिडल ईस्ट सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों समुदायों में हमेशा से विवाद था जो 2011 में अरब क्रांति की शुरूआत से गृह युद्ध में बदल गया। 2014 में शिया विद्रोहियों ने सुन्नी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

इस सरकार का नेतृत्व राष्ट्रपति अब्दरब्बू मंसूर हादी कर रहे थे। हादी ने अरब क्रांति के बाद लंबे समय से सत्ता पर काबिज पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह से फरवरी 2012 में सत्ता छीनी थी। हादी देश में बदलाव के बीच स्थिरता लाने के लिए जूझ रहे थे। उसी समय सेना दो फाड़ हो गई और अलगाववादी हूती दक्षिण में लामबंद हो गए।

अरब देशों में दबदबा बनाने की होड़ में ईरान और सउदी भी इस गृह युद्ध में कूद पड़े। एक तरफ हूती विद्रोहियों को शिया बहुल देश ईरान का समर्थन मिला। तो सरकार को सुन्नी बहुल देश सउदी अरब का।

देखते ही देखते हूती के नाम से मशहूर विद्रोहियों ने देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। 2015 में हालात ये हो गए थे कि विद्रोहियों ने पूरी सरकार को निर्वासन में जाने पर मजबूर कर दिया था।

तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में 30 नवंबर तक दर्ज करें नवाज शरीफ का बयान

अदालत का एनएबी को आदेश

इस्लामाबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक जवाबदेही अदालत ने सोमवार को भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को आदेश दिया कि वह तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में 30 नवंबर तक पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का बयान दर्ज करे। इस्लामाबाद में जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मुहम्मद बशीर ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो के खिलाफ सुनवाई की। चार साल के आत्म-निर्वासन के बाद नवाज शरीफ की लंदन से 21 अक्तूबर को वतन वापसी हुई है। उनके वकील काजी मिस्बाह ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह मामले में तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ के बयान दर्ज करने के लिए राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को निर्देश जारी करे। 'डॉन' अखबार की खबर में उनके हवाले से कहा गया, नवाज शरीफ की गैरमौजूदगी में एक पूरक संदर्भ दाखिल करने की जरूरत

है। उन्होंने आगे कहा, हम चाहते हैं कि एनएबी नवाज के बयान को भी दर्ज करे। एनएबी के अभियोजक ने याचिका का अध्ययन करने के लिए समय मांगा। बहरहाल, न्यायाधीश बशीर ने जवाबदेही ब्यूरो को आदेश दिया है कि वह तीस नवंबर तक शरीफ का बयान दर्ज करे। इसके बाद उन्होंने सुनवाई स्थगित कर दी। खबर के मुताबिक, न्यायाधीश बशीर ने कहा, समस्या क्या है? नवाज शरीफ को बुलाइए और उनका बयान दर्ज कीजिए। जवाबदेही अदालत ने 2020 में तोशाखाना वाहन मामले में शरीफ को अपराधी घोषित किया था। इसी मामले में पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, पूर्व प्रधानमंत्री युसुफ रजा गिलानी भी आरोपी हैं। मामले में एनएबी ने शरीफ और जरदारी पर विभिन्न देशों और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उपहार में दिए गए महंगे वाहनों को तोशाखाना में जमा करने के बजाय अवैध रूप से अपने पास रखने का आरोप लगाया था।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी नहीं लड़ सकेगी चुनाव

सुप्रीम कोर्ट ने 2013 का फैसला नहीं बदला जनवरी 2024 के चुनाव में पीएम हसीना को फायदा

ढाका, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को जनवरी 2024 में होने वाले चुनाव से जुड़ा अहम फैसला दिया। देश की कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी (जेयूआई) अगले चुनाव में हिस्सा नहीं ले सकेगी। इस पर 2013 में इलेक्शन बैन लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा है। बांग्लादेश में 7 जनवरी को आम चुनाव होना है। बांग्लादेश के अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' के मुताबिक- इस फैसले का सीधा फायदा प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को होगा। जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश शेख हसीना की सेक्युलर पॉलिसी का सख्त विरोध करती है। जमात पर बांग्लादेश के कई हिस्सों में सांप्रदायिक हिंसा कराने के आरोप हैं। न्यूज एजेंसी 'एपी' के मुताबिक- सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ओबैदुल हसन की अगुआई में पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने यह फैसला सुनाया। बेंच ने कहा- जेयूआई हमारे देश के सेक्युलर स्टेटस और

संविधान को नहीं मानती। 2013 में इसके बतौर सियासी दल चुनाव लड़ने पर रोक लगाई गई थी। इसे हटाने की अब भी कोई वजह नहीं है। सुप्रीम कोर्ट को रविवार को फैसला सुनाना था, लेकिन जेयूआई के वकील बेंच के सामने पेश ही नहीं हुए। उन्होंने 6 हफ्ते के लिए सुनवाई रोकने की अपील भी की थी। इसे भी बेंच ने खारिज कर दिया। ढाका हाईकोर्ट ने 10 साल पहले इलेक्शन कमीशन को आदेश दिया था कि वो जेयूआई का बतौर पॉलिटिकल पार्टी रजिस्ट्रेशन कैंसिल करे। खास बात यह है कि उस वक्त इसका चुनाव चिन्ह और बाकी चीजें बैन कर दी गईं थीं, लेकिन इसकी एक्टिविटीज पर रोक नहीं लगाई गई थी। जेयूआई पर आरोप है कि उसने 1971 में पाकिस्तान से आजादी की जंग का विरोध किया था। बांग्लादेश की वर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना 2009 में सत्ता में आईं थीं। हसीना ने जेयूआई के बड़े नेताओं पर एक्शन लिया। इन पर आरोप था कि ये नेता आजादी की जंग के दौरान पाकिस्तानी फौज के नरसंहार और वॉर क्राइम्स का समर्थन करते हैं। 2013 में जेयूआई के कुछ नेताओं को फांसी दी गई और कुछ को ताउम्र जेल में रहने की सजा सुनाई गई।

रविवार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सरकारी वकील तानिया आमिर ने कहा- सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा है। अगर जेयूआई कोई मीटिंग करती है, किसी एम्बेसी से संपर्क करती है या कोई गैर कानूनी काम करती है तो सुप्रीम कोर्ट की अवमानना का केस भी उस पर चलेगा।

एमआरआई सेंटर और कार्डियोलॉजी वार्ड में रखे थे हथियार

हमास ने अस्पताल को ऐसे बनाया था वॉर रूम

यरुशलम, 20 नवंबर (एजेंसियां)। गाजा के शिफा अस्पताल का कार्डियोलॉजी वार्ड विस्फोटकों और हथियारों के ज़खीरों का सबसे बड़ा अड्डा था। यही नहीं अस्पताल के एमआरआई सेंटर में हमास में चल रहे युद्ध के लिए तैयार किए गए विस्फोटक दीवारों के भीतर बंद करके रखे गए थे। इसी अस्पताल का फिजियोथेरेपी सेंटर बाकायदा हथियारों के साथ-साथ दहशतगर्दों की ओर से बड़े फूछताछ वार्ड के तौर में तब्दील कर दिया गया था। इजराइल डिफेंस फोर्स ने गाजा के शिफा अस्पताल में मौजूद न सिर्फ टनल को नष्ट किया, बल्कि अस्पताल के वार्ड से लेकर वार्ड के नीचे बनी टनल में हथियारों के जखीरों को भी पकड़ा। इस दौरान पता यह भी चला है कि शिफा अस्पताल ही नहीं, बल्कि आसपास की कई इमारतों में टनल के माध्यम से बड़ी आतंकी गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था।

इजराइल डिफेंस फोर्स ने गाजा के शिफा अस्पताल में तकरीबन

55 मीटर लंबी टनल होने का खुलासा किया है। इजराइल डिफेंस फोर्स के अधिकारियों के मुताबिक अस्पताल के प्रवेश द्वार से ही तकरीबन 10 मीटर गहरी और 55 मीटर लंबी एक बड़ी टनल का रास्ता बनाया गया था। अस्पताल के नीचे बनी इन टनल में हमास के आतंकियों ने युद्ध के सारे साजोसमान को न सिर्फ दीवारों के भीतर रखा था बल्कि अलग-अलग जगह पर भी बड़े हथियार को आईडीएफ ने बरामद किया है। इजराइल डिफेंस फोर्स के अधिकारियों के मुताबिक हमास के आतंकियों ने अस्पताल के नीचे ही नहीं, बल्कि अस्पताल के अलग-अलग वार्ड में भी अपना सबसे बड़ा ऑपरेशन केंद्र बना रखा था।

आईडीएफ के अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल के भीतर बनाई गई टनल से आसपास की बिल्डिंग में भी जाने का अंदरूनी रास्ता हमास के आतंकियों ने तैयार किया था। इन टनल के साथ-साथ अन्य सभी कनेक्टिंग टनल को भी पूरी तरीके से आईडीएफ ने अपने कब्जे में ले लिया है। इस ऑपरेशन में शामिल आईडीएफ के वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि शिफा हॉस्पिटल के भीतर जाने वाली टनल को इतना सुरक्षित तैयार किया गया था कि अगर कोई बड़ा हमला हो, तो भी उसके ऊपर कोई असर न पड़े। वह बताते हैं कि इस टनल का दरवाजा बुलेट प्रूफ ही नहीं, बल्कि किसी बड़े विस्फोट में भी इसका नुकसान नहीं हो सकता था, कुछ इस तरह हमास के आतंकियों ने इसे तैयार किया था। अधिकारियों का कहना है कि हमास के आतंकियों की ओर से इस तरह के पुख्ता इंतजामात उन्हीं जगहों पर किए जाते थे, जहां पर उनको इस बात का अंदेशा रहता था कि इजराइल की फोर्स इन जगहों पर पहुंच सकती है।

किशोर के एक मुक्के ने ले ली 82 साल के पूर्व सेना के जवान की जान

गिरफ्तार, घटना का वीडियो वायरल

डर्बीशायर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। एक किशोर द्वारा ब्रिटेन के पूर्व सैनिक की हत्या का वीडियो डर्बीशायर पुलिस ने जारी किया है। मई 2021 में किशोर उमर मौमेचे ने डर्बी बस स्टेशन पर ब्रिटेन के पूर्व सैनिक डेनिस क्लार्क पर हमला किया था।

डर्बीशायर पुलिस ने जारी किया वीडियो

डर्बीशायर पुलिस ने हमले का चौंकाने वाला फुटेज जारी किया है। जिसमें मिस्टर क्लार्क किशोरों के उस समूह से घिरे हुए हैं, जिन्हें उन्होंने पहले डांटा था। आरोपी मौमेच को जुलाई में हत्या का दोषी पाया गया। शुक्रवार को डर्बी क्राउन कोर्ट में दो साल की सजा सुनाई गई।

क्लार्क की मौत की जांच कर रहे इंस्पेक्टर मार्क शॉ ने कहा, हमारी जांच में सीसीटीवी वीडियो का अहम योगदान रहा। प्रतिवादी ने दावा किया था कि उसने आत्मरक्षा में यह काम किया। उसी घटना के संबंध में उस समय गिरफ्तार किए गए दो अन्य किशोर लड़कों के खिलाफ कोई आगे कार्रवाई नहीं की जा रही है।

82 वर्षीय डेनिस क्लार्क खरीददारी कर घर वापस लौट रहे थे। उसी दौरान आरोपी उमर मौमेचे और उसके दोस्त को एस्केलेटर के साथ कुछ गड़बड़ करते देखा। जब डेनिस से उनसे इसके बारे में पूछा। तो वे सभी डेनिस पर चिल्लाने लगे। लेकिन पूर्व सैनिक डेनिस घर की ओर लौट गए। लेकिन आरोपियों ने बस स्टेशन तक उनका पीछा किया, जहां मौमेचे ने उन पर हमला कर दिया था। इस दौरान आरोपी द्वारा बेरहमी से उन पर मुक्के मारा गया। जिसके बाद वह सभी भाग गए। लेकिन कुछ देरी में ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया था।

डेनिस पर लगातार मुक्कों से हमला किया गया था। वे घायल होकर जमीन पर जा गिरे। जिसके कारण सिर पर चोट लगने से खून बहने लगा। अस्पताल में भर्ती होने के नौ दिन बाद उनकी मौत हो गई। लेकिन डर्बीशायर पुलिस ने हमले का चौंकाने वाला वीडियो साझा किया। जिसमें साफतौर पर दिख रहा है कि डेनिस क्लार्क किशोरों के समूह से घिरे हुए हैं।

प्रेसिडेंट मैक्रों का साथी सांसद गिरफ्तार

घर बुलाकर महिला सांसद के ड्रिंक्स में ड्रग मिलाया, रेप की नीयत से अपराध किया

पेरिस, 20 नवंबर (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों की सहयोगी पार्टी के सांसद पर आरोप है कि उसने एक महिला सांसद को घर बुलाया। इसके बाद उसके ड्रिंक्स में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। आरोपी महिला सांसद के साथ रेप करना चाहता था।

आरोपी सांसद का नाम जोएल गुरेउ (66) है। विक्टिम महिला सांसद का नाम सैंड्रीन जोसो (48) है। गुरेउ को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों से पुलिस ने पूछताछ की है। सोमवार को संसद की स्पेशल कमेटी भी इस मामले की सुनवाई करेगी।

पहले मामले पर एक नजर

घटना पिछले हफ्ते की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- जोएल ने महिला सांसद सैंड्रीन को अपने घर डिनर के लिए बुलाया। 'फ्रांस 24' के मुताबिक- सैंड्रीन ने गुरेउ से किसी रेस्टोरेंट में डिनर के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने अपने घर पर ही डिनर

करने पर जोर दिया।

सैंड्रीन जब जोएल के घर पहुंचीं तो उन्हें इस पुरुष सांसद ने शैम्पेन ऑफर की। आरोप है कि इस ड्रिंक में एक ड्रग मिलाया गया था। इसे पीने के बाद महिला सांसद की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद वो घर लौट गईं। सैंड्रीन के वकील का आरोप है कि गुरेउ इस महिला सांसद से रेप करना चाहते थे। सैंड्रीन ने 17 नवंबर को मामले की शिकायत दर्ज कराई। गुरेउ को गिरफ्तार किया गया। उनके संसद में आने पर रोक लगा दी गई।

मैक्रों के सहयोगी हैं गुरेउ

फ्रेंच मीडिया के मुताबिक- गुरेउ कंजर्वेटिव होराइजन्स पार्टी के सांसद हैं। यह पार्टी प्रेसिडेंट एमैनुएल मैक्रों के सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। गुरेउ 2011 से फ्रेंच पार्लियामेंट के अपर हाउस सीनेट के मेंबर हैं। महिला सांसद सैंड्रीन जोसो मॉडेम पार्टी हैं और वो पार्लियामेंट के लोउर हाउस की सांसद हैं।

गुरेउ पर सिर्फ रेप की कोशिश का केस ही नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें ड्रग्स रखने के केस में भी आरोपी बनाया गया है।

गुरेउ से अब तक तीन बार पूछताछ हुई है। उन्होंने हर बार खुद पर लगे आरोपों को गलत बताया है। दूसरी तरफ, महिला सांसद ने पुलिस को दिए बयान में कहा- गुरेउ ने यह ड्रिंक किचन में तैयार किया था। मैंने खुद उनके हाथ में एक छोटा प्लास्टिक पाउच देखा था, जिसमें सफेद पाउडर (ड्रग) था।

दोनों ही सांसद पश्चिमी फ्रांस के लोरी-एटलांटिक्यू जिले से आते है। जब तक जांच चलेगी, तब तक गुरेउ महिला सांसद और किसी गवाह से संपर्क नहीं कर सकेंगे। उन्हें अपनी पार्टी से भी सस्पेंड कर दिया गया है।

पुलिस ने गुरेउ के ऑफिस और घर की तलाशी भी ली है। इसमें उन्हें ड्रग्स का एक पाउच मिला है। शनिवार को पुलिस ने दोनों सांसदों को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की। महिला सांसद के मुताबिक- वो इस घटना के बाद सदमे में हैं। दूसरी तरफ गुरेउ के वकील ने कहा- मेरे क्लाइंट इज्जतदार परिवार से ताल्लुक रखते हैं और 2011 से सीनेटर हैं। फॉरेन और मिलिट्री अफेयर्स कमेटी को लीड करते हैं। इससे भी बड़ी बात ये है कि वो और सैंड्रीन लंबे वक्त से दोस्त हैं।

कार की चपेट में आया भारतीय मूल का व्यक्ति, मौके पर मौत

अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं

न्यूयॉर्क, 20 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के ओहियो से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। जहां कार की चपेट में आने से भारतीय मूल के 52 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। ओहियो स्टेट हाईवे गश्ती दल ने इस बात की जानकारी दी।

एक विज्ञप्ति के मुताबिक, ब्रंसविक शहर के रहने वाले पीयूष पटेल को शनिवार को एक कार ने टक्कर मार दी, वह सबस्टेशन रोड पर चल रहे थे। घटना के तुरंत बाद जानकारी मिलते ही हादसे की जगह राजमार्ग गश्ती अधिकारी पहुंच गए। जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, हादसे में घातक चोट आई हैं, जिसके कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे की जांच जारी है। हालांकि मामले में पुलिस ने अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है।

बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत को खतरा

देश छोड़कर गए, विदेश मंत्री ने किया खंडन

ढाका, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री शहरयार आलम ने अमेरिकी राजदूत के देश छोड़कर जाने पर निराशा जाहिर की और इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। बता दें कि बांग्लादेश में अमेरिका के राजदूत पीटर हास बांग्लादेश छोड़कर जा चुके हैं। रिपोर्ट्स हैं कि बांग्लादेश के कुछ नेताओं ने कथित तौर पर अमेरिकी राजदूत को धमकी दी थी। दरअसल रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राजदूत पीटर हास बांग्लादेश में होने वाले आम चुनाव में दखल दे रहे थे। जिससे नाराज होकर बांग्लादेश के कुछ नेताओं ने कथित तौर पर पीटर हास को धमकी दी थी। हालांकि

बांग्लादेशी सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि 'देश के पास इतना सामर्थ्य है कि वह अपने विदेशी मेहमानों को सुरक्षा दे सकें। शहरयार आलम ने कहा कि बांग्लादेश में तैनात सभी राजदूतों का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। जब तक वह बांग्लादेश के हितों का ध्यान रख रहे हैं, तब तक उनकी सुरक्षा के लिए हम जिम्मेदार हैं और धमकी मिलने के कारण देश छोड़कर जाने की खबरें सिर्फ अफवाह है। हम जानते हैं कि वह कहां पर हैं लेकिन हम उनकी लोकेशन की जानकारी नहीं दे सकते।' बांग्लादेशी सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि अमेरिकी राजदूत पीटर हास फिलहाल श्रीलंका में हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

बता दें कि बांग्लादेश में अगले साल जनवरी में आम चुनाव होने हैं। चुनाव के चलते बांग्लादेश में तनाव का माहौल है और बीते दिनों ही चुनाव को लेकर ढाका में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क गई थी। अमेरिकी राजदूत पीटर हास पर आरोप है कि वह विपक्षी पार्टी बीएनपी का समर्थन कर रहे हैं। हाल ही में पीएम शेख हसीना की पार्टी के एक नेता का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह अमेरिकी राजदूत को धमकाते नजर आ रहे हैं। पीएम शेख हसीना ने उक्त नेता के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

दक्षिणपंथी हावियर मिलई बनेंगे अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति

माने जाते हैं कट्टर ट्रंप समर्थक

अर्जेंटीना, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिणपंथी नेता हावियर मिलई अर्जेंटीना के अगले राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। दरअसल रविवार को राष्ट्रपति पद के लिए हुए मतदान में मिलई को 55.8 प्रतिशत वोट मिले हैं। वहीं अर्जेंटीना के वित्त मंत्री और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सर्जियो मासा को 44.2 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए हैं। अर्जेंटीना में हावियर मिलई और उनकी पार्टी के समर्थकों ने जश्न मनाना भी शुरू कर दिया है। बता दें कि हावियर मिलई अर्जेंटीना की राजनीतिक पार्टी ला लिबर्टाड अवान्जा के नेता हैं। मिलई ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं से वादा किया था कि आर्थिक संकट का सामना कर रहे अर्जेंटीना में वह बड़े पैमाने पर आर्थिक बदलाव करेंगे। साथ ही मिलई ने राजनीतिक स्तर पर भी सुधार का वादा किया था। सर्जियो मासा ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और हावियर मिलई को देश का अगला राष्ट्रपति बनने के लिए बधाई दी है। अर्जेंटीना में चुनाव के दौरान अर्थव्यवस्था और महंगाई बड़े मुद्दे रहे। अर्जेंटीना में महंगाई 140 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है।

सर्जियो मासा की पार्टी पेरोनिस्ट मूवमेंट ने बीते 20 सालों में से 16 साल शासन किया है। चुनाव नतीजों के बाद मासा ने अपने बयान में कहा कि अर्जेंटीना के लोगों ने अलग रास्ता चुना है। मिलई को जीत की बधाई देने के साथ ही मासा ने कहा कि वह अब सक्रिय राजनीति से जल्द ही रिटायर हो जाएंगे। हावियर मिलई एक धुर दक्षिणपंथी नेता हैं और अक्सर अर्जेंटीना में उनकी तुलना डोनाल्ड ट्रंप से की जाती है। ट्रंप की तरह मिलई भी जलवायु परिवर्तन को नहीं मानते हैं। जीत के बाद मिलई ने कहा कि आज से अर्जेंटीना का पुनर्निर्माण शुरू हो गया है। आज का दिन अर्जेंटीना के लिए एतिहासिक है।

22 अक्तूबर 1970 को हावियर मिलई का जन्म ब्यूनर आयर्स में हुआ था। यूनिवर्सिटी ऑफ बेलग्रानो से अर्थशास्त्र में स्नातक की पढ़ाई करने के बाद मिलई ने अर्थशास्त्र में मास्टर और डॉक्टरेट भी किया। मिलई राजनीति में आने से पहले कई यूनिवर्सिटीज में अर्थशास्त्र पढ़ा भी चुके हैं। मिलई ने अर्थशास्त्र और राजनीति पर कई किताबें भी लिखी हैं। मिलई ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान अर्जेंटीना के केंद्रीय बैंक को खत्म करने और देश के आर्थिक ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन करने का वादा किया था। साथ ही मिलई ने भ्रष्टाचार, गरीबी को मिटाने और अर्जेंटीना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साख को वापस लौटाने का भी वादा किया। अगस्त में हुए प्राइमरी चुनाव में मिलई को 30 प्रतिशत वोट मिले थे।

सीएम योगी का चुनावी दौरा : बोले- कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश की छवि को किया खराब, अपराध के लिए जाना जाता है

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के बीच सीएम आदित्यनाथ योगी जयपुर के दौरे पर है. इस दौरान उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आमेर की जनता को राम राम सा. राजस्थान में विधानसभा का चुनाव चल रहा . पूरा देश शूरवीरों की धारा राजस्थान की तरफ देख रहा है.

उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में पर्यटन समेत हर क्षेत्र में नंबर एक पर था. लेकिन कांग्रेस की सरकार ने राजस्थान की छवि को खराब कर दिया. आज राजस्थान को महिलाओं से दुष्कर्म, अपराध के लिए जाना जाता है. कश्मीर की समस्या सबके सामने थी. लेकिन मोदी जी ने समस्या के समाधान के लिए अहम कदम उठाए, नतीजा सबके सामने है. जिसपर भी कांग्रेस ने विरोध किया.

योगी ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधा और कहा कि वे कहते थे कि देश के फंड पर पहला हक मुस्लिमों का है. लेकिन हमने साफ कर दिया कि देश पर पहला हक किसान का है. गरीब का है, जरूरतमंदों के लिए है. कांग्रेस कहती थी कि राम काल्पनिक है. लेकिन हमने ना सिर्फ राम मंदिर के सपने को पूरा किया है. बल्कि विवादित ढांचे को भी हटाने की पहल की. मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर आकार ले रहा है. जो सनातन के अस्तित्व पर सवाल खड़े करते है. अब उनके अस्तित्व पर सवाल खड़ा करने का समय है. पूनियां जी को जिताओ, फिर 22 जनवरी को अयोध्या आओ. अमेरिका समेत कुछ देशों में अब फिर से कोरोना के केस आ रहे है. लेकिन मोदी जी ने देश में ऐसी वैक्सीन बनवाई कि हम सुरक्षित है. कांग्रेस ने करप्शन पनपाया, पेपर माफिया पनपाए, उन्हें जवाब देने का समय आ गया है.

वहीं सतीश पूनियां ने उठाया पेपर लीक, करप्शन का मुद्दा उठाया. आमेर की जनता सनातन की सोच पर वोट देगी, विकास पर वोट देगी. आमेर विकास को तरस रहा था. 2013 में भले ही मुझे विजय नहीं मिली, लेकिन पार्टी सत्ता में आई. 1500 करोड़ के विकास कार्य वसुंधरा सरकार में हमने करवाया. 2018 के चुनाव में आपने मुझ पर विश्वास जताया. सरकार कांग्रेस की थी, लेकिन आपके लिए हमने संघर्ष किया. हर मुद्दे पर लड़ाई लड़ी. सात बार जेल तक गया, जिसे जनता याद रखती है. जो राम को लाए हैं, उनको हम आमेर लाए हैं. योगी जी ने यूपी में इतिहास बनाया, देश में भी बनाने को प्रयासरत हैं.

मल्लिकार्जुन खड़गे ने किसान सम्मेलन को किया संबोधित

बोले- लाल डायरी में कुछ भी नहीं; सीएम गहलोत ने भाजपा की परिवर्तन यात्राओं पर साधा निशाना

भीलवाड़ा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज गुलाबपुरा में कांग्रेस के किसान और पशुपालक सम्मेलन को संबोधित किया. अपने संबोधन की शुरुआत में उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है, मैं उनको प्रणाम करता हूं. इसके बाद खड़गे ने कहा कि भीलवाड़ा के विकास में कांग्रेस का बड़ा योगदान है. यहां का टैक्सटाइल भारत को बड़ी देन है. मैं और सोनिया गांधी यहां बहुत पहले आए थे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो काम करती है भाजपा उसको रोकने का काम करती है. भाजपा काम नहीं करती सिर्फ गालियां देती है. हम झूठ बोलने का काम नहीं करते है. कहीं भी जाओ भाजपा परिवारवाद-परिवारवाद करती है. राहुल गांधी ने चार हजार किमी पैदल चलकर भारत जोड़ो यात्रा की है. भारत में उस यात्रा जैसी कोई यात्रा नहीं हुई है. इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने सभी को मिलाकर एक संगठन इंडिया बनाया है. लेकिन ये लोग उस पर भी एतराज करते हैं. उन्होंने कहा कि लाल डायरी में कुछ नहीं है. भाजपा केवल इसे दिखाकर डराने की कोशिश करती है. वह अपने पास रखे रहे डायरी.

खड़गे ने कहा कि राजस्थान में अगर जय नारायण व्यास, सुखाड़िया जैसे नेता व सेंट्रल में नेहरू जी नहीं होते तो राजस्थान में विकास नहीं हो पाता. हमने गैस सिलेंडर 500 रुपए का किया है. लेकिन हमारे लोगों को डरा-डरा कर जेल में डाला जा रहा है. कभी ED, इनकम टैक्स की रेड डाली जा रही है. भाजपा धर्म के नाम पर वोट बांटने की राजनीति कर रही है. देश को बचाने वाले और आजाद कराने वाले हम हैं. देश पर जान देने वाले लोग भी हम है. देश की आजादी में एक भी भाजपा नेता नहीं रहा. गांधी परिवार ने कभी अधिकार नहीं लिया. इंदिरा गांधी ने देश के लिए अपनी जान दे दी, देश की एकता के लिए राजीव गांधी ने अपनी जान दे दी. इस दौरान कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आप सभी एक होकर कांग्रेस पार्टी को जिताएं. ये मेरा वादा है जितनी योजनाएं अभी है हम उससे ज्यादा देंगे. किसानों की भलाई, मजदूरों की भलाई के लिए कांग्रेस काम कर रही है. साथ ही लाल डायरी को लेकर बोलते हुए कहा कि जो कुछ है तो बताए आप डराए नहीं. राहुल गांधी ने भी कहा है कि डरो मत.

वहीं किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र के अंदर जनता माईबाप होती है. आप जिसको आशीर्वाद देते हैं उसकी सरकार बनती है. कांग्रेस का आजादी से पहले और बाद का लंबा इतिहास है. इस दौरान सीएम गहलोत ने मंच से प्रदेशवासियों की तरफ से खड़गे का अभिनंदन करते हुए कहा कि अनुभन का कोई विकल्प नहीं होता. खड़गे साहब अनुभवी, जमाना देखा है.

सचिन पायलट ने कहा- बहुमत हासिल करना हमारी पहली प्राथमिकता, हम फिर जीतेंगे

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। कांग्रेस और भाजपा की तरफ से प्रचार-प्रसार तेज हो गए है। इस बीच सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी दोबारा से राजस्थान में सराकर बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि हम संघर्ष करेंगे और बहुमत हासिल करेंगे।

आगामी विधानसभा चुनाव के बीच असंतोष और असमंजस की अफवाहों के को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व डिप्टी चीफ मिनिस्टर सचिन पायलट ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी साझा नेतृत्व में विश्वास करती है और राजस्थान में व्यक्तिगत जिम्मेदारियां पार्टी को वापस सत्ता में लौटने के बाद तय की जाएंगी। पायलट ने कहा कि हम एक दूसरे का सम्मान करते हैं और साझा नेतृत्व में विश्वास करते हैं। हम संघर्ष करेंगे और बहुमत प्राप्त करने के बाद, हमारे विधायक और पार्टी यह तय करेंगी कि जिम्मेदारियां किसे सौंपी जाएं। अगर किसी को इस प्रणाली से कोई समस्या है, तो उसे बातचीत करनी चाहिए और चीज़ें सुलझा लेनी चाहिए। हमारी पार्टी की परंपरा, नीति हमेशा से यही रही है।

सचिन पायलट ने कहा कि अगर राजस्थान में जनता कांग्रेस की सरकार दोबारा बनवाती है तो हम मेज़ पर बैठकर तय करेंगे कि कौन क्या करेगा। इस प्रक्रिया का पालन 2018 में किया गया था और इस साल भी यही दोहराया जाएगा। हालांकि, हमारी पहली प्राथमिकता यह है कि हम बहुमत प्राप्त करें।

पायलट ने कहा कि जिस तरह क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत ने दूसरी टीमों को हराया है, हमारा प्रदर्शन अब तक किसी अन्य प्रतिद्वंद्वी से बेहतर रहा है। ठीक उसी तरह, यहां टोंक में मुझे यह महसूस हो रहा है कि लोग हमें राजस्थान वापस जीताने में मदद करेंगे।

गौरतलब है कि टोंक विधानसभा सीट से कांग्रेस ने सचिन पायलट को फिर से मैदान में उतारा है, जबकि, उनके खिलाफ भाजपा ने उसी सीट से पूर्व विधायक अजित सिंह मेहता को उतारा है। राजस्थान 25 नवंबर को एक चरण में चुनाव होने है और 3 दिसंबर को वोटों की गिनती की जाएगी।

दुनिया के सबसे बड़े घंटे को निकालते वक्त इंजीनियर की मौत, बेटे ने मंत्री धारीवाल पर लगाया बड़ा आरोप

कोटा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कोटा के रिवर फ्रंट पर एक बड़ा हादसा हो गया. यहां दुनिया के सबसे बड़े घंटे को मोल्ड बॉक्स के अंदर से निकाला जा रहा था तभी उसे बनाने वाले इंजीनियर 35 फीट नीचे गिर गए. इस हादसे में उनके साथ एक मजदूर की भी मौके पर ही मौत हो गई. अब मृतक इंजीनियर के बेटे धनंजय ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और यूआईटी प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं.

मृतक इंजीनियर के बेटे धनंजय ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, “घंटे को जल्दी खोलने के लिए मेरे पिता के ऊपर पिछले कई दिनों से दबाव बनाया जा रहा था. उन्हें कहा जा रहा था कि वोटिंग से पहले घंटे को खोल देना वरना...मेरे पिता ने कहा था कि धारीवाल जी का प्रेशर है अब तो जाना ही पड़ेगा.” धनंजय के मुताबिक, कुछ इस तरह की धमकियां लगातार उनके पिता देवेन्द्र आर्य को मिल रही थीं. उन्होंने आगे बताया कि उनके पिता की तबीयत भी ठीक नहीं थी इसके बावजूद प्रेशर डालकर उन्हें कोटा बुलाया गया.

धारीवाल पर आरोप लगाते हुए इंजीनियर के बेटे ने कहा कि मेरे पिताजी के जीवन की सबसे बड़ी गलती यही हो गई कि उन्होंने दुनिया का सबसे बड़ा घंटा बनाने का जिम्मा ले लिया. पिताजी को लगा कि ये कोटा की एक धरोहर बनेगी. लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यहां के मंत्री लोग उनका इतना शोषण करेंगे. अब मंत्रालय से पता चल रहा है कि उन्होंने यह इसलिए बनवाया है क्योंकि उन्हें चुनाव जीतना है. उन्होंने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि आप लोग धारीवाल के पास जाओ तो उनसे एक ही चीज बोलना कि आपको इतनी क्या जल्दबाजी थी कि 25 तारीख को ही खोलो. आप 82 साल के हो गए हो. आपको सदन में जाने की इतनी क्या जल्दी थी कि आप मेरे पिताजी को ही खा गए.

रीट के पेपर में कहां मिलेंगे... नाथी तेरे बाड़े में...’ किरोड़ीलाल ने गोविंद सिंह डोटासरा पर साधा निशाना

सवाईमाधोपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान नेता जमकर एक दूसरे पर हमला बोल रहे हैं। ताजा मामला किरोड़ीलाल मीणा से जुड़ा है। उन्होंने हिंडौली की जनसभा में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर जमकर निशाना साधा।

सवाईमाधोपुर सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा प्रत्याशी किरोड़ी लाल मीणा ने गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने लक्ष्मणगढ़ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गोविंद सिंह डोटासरा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने जनसभा में मौजूद जनता को पूछा कि ‘रीट के पेपर कहां मिलेंगे तो लोगों ने जवाब दिया नाथी तेरे बाडे. में’। इस दौरान किरोड़ी ने भ्रष्टाचार, पेपरलीक और किसानों की कर्जमाफी से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस सरकार को घेरा।

किरोड़ीलाल ने कहा कि गहलोत के काल में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। बता दें कि किरोड़ी भाजपा प्रत्याशी प्रभुलाल सैनी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 19 बार पेपरलीक हुए लेकिन सीएम ने कोई जांच नहीं कराई। पेपरलीक के मामलों में उनके कई मंत्री शामिल थे। इसके बाद हमनें ईडी से शिकायत की। इसके बाद जब ईडी आई तो उन्होंने सुपड़ा साफ करके चली गई।

प्रभुलाल सैनी के समर्थन में सभा को संबोधित करने आए किरोड़ी ने अपनी पगड़ी उतारकर प्रभुलाल को पहना दी। उन्होंने मौजूद लोगों से कहा कि प्रभुलाल जी मेरे मित्र हैं। मैंने अपनी पगड़ी इनको पहना दी है। अब आपको इस पगड़ी की लाज रखनी है। आपको मेरी बात रखकर हिंडोली में प्रभुलाल को जिताना है। किरोड़ी के इस बयान के बाद माना जा रहा है कि हिंडोली का मीणा वोट प्रभुलाल के पक्ष में जा सकता है।

वहीं सभा को संबोधित करते हुए प्रभु लाल सैनी ने कहा कि गहलोत सरकार ने किसानों को कर्ज में दबा दिया। सैनी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने 10 दिनों में कर्ज माफ करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद लोगों को भयमुक्त माहौल मिल सकेगा।

होम वोटिंग का प्रथम चरण पूरा, 96.63 प्रतिशत बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने की वोटिंग

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में निर्वाचन आयोग की पहल के बाद बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने पहली बार मतदान केंद्र जाने की बजाय घर बैठे मतदान किया। इन पात्र मतदाताओं के घर आंगन में ही पोलिंग बूथ बनाया गया। बता दें कि प्रथम चरण में 96.63 प्रतिशत बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग की है। इनमें 96.48 प्रतिशत बुजुर्ग एवं 97.56 प्रतिशत दिव्यांगजनों ने वोटिंग की है।

विधानसभा आम चुनाव 2023 में भारत निर्वाचन आयोग की होम वोटिंग की पहल के प्रति बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं का अभूतपूर्व रुझान देखने को मिल रहा है। होम वोटिंग के प्रथम चरण में प्रदेश भर में इन श्रेणियों के 60,424 मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। होम वोटिंग के दौरान अब तक कुल 1220 मतदाता ऐसे रहे, जो विशेष मतदान दलों की विजिट के दौरान घर पर अनुपस्थित रहे। 884 मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। प्रथम चरण में 96.63 प्रतिशत बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग की है। इनमें 96.48 प्रतिशत बुजुर्ग एवं 97.56 प्रतिशत दिव्यांगजनों ने वोटिंग की है।

घर से मतदान करने की सुविधा का लाभ

इधर, मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि विधानसभा आम चुनाव के अंतर्गत प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया गया है। प्रदेश में होम वोटिंग के पहले 5 दिन में 47196 बुजुर्ग तथा 20,161 दिव्यांग एवं बुजुर्ग एवं 286 दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान करने की सुविधा का लाभ लिया।

उन्होंने बताया कि पात्र 62,927 मतदाताओं ने विकल्प के तौर पर होम वोटिंग सुविधा के लिए आवेदन किया है। विशेष मतदान दल ऐसे मतदाताओं के घर जाकर पूरी गोपनीयता के साथ डाक मतपत्र के माध्यम से उनका मतदान करवा रहे हैं। पोस्टल बैलेट के माध्यम से पहले चरण में 19 नवंबर तक घर पर ही मतदान करवाया गया। ऐसे मतदाता जो होम वोटिंग के पहले चरण के दौरान घर पर अनुपस्थित थे, उनके लिए 20 और 21 नवंबर को विशेष मतदान दल दूसरी बार विजिट करेंगे। अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाताओं के लिए मतदान की तारीखें 19 नवंबर से 21 नवंबर तक हैं।

हत्या के मामले में मुख्य आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे, पहले 3 आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार

सिरोही, 20 नवंबर (एजेंसियां)। जिले की रोहिड़ा पुलिस ने एक हफ्ते पूर्व हुई हत्या के मामले का खुलासा किया है। इस पूरे मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। बता दें कि इस मामले में तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके है।

सिरोही पुलिस ने हत्या के मामले का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार पिंडवाड़ा पुलिस उपअधीक्षक जेठूसिंह करनोत, पिंडवाड़ा थानाधिकारी सीताराम, रोहिड़ा थानाधिकारी सुश्री माया पंडित, वृत्त कार्यालय पिंडवाड़ा के हेडकांस्टेबल मोमराज, पुलिस थाना रोहिड़ा के हेडकांस्टेबल रामचंद्र, मांगीलाल, वृत्त कार्यालय पिंडवाड़ा के कांस्टेबल कमलेश कुमार, पुलिस थाना रोहिड़ा के कांस्टेबल बजरंगलाल, रामलाल, रोहिताश, महिपालसिंह, प्रकाश कुमार एवं जितेंद्र कुमार की टीम द्वारा आरोपियों की तलाश शूरू की गई।

लगातार तीन दिन के प्रयास के बाद पहले हीराराम पुत्र करनाराम, कानाराम उर्फ लाखाराम पुत्र मगनलाल व नरसाराम पुत्र सोमा जी को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया था। इन आरोपियों से पूछताछ के दौरान सामने आया कि हत्या का मुख्य सुत्रधार राज होटल के पीछे, काला मगरा भुजेला पुलिस थाना रोहिडा जिला सिरोही निवासी मगनलाल पुत्र मोतीराम कीर इस वारदात का मुख्य सूत्रधार था। इसपर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी द्वारा वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार इस मामले में भुजेला तहसील पिण्डवाडा जिला सिरोही निवासी चौथाराम पुत्र वगताराम मीणा ने गत 13 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। बताया जा रहा है कि भुजेला स्थित खेत पर उसके भाई भंवरलाल नहर के पानी से सिंचाई कर रहा था। दिपावली की शाम पांच बजे के करीब उनके नीचे खेत वाले मगनलाल कीर व हिराराम भील खेत पर आए तथा पानी बंद करने का कहकर धमकी दी। जिसपर दोनों के बीच विवाद हो गया।

बाड़मेर में कांग्रेस की निर्दलीय से टक्कर, पार्टियों में आपसी तकरार से मुकाबला दिलचस्प

बाड़मेर,20 नवंबर (एजेंसियां)। दोनों ही राष्ट्रीय दलों के उम्मीदवारों को सबसे कड़ी चुनौती भाजपा की बागी उम्मीदवार डॉ. प्रियंका चौधरी से मिल रही है। जाट समुदाय के प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से आने वाली प्रियंका चौधरी को भाजपा का मजबूत संभावित प्रत्याशी माना जा रहा था। दीपक कड़वासरा को टिकट मिलने के बाद प्रियंका चौधरी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में कूद पड़ीं...

बाड़मेर में कांग्रेस को भाजपा से नहीं, बल्कि निर्दलीय उम्मीदवार से कड़ी चुनौती मिल रही है। बाड़मेर विधानसभा सीट पर तीन बार चुनाव जीत चुके मेवाराम जैन चौथी बार अपनी किस्मत आजमाने के लिए मैदान में हैं। क्षेत्र में कामकाज को लेकर लोगों की बीच उन्हें कुछ नाराजगी भी झेलनी पड़ रही है, लेकिन इसके बाद भी उनके समर्थक उनके साथ हैं। वहीं, भाजपा ने टिकट के स्थानीय दावेदारों की आपसी प्रतिद्वंद्विता को समाप्त करते हुए दीपक कड़वासरा को अपना उम्मीदवार बनाया है। लोगों के बीच कमजोर पकड़ दीपक कड़वासरा की सबसे बड़ी कमी साबित हो रही है। जमीन पर चर्चा है कि केंद्रीय मंत्री अशोक चौधरी की दखल के कारण उन्हें टिकट मिल गया है, इससे उनकी छवि को खासा नुकसान हो रहा है। अशोक चौधरी का क्षेत्र में काफी विरोध हो रहा है। वे कड़वासरा के चुनाव प्रचार तक में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। भाजपा को बाड़मेर में इस स्थिति का नुकसान हो सकता है। दोनों ही राष्ट्रीय दलों के उम्मीदवारों को सबसे कड़ी चुनौती भाजपा की बागी उम्मीदवार डॉ. प्रियंका चौधरी से मिल रही है। जाट समुदाय के प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से आने वाली प्रियंका चौधरी को भाजपा का मजबूत संभावित प्रत्याशी माना जा रहा था। दीपक कड़वासरा को टिकट मिलने के बाद प्रियंका चौधरी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में कूद पड़ीं। स्थानीय निवासी उनकी जीत की प्रबल संभावना जता रहे हैं। जाट समुदाय अपने समाज से आने वाली लड़की के साथ डटकर खड़ा हुआ है। जाट समुदाय ही नहीं, अन्य स्थानीय समुदाय भी उनके साथ हैं। प्रियंका चौधरी स्वयं अपने चुनाव प्रचार में खुद को हर समाज, हर वर्ग की बेटी बता रही हैं। वे पिछले 15 साल से जमीन पर राजनीतिक तैयारी करती रहीं और जनता के हर संघर्ष में साथ खड़ी रहीं। उन्हें अपने इस संघर्ष का सकारात्मक परिणाम यहां से जीत के रूप में मिल सकता है, उनके करीबियों का यही मानना है।

भाजपा कार्यकर्ता अनिल खत्री ने कहा कि वे नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हैं। लोकसभा चुनाव में उन्हें जिताने के लिए पूरा संघर्ष करेंगे। राजस्थान में भी भाजपा की सरकार बनेगी, लेकिन बाड़मेर में वे प्रियंका चौधरी को वोट करेंगे, क्योंकि भाजपा की असली उम्मीदवार उन्हीं को होना चाहिए था।

कोटा में सीट के लिए भिड़े कोचिंग सेंटर के स्टूडेंट्स

कोटा, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा स्थित एलन इंस्टीट्यूट में सीट के लिए दो स्टूडेंट्स में विवाद की वजह से क्लासरूम डब्ल्यूडब्ल्यूई का अखाड़ा बना नजर आने लगा। इस झगड़े का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आजकल के युवा कितने असहनशील हो चुके हैं, इसका अंदाजा आए दिन सामने आने वाले लड़ाई-झगड़ों के वीडियोज से सहज ही लगाया जा सकता है। इसी बीच एक और वीडियो सामने आया है। वीडियो राजस्थान के कोटा स्थित एलन इंस्टीट्यूट के एक कोचिंग सेंटर का है, जिसमें स्टूडेंट्स को कुत्ते-बिल्लियों की तरह आपस में लड़ते देखा जा सकता है। पता चला है कि इनमें कोचिंग क्लास में बैठने को लेकर यह नौबत आई।

एलन इंस्टीट्यूट का यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर ‘घर के कलेश’ नामक हैंडलर से शनिवार 18 नवंबर को शेयर किया गया है। इस वीडियो में लड़कों को दीवार पर मुक्का मारते और एक-दूसरे को धक्का देते देखा जा सकता है। इसी के साथ कुछ साथी इन स्टूडेंट्स पर हंसते हुए भी नजर आ रहे हैं। आखिर विवाद जब हद से ज्यादा बेकाबू हो गया तो हंसते नजर आ रहे सहपाठियों को ही बीच-बचाव करना पड़ा। उधर, इसी दौरान किसी ने इस घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल फोन के कैमरे में कैप्चर कर लिया। अब यह सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

शान्ति ही सबसे बड़ी सफलता : साध्वी डॉ. मंगल प्रज्ञा

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन सिकंदराबाद में साध्वी श्री डॉ. मंगलप्रज्ञा जी आदि ठाणा 6 के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन : करें अपनों के संग का आयोजन किया गया। साध्वी श्री डॉ. मंगल प्रज्ञा जी ने नवकार महामंत्र के उच्चारण के साथ शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सभी को पारंपरिक वेशभूषाओं में आना था एवम् मिलेट्स से बनी एक संपूर्ण थाली बना कर लानी थी।संयोजिकाओं के काव्य पाठ से मंगलाचरण किया गया। तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा कविता जी आच्छा ने सभी का स्वागत करते नवयुवतियों को प्रोत्साहित किया। साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञा जी ने फरमाया कि शान्ति ही सबसे बड़ी सफलता होती है।

नवयुवतियां कम से कम 13 मिनिट दिन में अपनी किसी साधना दारा मन को शान्त करने का प्रयास करें। साध्वी श्री राजुलप्रभा जी ने सभा को संबोधित करते हुए नव युवतियों को ऊर्जा वान बन संघ के लिए काम करने की प्रेरणा दी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली नवयुवतियों को पांच-पांच के ग्रुप मे अपने-अपने स्टेट को प्रदर्शित करना था। 45 प्रतियोगियों ने बड़े ही उत्साह से इसमें भाग लिया। कार्यक्रम की आर्थिक सौजन्य दाता हिमांशु बापना (तेलंगाना स्टेट माइनॉरिटी कमीशन के बोर्ड मेम्बर) का परिचय मंत्री सुशीला मोदी ने दिया। जज द्वारा प्रतियोगिता के पुरस्कार घोषित किए गए, जिसमें प्रथम गुजरात, द्वितीय स्थान पर पंजाब तथा तृतीय स्थान पर महाराष्ट्रा रहा। मिसेज़ राइजिंग स्टार अवार्ड श्रीमती प्रियंका दुगड़ को दिया गया। कार्यक्रम में सभा के मंत्री सुशील संचेती एवं बाबूलाल सुराणा पधारे। कार्यक्रम का सफल संचालन संगीता गोलछा ने किया और आभार ज्ञापन नमिता सिंघी ने दिया।

जनता का है भाजपा का घोषणापत्र : लक्ष्मण

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने आज अपनी पार्टी के हाल ही में जारी घोषणापत्र को लोगों का घोषणापत्र करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के घोषणापत्र राज्य में आर्थिक संकट पैदा करने के लिए हैं। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीआरएस और कांग्रेस पार्टियां मुफ्त सुविधाओं का वादा करके वोट बैंक की राजनीति में लिप्त हैं और कहा कि दोनों पार्टियां एक घोषणापत्र तैयार करने में विफल रही हैं जो राज्य के लोगों के जीवन को बदल देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश राज्यों में कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई गारंटी ने दोनों राज्यों के लोगों को सबसे पुरानी पार्टी के खिलाफ विद्रोह करने के लिए मजबूर कर दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी लोगों को सरकारों पर निर्भर बनाने के लिए मुफ्त चीजें दे रहे हैं। लक्ष्मण ने कहा कि भाजपा की नीति रोजगार और नौकरी देना है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों पार्टियां राज्य के लोगों को मुफ्त सुविधाएं देने में एक-दूसरे से होड़ कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता बीआरएस पार्टी के नेताओं को अपने गांवों से खदेड़ रही है. उन्होंने कहा कि भाजपा अपने वादों से कभी पीछे नहीं हटी है और कहा कि पीएम मोदी सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने, राम मंदिर का निर्माण, महिला आरक्षण विधेयक और तीन तलाक उन्मूलन जैसे अपने वादों को पूरा किया है।

केसीआर ने बेरोजगारों को धोखा दिया : तोकला

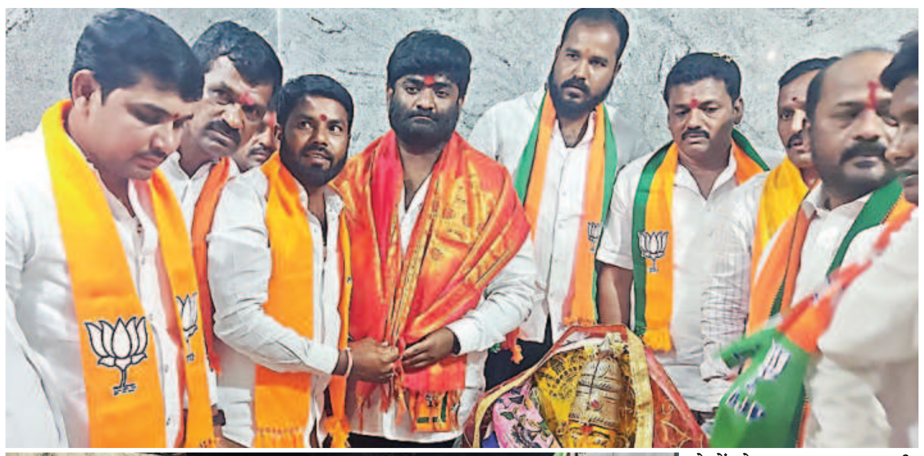

राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के विधायक उम्मीदवार तोकला श्रीनिवास रेड्डी विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले हर समाज के लोगों से मुलाकात कर जीत का आशीर्वाद ले रहे हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान के विधायक ने क्षेत्र के विकास के लिए कुछ भी नहीं किया है। यहां चारों ओर समस्या ही समस्या है। केसीआर सरकार बेरोजगार युवाओं को नौकरी न देकर तथा पेंशन के नाम पर वृद्धों को धोखा दे रही है। तोकला ने मोदी सरकार की योजनाओं को नाम लेकर समझाया तथा बीजेपी के घोषणापत्र के प्रमुख बिंदुओं के बारे में बताया।

बिहार एसोसिएशन द्वारा नगरद्वय में छठपूजा का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर भारतीयों द्वारा मनाए जाने वाला लोक आस्था के सबसे बड़ा महापर्व छठ पूजा में अस्ताचल व उदयाचल सूर्य देव को अर्घ्य देकर व्रतियों द्वारा छठ पूजा पूरी की गई। एसोसिएशन के महासचिव, प्रभास कुमार ने बताया कि लाखों की संख्या में श्रद्धालु पर्व में सम्मिलित हुए। एसोसिएशन के द्वारा नगरद्वय के छठ घाटों पर राज्य सरकार के विशेष मुख्य सचिव, नगर निगम एवं शहरी विकास, अरविंद सिंह, स्थानीय प्रशासनिक विभाग एवं जीएचएमसी के सहयोग से महापर्व छठ पूजा का सुंदर एवं भव्यता से आयोजन कराया गया। मानवेंद्र मिश्रा एवं संगठन अध्यक्ष, हरेराम सिंह ने विशेष मुख्य सचिव का स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापित किया। राज्य सरकार के ग्राम पंचायत, सचिव संजीव सुल्तानिया एवं अवकाश प्राप्त आईएएस मुनींद्र, के द्वारा संगठन के कार्यों को सराहा गया। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा इस बार शहर के प्रायः सभी बतुकम्मा घाट पर पूजा का चाक-चौबंद व्यवस्था करायी गई थी। एसोसिएशन अध्यक्ष हरेराम सिंह, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, बिहार फाउंडेशन चैप्टर हैदराबाद के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा एवं उनके टीम के माध्यम से शहर के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं हेतु संसाधन जूटा कर उत्तम सुविधा पहुंचाने का प्रयास किया गया।

कर्मनघाट हनुमान मंदिर में छठ पूजा का समापन

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर भारती नागरिक संघ, वनस्थलीपुरम, हैदराबाद द्वार कर्मनघाट हनुमान मंदिर में अयोजित छठ के 4 दिवसीय अनुष्ठान के चौथे दिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। व्रत धारियों ने कर्मनघाट तालाब में उगते सूरज को अर्घ्य दिया। इस दौरन वनस्थलीपुरम क्षेत्र उसके आस-पास के क्षेत्र काफी सांख्य में भक्तगण उपस्तित हुए। उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा छठ घाट पर सारी व्यवस्था की गई थी। एलबी नगर विधायक डी.सुधीर रेड्डी ने छठ घाट पर आकर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस शुभ अवसर पर संघ के अध्यक्ष एन.के. सिंह और उनकी पत्नी मालती देवी, अमरजीत सिंह ने भी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर डी.के. तिवारी, एस.एस. यादव, नरेन्द्र भगत, विनोद झा, देव कुमार पोखराज, सुभाष सिंह, एवं अन्य गणमन व्यक्ति उपस्तित हुए।

आंनदबाग बतुकमा घाट पर छठ पूजा भव्यता से संपन्न

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना और नॉर्थ पीपल्स ऐसोसिएशन ने नॉर्थ भारत द्वारा बंडा चेरुवु बतुकमा घाट आंनद बाग, सफिलगुड़ा में आस्था का महापर्व छठ बड़ी श्रद्धा और धूमधाम के संपन्न कराया। हजारों के संख्या में श्रद्धालु ने अपने घर से अपने परिवार के साथ आकर पहले दिन डुबते सूर्य को अर्घ्य दिए और दूसरे दिन सुबह पांच बजे से पानी में ठहर कर उगते सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया। इस मौके पर मल्काजगिरी के विधायक हनुमंत राव, रेलवे के पूर्व पीआरओ शकील अहमद एवं भारी मात्रा में गन मान लोगों ने आकर छठ पूजा में भाग लिए। इस मौके पर समीती के तरफ से बिहार का प्रसाद ठेकुआ सभी भक्तों को वितरण किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष सागर भगत, बिजेंद्र गुप्ता, जैन्त यादव, सचिव राजनारायण सिंह, मनोज यादव, श्याममोहन यादव, पंकज यादव, नवीन बिहारी, दीपक गुप्ता, गुलशन, बिकास, श्रीकांत, निरज, ललन मिश्रा, मंजीत यादव, सुनील, अनील ठाकुर, मनोहर भगत, मनोज भगत, आकाश, सूरज के अलावा भारी मात्रा में युवा कार्यकर्ताओ ने अपना सहयोग दिया।

हिन्दी महाविद्यालय के नूतन भवन का उद्घाटन

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय के नून भव का उद्घाटन तथा वास्तु पूजन दिनांक 18 नवंबर को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, कार्यदर्शी शीलकुमार जैन, कोषाध्यक्ष सीए सीतश काबरा तथा अन्य प्रबंधन के सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में कई बाह्य आगंतुकों ने भी हिस्सा लिया। महाविद्यालय के प्राध्याकगण तथा अन्य स्टॉफ भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

बिहार समाज सेवा संघ द्वारा छठ पूजा संपन्न

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ के तत्वावधान में नेकलेस रोड़ बेबी पाउंड घाट पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। उदयमान सूरज को अर्घ्य देने के साथ ही लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। हैदराबाद और सिकंदराबाद के विभिन्न नदी तालाबों पर लाखों की संख्या में छठ भारतीयों ने दोनों समय भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर अपनी प्रथम निवेदित की। बिहार समाज सेवा संघ की ओर से नेकलेस रोड के बेबी पॉड में बेहतरीन तरीके से छठ पूजा का आयोजन किया। पूजा में उपस्थित डॉ देवकुमार पुखराज, समाज सेवी संतोष सिंह, डॉ. सोमनाथ, अजय कुमार, संयोग ठाकुर, अंजनी, रमन, अरविंद कुमार, बिनय कुमार यादव, राजनारायण सिंह की विशेष उपस्थिति रही। पूजा को सफल बनाने में बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, अध्यक्ष मनीष तिवारी, महामंत्री विकास सिंह कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, पूजा प्रभारी, प्रताप गौरव सिंह, पप्पू सिन्हा, दिनेश साहू महेंद्र प्रजापति, रमन बहुत सराहनीय योगदान रहा है।

अग्रवाल समाज मैरिज डेटा कमेटी की 11वीं साप्ताहिक बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर में आयोजित की गई। बैठक में कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमैन अशोक कुमार दादरीवाले, दीनबंधु अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल फिजियोथेरेपी के डॉ. बालकृष्ण सुरेखा एवं अभिभावक गण उपस्थित थे।

सुलतान बजार नृसिंह मंदिर में अन्नकूट प्रसाद आज

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री नृसिंह मंदिर सुलतान बजार के ट्रस्टी कमलनारायण अग्रवाल, गोविन्दनरायण राठी मंदिर के पुजारी रमेशचन्द व्यास की प्रेस विज्ञप्ति अनुसार नृसिंह मंदिर सुलतान बजार में मंगलवार 21 नवंबर को अन्नकूट प्रसाद का कार्यक्रम होगा। विज्ञप्ति के अनुसार आरती 5.30 बजे, प्रसादी 6 बजे तथा भजन संध्या रात्रि 7 बजे से नृसिंह मंदिर प्रांगण में किया जाएगा। नरसिंह मंदिर के ट्रस्टी द्वारा सभी भक्तजनों को मंदिर में दर्शन कर प्रसादी का लाभ लेने की अपील की गई है।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए कांग्रेस के खिलाफ शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कानूनी सेल ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी सहित कांग्रेस पार्टी के नेताओं के खिलाफ भारत के चुनाव आयोग में चार अलग-अलग शिकायतें दर्ज की हैं। महासचिव सोमा भरत के नेतृत्व में बीआरएस नेताओं ने सोमवार को यहां बीआरकेआर भवन में मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज से मुलाकात की और उनके समक्ष चार शिकायतें दर्ज कराईं। शिकायत दर्ज कराने के बाद इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए बीआरएस महासचिव सोमा भरत ने कहा कि कांग्रेस चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रही है और टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी आगामी चुनावों में हिंसा भड़काने के लिए भड़काऊ बयान जारी कर रहे हैं।

अग्रवाल समाज कुक्कटपल्ली पूर्वांचल शाखा की विशेष साधारण सभा का आयोजन

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज कुक्कटपल्ली पूर्वांचल शाखा की विशेष साधारण सभा का आयोजन शाखा कार्यालय में की गई। इसमें यह निर्णय लिया गया की दिवाली का अंकूट कार्यक्रम श्री सालासर हनुमान मंदिर यादगिरीगुट्टा में को किया जाएगा। कार्यक्रम में 6 बजे से 8 बजे शाम में भजन संध्या की जाएगी तत्पश्चात प्रसाद ग्रहण किया जाएगा। सभी से अनुरोध है कि इस कार्यक्रम का आनंद उठाएं।

आगामी गुजराती उत्सव में भाग लेने के लिए श्री गुजराती सोशियल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी को आमंत्रित करते हुए आयोजक जसमत पटेल व अन्य।

शेरीलिंगमपल्ली पी.जे.आर.इन्केलेव स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में आयोजित रंगारंग ऑरकेस्ट्रा व जादूगर कार्यक्रम में पूजा-अर्चनाकर, मुख्य अतिथि विधायक आरेकापुड़ी गाँधी का सम्मानकर उपस्थित अध्यक्ष मनोज चौधरी, सचिव मांगीलाल सोनपरा, कोषाध्यक्ष विनोद गेहलोत, महिला अध्यक्षा इन्द्रा गेहलोत, सचिव गीता देवड़ा, कोषाध्यक्ष पुष्पा गेहलोत, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

हिंदी माह का समापन पर कार्यशाला व कवि सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं निदान केंद्र में (सीडीऍफ़डी) में हिंदी माह का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस उपलक्ष्य में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (3) के तत्वाधान में कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया। सीडीऍफ़डी की वैज्ञानिक डॉ. वर्षा ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। डॉ. आकाश रंजन, वरिष्ठ वैज्ञानिक की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कवि सम्मलन में प्रसिद्ध कवि वेणु गोपाल भट्टड़, डॉ. नरेंद्र राय, वहीद पाशा कादरी, डॉ. अनुराधा पांडेय तथा श्रीमती वर्षा शर्मा ने अपनी अद्भुत शैली में कविताएं पाठकर श्रोताओं का खूब मनोरंजन किया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (3) के सदस्य सचिव सुब्बा राव ने शॉल ओढाकर कवियों का सम्मान किया। नितीन पाठक ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर कार्यक्रम का समापन किया। इसी दिन सुबह हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें दक्षिण मध्य रेलवे से एमके नागराजू पधारे और सभी को राजभाषा नियमों, संवैधानिक प्रावधाओंओं आदि के बारे में जानकारी दी।

कादम्बिनी क्लब की मासिक गोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में क्लब की मासिक गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन संपन्न हुआ। डॉ. मदन देवी पोकरणा ने सत्र की अध्यक्षता की। मीना मुथा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए पटल पर उपस्थित साहित्यकारों का शब्द कुसुमों से स्वागत किया। डॉ. रमा द्विवेदी ने निराला रचित सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात् काव्यगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें भावना पुरोहित (संस्मरण), चंद्रलेखा कोठारी (ज्ञानपंचमी का महत्व), सत्यनारायण काकड़ा (हास्य व्यंग्य), सविता सोनी (कविता), डॉ स्वाति गुप्ता (शृंगार गीत), डॉ राजेंद्र (बमबारी खून ख़राबा के प्रति संवेदनाएँ), भगवती अग्रवाल (कविता), सीताराम माने (चुनाव कविता), शीला भनोत कविता, डॉ रमा द्विवेदी (प्रेम ही आराधना-गीत), ज्योति नारायण (दीप है हमने जलाया-गीत), डॉ आशा मिश्र ''मुक्ता' (दीपावली शुभकामना संदेश), प्रवीण प्रणव (प्यार का पहला ख़त लिखने में वक्त सा लगता है-ग़ज़ल), मीना मुथा (हायकु और कविता) की सुंदर प्रस्तुति दीं

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाड...

दोबारा अपनाए गए विधेयकों को बाद में राज्यपाल के पास उनकी सहमति के लिए भेजा गया। इस बीच तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के लौटाए गए बिलों के कुछ दिनों बाद तमिलनाडु विधानसभा ने शनिवार 18 नवंबर को 10 विधेयकों को फिर से पास कर दिया है।

पंजाब के गवर्नर से कहा था, आप आग से खेल रहे :

इससे पहले 6 नवंबर को पंजाब के मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से बिल पर साइन न करने को लेकर जवाब मांगा था। सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा से पास बिलों को लटकाने के मामले में पंजाब और तमिलनाडु के गवर्नर्स को फटकार लगाई।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि ये बहुत गंभीर मामला है, आप आग से खेल रहे हैं। पंजाब सरकार ने 28 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी, जिसमें गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित पर विधानसभा से पास हो चुके 7 बिलों को रोके रखने का आरोप लगाया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

फाइनल में भारत की हार के टॉप-5 फैक्टर्स
खराब शॉट खेलकर कप्तान ने गंवाया विकेट
3 विकेट मिलने के बाद भी अटैक नहीं किया

अहमदाबाद, , 20 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया को वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट की करारी हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जिस दबदबे के साथ प्रदर्शन किया, खिताबी मुकाबले में उसे कायम नहीं रख सकी।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 241 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने 43 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ट्रेविस हेड ने 120 बॉल पर 137 और मार्नस लाबुशेन ने 110 बॉल पर 58 रन की नाबाद पारी खेली। फाइनल में भारत की हार के 5 अहम फैक्टर रहे। इन्हें एक-एक कर जानते हैं -

1. रोहित की केयरलेस बल्लेबाजी

रोहित शर्मा ने उसी तरह बल्लेबाजी की, जैसी वे इस वर्ल्ड कप में पहले से करते आ रहे थे। जिस तरह शॉट खेलकर वे आउट हुए, उसे केयरलेस कहा जाएगा। पावर-प्ले के 9 ओवर में भारत का स्कोर 66/1 था।

10वां ओवर लेकर पार्ट टाइम गेंदबाज ग्लेन मैक्सवेल आए। रोहित उनकी पहली तीन गेंद पर 10 रन बना चुके थे। इसके बावजूद उन्होंने चौथी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की और कैच आउट हो गए। इससे भारतीय पारी का मोमेंटम टूट गया।

2. विराट का गलत समय पर आउट होना

रोहित के आउट होने के बाद अय्यर 4 रन बनाकर आउट हो गए। फिर विराट ने राहुल के साथ 67 रन की साझेदारी की। ये दोनों टीम को बड़े स्कोर की ओर ले जा रहे थे, तभी विराट पैट कमिंस की गेंद पर प्लेड-ऑन हो गए। यहां से भारतीय पारी अटक गई और बाद में आने वाले बल्लेबाज खुल कर नहीं खेल सके।

3. राहुल की धीमी बल्लेबाजी

कोहली का विकेट गिरने से केएल राहुल दबाव में आ गए और विकेट बचाने के चक्कर में धीमा खेलने लगे। मिडिल ओवर्स में 97 बॉल तक कोई बाउंड्री नहीं आई। केएल राहुल ने 107 गेंद पर 61.68 के स्ट्राइक रेट से 66 रन बनाए। उन्होंने केवल एक चौका जमाया।

4. बॉलिंग और फील्डिंग में अटैक कम किया

241 रन का छोटा सा स्कोर डिफेंड करने उतरी टीम इंडिया पावरप्ले में हावी रही। शमी ने अपने पहले ओवर में डेविड वॉर्नर का विकेट निकाला। फिर बुमराह ने मिचेल मार्श और स्टीव स्मिथ को पावरप्ले में चलता कर दिया। पावरप्ले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 60 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। यहां से रोहित शर्मा ने बॉलिंग और फील्डिंग में अटैक कम कर दिया।

रोहित ने ओस से बचने के लिए पावरप्ले के बाद 6 ओवर जडेजा और कुलदीप से डलवाए। इस पर हेड और लाबुशेन को नजर जमाने का मौका मिल गया। दोनों ने शतकीय साझेदारी करके मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में कर दिया।

5. ओस का गिरना

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 20 ओवर के बाद ओस गिरनी शुरू हो गई। इससे बॉल गीली हुई और हमारे स्पिनर्स बेअसर हो गए। जडेजा और कुलदीप कोई विकेट नहीं ले सके। तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी बल्लेबाजी आसान हो गई।

विराट कोहली बने 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट'
नम आखों से हाथ में पकड़ी ट्रॉफी
किसको मिला कौनसा अवॉर्ड

अहमदाबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को 6 विकेट से हराकर खिताब पर अपना कब्जा किया। भले ही टीम इंडिया तीसरी बार इस खिताब को जीतने में नाकामयाब रही हो लेकिन सभी खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। खासकर विराट कोहली ने टूर्नामेंट के हर मैच में टीम के लिए अहम पारी खेली। अब विराट कोहली को विश्व कप 2023 का प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

विराट कोहली बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

बता दें, विश्व कप 2023 में विराट कोहली ने सबसे ज्यादा रन बनाए है। विराट के बल्ले से टूर्नामेंट में 765 रन निकले है इस दौरान उन्होंने 3 शानादर शतक भी लगाए। विराट को इस पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। फाइनल मैच में भी विराट कोहली ने टीम के लिए 54 रनों की अहम पारी खेली। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी को विराट ने नम आंखों से अपने हाथ में लिया।

ट्रेविस हेड बने प्लेयर ऑफ द मैच

फाइनल मैच में ट्रेविस हेड ने भारत के खिलाफ 120 गेंदों पर 137 रनों की पारी खेली। इस मैच ट्रेविस अलग ही अंदाज में दिखे। तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद हेड ने पारी को संभालते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई। उनकी इस शानदार पारी के लिए हेड को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

विनर और रनर अप को मिलेगी कितनी प्राइज मनी?

अब अगर विनर और फाइनल में हारने वाली टीम यानी रनर अप की बात करें तो उपविजेता टीम को 20 लाख डॉलर यानी 16.58 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। वहीं विजेता टीम को आईसीसी द्वारा 40 लाख डॉलर की प्राइज मनी दी जाएगी। यानी विनर टीम को कुल 33.17 करोड़ रुपए मिलेंगे।

शमी रहे टूर्नामेंट के बेस्ट गेंदबाज

विश्व कप 2023 में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने शानदार गेंदबाजी की। भले ही वो फाइनल मुकाबले में ज्यादा विकेट नहीं ले पाए हो लेकिन वे इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। शमी ने इस विश्व कप में महज 7 ही मैच खेले और इन सात मैचों में उन्होंने 24 विकेट अपने नाम किए। फाइनल मैच में शमी को महज एक विकेट से ही संतोष करना पड़ा।

तो क्या बाबर आज़म ने विराट कोहली से ले लिया एक साल पुराना बदला? फैंस को पूरा माजरा जानना ज़रूरी

खेल डेस्क 20 नवंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया. लेकिन भारत की इस हार के बाद फैंस सोशल मीडिया पर ये कहते हुए दिख रहे हैं कि बाबर ने आखिर विराट कोहली से बदला ले ही लिया. तो बाबर ने ऐसा क्या कर दिया है कि फैंस उसे बदला बता रहे हैं? दरअसल बाबर ने सोशल मीडिया के ज़रिए ऑस्ट्रेलिया को जीत की बधाई दी. इसी तरह कोहली ने 2022 में इंग्लैंड को बधाई दी थी.

भारत को हराकर वनडे वर्ल्ड कप में छठी बार चैंपियन बनी ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आज़म ने इंस्टाग्राम के ज़रिए बधाई दी. बाबर ने लिखा, "मुबारक ऑस्ट्रेलिया! फाइनल में क्या कमांडिंग परफॉर्मेंस थी.₹ ठीक इसी तरह विराट कोहली ने 2022 में इंग्लैंड को टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद बधाई दी थी, जब इंग्लिश टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था. कोहली ने इंस्टाग्राम के ज़रिए एक स्टोरी शेयर कर लिखा था, "मुबारक इंग्लैंड. बिल्कुल हकदार."

लेकिन अब सोशल मीडिया पर फैंस बाबर की इंस्टाग्राम स्टोरी को बदला बता रहे हैं. फैंस का मानना है कि बाबर ने विराट कोहली से बदला लेने के लिए ऐसी इंस्टाग्राम स्टोरी लगाई. हालांकि अक्सर खिलाड़ियों को ऐसा करते हुए देखा जाता है कि वो सोशल मीडिया के ज़रिए दूसरी टीम को जीत की बधाई या खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हैं. बीते 7 नवंबर को ग्लेन मैक्सवेल ने अफगानिस्तान के खिलाफ लीग मैच में 201* रनों की नाबाद पारी खेली थी, जिसकी तारीफ विराट कोहली ने इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए की थी.

161 दिन, 2 बड़े फाइनल... दोनों बार आईसीसी टूर्नामेंट में टीम इंडिया का 'सबसे बड़ा दुश्मन' बना मूंछों वाला कंगारू खिलाड़ी, बनाया ये रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविसि हेड वो खलिाड़ी हैं, जो 161 दिनों के दरम्यान दो बार टीम इंडिया को डब्ल्यूटीसी फाइनल 2023 और अब वर्ल्ड कप फाइनल में सपना तोड़ चुके हैं. वह डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी 'प्लेयर ऑफ द मैच' थे और वर्ल्ड कप फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द' मैच रहे.

ट्रेविसि हेड इस साल हुए डब्ल्यूटीसी फाइनल और अब वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के खलिाफ प्लेयर ऑफ द मैच रहे ट्रेविसि हेड इस साल हुए डब्ल्यूटीसी फाइनल और अब वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के खलिाफ प्लेयर ऑफ द मैच रहे.

ट्रेविसि हेड... ऑस्ट्रेलयाि का रौबीली मूंछों वाला वो खलिाड़ी जो वर्ल्ड कप 2023 से पहले इंजर्ड था. बावजूद इसके उनको ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड कप टीम मे शामिल किया गया. ट्रेविसि हेड कंगारू टीम के शुरुआती 5 वर्ल्ड कप मैचों में नहीं थे. जैसे ही धर्मशाला में वो न्यूजीलैंड के खलिाफ वर्ल्ड कप में खेलने उतरे, उन्होंने तूफानी शतक जड़ दयाि. उनकी 109 रनों की वो तूफानी पारी महज 67 गेंदों पर आई. इस दौरान उन्होंने 10 चौके और 7 छक्के जड़े. इस दौरान हेड का स्ट्राइक रेट भी 162.68 का रहा. ट्रेविसि हेड उस मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे.

इसके बाद जो कुछ ट्रेविसि हेड ने जो कुछ वर्ल्ड कप फाइनल में किया, वह अब इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया. ट्रेविसि हेड वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मैच में सबसे बड़े हीरो बनकर उभरे. फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' हेड ने महज 120 गेंदों पर 137 रनों की सधी हुई पारी खेली, नतीजतन कंगारू टीम ने छठी बार ओडीआई वर्ल्ड कप का खतिाब अपने नाम किया.

भारत की हार ने तोड़ा करोड़ो का दिल! छठी बार चैम्पियन बनी ऑस्ट्रेलियाई टीम

यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ट्रेविसि हेड महज 161 दिनों के दरम्यान दो बार टीम इंडिया का आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में बैंड बजा चुके हैं . 7-11 जून के बीच लंदन के 'द ओवल में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के सामने डब्ल्यूटीसी फाइनल में थी. उस मैच में भी ट्रेविसि हेड ने 163 रनों की शानदार पारी खेली थी. मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 209 रनों से जीता. खास बात यह है कि वो तब भी प्लेयर ऑफ द मैच थे. तब 11 जून को मैच खत्म हुआ था.

हेड वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल और फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खतिाब जीतकर वह कई दिग्गज खलिाड़ियों के क्लब में शामिल हो गए.

कुछ इस अंदाज में ट्रेविसि ने ऑस्ट्रेलिया का ऊंचा किया 'हेड'

11 जून 2023 से लेकर 19 नवंबर 2023 (वर्ल्ड कप 2023 फाइनल की तारीख) के बीच 161 दिनों का फासला है. इन दोनों ही तारीखों पर ट्रेविसि हेड ने ऑस्ट्रेलयाि की ओर से गजब पारयिां खेलीं. यहां ध्यान रहे कि ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप 2023 का जब अपना अभियान शुरू किया तो उसने दो मैच हारे थे, ऑस्ट्रेलयाि की टीम प्वाइंट्स टेबल में नीचे थी. लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ जो शतकीय पारी आई उसके बाद ऑस्ट्रेलिया टीम का वर्ल्ड कप में मोमेंटम बदल गया.

ट्रेविसि हेड ने इस दौरान एक दलिचस्प रिकॉर्ड की भी बराबरी की. वो वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल और फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे. साउथ अफ्रीका के खलिाफ वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में उन्होंने उपयोगी 62 रन बनाए थे और 21 रन देकर 2 विकेट भी लिए थे.

मिचेल मार्श ने वर्ल्ड कप खिताब का बनाया मजाक
ट्रॉफी पर रखा पैर, फैंस हुए आगबबूला

खेल डेस्क 20 नवंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर मिचेल मार्श की एक तस्वीर काफी तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर में वह ट्रॉपी के ऊपर अपने पैर रखे हुए नजर आ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम वर्ल्ड कप 2023 की विजेता बन चुकी है। फाइनल मुकाबले में उसकी भिड़ंत मेजबान देश भारत से हुई। यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए कंगारू टीम छठवीं बार प्रतिष्ठित खिताब को अपने नाम करने में कामयाब रही। टूर्नामेंट में मिली सफलता की खुशी ऑस्ट्रेलियाई खिलाडियों के चेहरे पर साफ तौर पर देखी गई।

हालांकि, मैच के दौरान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही है। जिसकी फैंस जमकर आलोचना कर रहे हैं। दरअसल, फाइनल मुकाबला जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का जश्न केवल मैदान तक ही नहीं रुका। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में भी ट्रॉफी के साथ जीत का लुत्फ उठाया। इस दौरान की कुछ तस्वीरें पैट कमिंस ने अपने इंस्टग्राम स्टोरी में भी लगाई है।

कमिंस के इंस्टाग्राम में एक जगह मिचेल मार्श को वर्ल्ड कप ट्रॉफी पर पैर रखे हुए देखा जा रहा है। यही बात क्रिकेट प्रेमियों को नागवार गुजर रही है। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी जमकर आलोचना कर रहे हैं।

फाइनल में कुछ खास करिश्मा दिखाने में नाकामयाब हुए थे मार्श:

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मुकाबले में मार्श का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। वह कंगारू टीम के लिए तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 15 गेंद में महज 15 रन का ही योगदान दे पाए। इस दौरान जरुर उनके बल्ले से एक चौका और एक छक्का निकला।

वहीं गेंदबाजी के दौरान उन्होंने केवल दो ओवरों की गेंदबाजी की। इस बीच उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी। फाइनल मुकाबले में मार्श ने 2.50 की इकनॉमी से पांच रन खर्च किए।

फाइनल में हार के बाद भारतीय खिलाड़ियों से मिले प्रधानमंत्री मोदी, ड्रेसिंग रूम की तस्वीर आई सामने

अहमदाबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ड्रेसिंग रूम में भारतीय क्रिकेटरों से मुलाकात भी की। इसकी तस्वीर सामने आई है। पीएम ने भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। कंगारुओं ने भारत को छह विकेट से हराया। इस हार के बाद भारतीय खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में गए थे और उनके भावुक होने की तस्वीर भी सामने आई थी। रोहित शर्मा, मोहम्मद सिराज और विराट कोहली समेत तमाम खिलाड़ी भावुक नजर आए थे। ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ड्रेसिंग रूम में भारतीय क्रिकेटरों से मुलाकात भी की।

इसकी तस्वीर सामने आई है। पीएम ने भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने पीएम के ड्रेसिंग रूम में आने की तस्वीर शेयर की है। उन्होंने लिखा- हमारा टूर्नामेंट बहुत अच्छा था, लेकिन फाइनल में हम हार गए। हम सभी दुखी हैं, लेकिन हमारे देश के लोगों का समर्थन हमें आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ड्रेसिंग रूम में पहुंचे। उनका दौरा विशेष और बहुत प्रेरणादायक था।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मैच के देखने के लिए कई बड़ी हस्तियां पहुंचीं थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दूसरी पारी के दौरान स्टेडियम में नजर आए। पीएम मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह नजर आए। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए पीएम मोदी के अलावा बॉलीवुड हस्तियां भी पहुंचीं। शाहरूख खान, गौरी खान, आशा भोसले, अनुष्का शर्मा, आथिया शेट्टी समेत अन्य कई दिग्गज स्टेडियम में मौजूद रहे।

विराट कोहली को बोल्ड कर कैसा महसूस कर रहे थे पैट कमिंस?
मैच के बाद जले पर छिड़का नमक

अहमदाबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। मैच के दौरान विराट कोहली एक बार फिर बेहतरीन लय में नजर आए। कोहली के उम्दा बल्लेबाजी को देख ऐसी उम्मीद जग रही थी कि वह वनडे फॉर्मेट में एक और शतक पूरा कर लेंगे। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने भारतीय फैंस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने विराट कोहली को बोल्ड करते हुए पवेलियन का रास्ता दिखाया।

इसके साथ ही स्टेडियम में मौजूद एक लाख 30 हजार क्रिकेट प्रेमियों के बीच निराशा फैल गई।

मैच के बाद जब उनसे पूछा गया कि स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को शांत करने का यह सबसे सही तरीका था? तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब में कहा, 'हां मुझे ऐसा महसूस होता है। हमने फैंस की खामोशी को स्वीकार करने के लिए एक पल का समय लिया। मुकाबले के दौरान ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे पिछले कुछ दिनों की तरह यह भी उसका दिन है और वह शतक जड़ने जा रहा है। जैसा कि वह आमतौर पर मुकाबलों के दौरान करता है। ऐसे में वह पल संतोषजनक था।'

फाइनल मुकाबले में जीत हासिल करते ही पैट कमिंस वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाले पांचवें ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बन गए हैं। मैच के बाद उन्होंने कहा, '50 ओवरों के फॉर्मेट से फिर से प्यार हो गया है।' मैच के दौरान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने विराट कोहली को बोल्ड करते हुए पवेलियन का रास्ता दिखाया। यह गेंद कोहली के उम्मीद से ज्यादा उछाल लेते हुए स्टंप से जा टकराई थी।

हार के बाद रोहित भावुक, सिराज को साथियों ने संभाला
कोहली निराश दिखे, अनुष्का ने गले लगाया

अहमदाबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया और छठी बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 240 रन पर ऑलआउट हो गई। 241 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने 43 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। फाइनल मुकाबले से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने विराट कोहली को अपनी जर्सी दी। वहीं, ट्रेविस हेड ने शानदार कैच लिया। मैच के दौरान एक फिलिस्तीन समर्थक मैदान में घुस आया। वहीं, दूसरी पारी में स्मिथ रिव्यू नहीं लेने की वजह से आउट हो गए और लाबुशेन को जीवनदान मिला।

फाइनल में हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा, मोहम्मद सिराज समेत भारतीय टीम के खिलाड़ी आंसुओं में दिखे, जबकि विराट कोहली भी उदास लग रहे थे। वे मैच के बाद वीआईपी बॉक्स में पत्नी अनुष्का से मिले तो उन्होंने गले लगा लिया।

सीएम केसीआर ने किया ऑटो प्रमाणपत्र शुल्क माफ करने का वादा

करीमनगर, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को तेलंगाना में ऑटो चालकों के लिए अच्छी खबर की घोषणा की, जिसमें कहा गया कि बीआरएस आने के बाद फिटनेस प्रमाणपत्र और ऑटो से संबंधित अन्य दस्तावेजों के शुल्क माफ कर दिए जाएंगे।

सोमवार को करीमनगर जिले के मनाकोंडुरु विधानसभा क्षेत्र में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑटो चालक अल्प आय के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रहे थे और इसके अलावा, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने डीजल की कीमत में भारी वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि देश भर में सभी राज्य सरकारें ऑटो चालकों से अलग-अलग टैक्स वसूल रही हैं, लेकिन बीआरएस सरकार ने सभी टैक्स खत्म कर दिए हैं और अभी ऑटो से एक भी रुपया नहीं वसूला जा रहा है। इसके बावजूद फिटनेस सर्टिफिकेट हर साल बनवाना चाहिए और ऑटो चालकों को प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए 700 रुपये देने होंगे। इसके अलावा, प्रमाण पत्र प्राप्त करने के शुल्क के लिए उन्हें 500 रुपये और देने होंगे, कुल मिलाकर कुल राशि 1200 रुपये होगी। इस बार, यदि बीआरएस सरकार सत्ता में आने पर फिटनेस टैक्स खत्म कर दिया जाएगा और ऑटो चालकों के लिए अन्य सभी शुल्क माफ कर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार कम आय वाले सभी लोगों के लिए सब कुछ कर रही है और दोहराया कि उनकी सरकार सभी वर्गों के लोगों के विकास के उद्देश्य से काम करना जारी रखेगी।

अगर 24 घंटे बिजली आपूर्ति आसान है, तो कांग्रेस ने इसे लागू क्यों नहीं किया : केटीआर

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि बीआरएस अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव एकमात्र मुख्यमंत्री हैं, जो किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति प्रदान कर रहे हैं, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने पूछा कि यदि यह एक आसान काम है, तो कांग्रेस ने अपने कार्यकाल के दौरान इसे लागू क्यों नहीं किया।

टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने दावा किया था कि किसानों को मुफ्त बिजली आपूर्ति का पेटेंट कांग्रेस के पास है। उन्होंने सोमवार को यहां अलायर में एक रोड शो को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 के चुनावों से पहले, उन्होंने किसानों को छह घंटे बिजली आपूर्ति का वादा किया था, लेकिन तीन घंटे भी गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति नहीं कर सके। उन्होंने पूछा कि रैतु बंधु कार्यक्रम किसने शुरू किया?" रामा राव ने सभा से पूछा और सभी ने एक स्वर में उत्तर दिया कि यह चन्द्रशेखर राव हैं। उन्होंने सभा से पूछा, फिर कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान ऐसा कोई कार्यक्रम क्यों

नहीं पेश किया।

कांग्रेस ने रैतु बीमा, कल्याण लक्ष्मी या केसीआर किट पेश नहीं की और यादगिरिगुट्टा मंदिर का निर्माण नहीं कर सकी। 11 बार निर्वाचित होने और अपने 65 साल के शासन के दौरान किसानों का समर्थन करने में विफल रहने के बाद, कांग्रेस लोगों से एक और मौका देने की गुहार लगा रही है।

बीआरएस नियम के तहत 70,000 किसानों के बैंक खातों में 73,000 करोड़ रुपये जमा किये गये। अतीत में, निर्वाचित प्रतिनिधि खाली बर्तनों वाली महिलाओं के विरोध के डर से गांवों में कदम रखने से डरते थे। उन्होंने कहा कि अब पीने के पानी की कोई समस्या या बिजली आपूर्ति की कोई समस्या नहीं है। तेलंगाना में धान उत्पादन में नलगोंडा अग्रणी है। कांग्रेस को चुनने का मतलब गरीबी और कर्ज के दिनों में वापस जाना है। 3 दिसंबर के बाद मुख्यमंत्री सौभाग्य लक्ष्मी सहित चार नए कल्याण कार्यक्रम शुरू करेंगे, जिसके तहत 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को 3,000 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, इसी तरह, एकल महिलाओं और बीड़ी श्रमिकों के लिए आसरा पेंशन को 2000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये किया जाएगा।

जबकि, टीपीसीसी अध्यक्ष का दावा है कि किसानों के लिए तीन घंटे की बिजली आपूर्ति पर्याप्त थी, नलगोंडा के सांसद एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा था कि रैतु बंधु अवांछित कार्यक्रम है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि एक अन्य कांग्रेस नेता ने घोषणा की कि धरणी पोर्टल को खत्म कर दिया जाएगा और पटवारी प्रणाली बहाल की जाएगी। रामा राव ने कहा कि बीआरएस सरकार रैतु बंधु सहायता को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 16,000 रुपये करेगी। उन्होंने कहा कि आवंटित भूमि के मालिक सभी बीसी, एससी और एसटी को अगले कार्यकाल में पूर्ण भूमि स्वामित्व अधिकार मिलेगा।

ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करें : अरुण जैन

दमरे महाप्रबंधक ने सुरक्षा के संबंध में समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन संचालन और पूरे जोन में विभिन्न विकासात्मक कार्यों की प्रगति पर एक विस्तृत सुरक्षा समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए शॉर्ट कट तरीकों का पालन न करने और सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और ट्रेन संचालन के काम में शामिल कर्मचारियों को नियमित परामर्श देने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों का सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण तेज करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कार्यस्थल पर सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को लगातार क्षेत्रीय निरीक्षण करने की भी सलाह दी।

श्री जैन ने कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रभावी ढंग से और कुशलता से काम करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली प्रदान करने पर भी जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ट्रेन संचालन के लिए 24x7 सतर्कता की आवश्यकता है और कर्मचारियों को योग और ध्यान जैसी स्वस्थ आदतें अपनानी चाहिए ताकि वे अपने कर्तव्यों का पालन करते समय अधिक सतर्क रह सकें। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने जोन पर यातायात सुविधा कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को उन महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये जिनका उद्देश्य यात्री सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने यह भी सलाह दी कि रखरखाव और विकासात्मक कार्यों के दौरान यात्रियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों ने जीएम को ज़ोन में किए जाने वाले बुनियादी ढांचे में सुधार, नए सिग्नलिंग को चालू करने, यार्ड रीमॉडलिंग और ज़ोन पर बाईपास लाइनों को चालू करने के बारे में भी जानकारी दी।

बलात्कार के मामले में आरोपी को 10 साल की सजा

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद प्रथम अतिरिक्त जिला सत्र न्यायालय के न्यायाधीश रमेश ने कोमुरम भीम आसिफाबाद जिले के चिंताला मनेपल्ली मंडल की एक महिला से बलात्कार के मामले में आरोपी को 10 साल की कैद और 20,000 जुर्माने की सजा सुनाई। संपर्क अधिकारी के.सागर एसएसआई सीएमएस आसिफाबाद, कागज नगर के उप मंडल संपर्क अधिकारी बाबाजी के विवरण के अनुसार, पुलिस ने चिंताला मनेपल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर 2020 की बलात्कार की घटना में दुर्गम तेजस नाम के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया। आसिफाबाद जिला और उसे रिमांड पर लिया।

पुलिस की जांच के बाद पुलिस ने गवाहों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर गवाहों को पेश किया।अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक जगन मोहन राव ने मामले के साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद आरोपी को धारा 376(2), 417,420 आईपीसी के तहत 10 साल की सजा और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

सरकारी अस्पतालों में गरीबों के लिए नि:शुल्क सेरेब्रल एंजियोग्राम

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंद धमनियों को खोलने के लिए एंजियोग्राम और स्टंट लगाने जैसी हृदय प्रक्रियाएं परंपरागत रूप से निजी अस्पतालों का क्षेत्र रही हैं। ऐसी प्रक्रियाएं जिनके लिए अनुभवी संकाय और उच्च-स्तरीय चिकित्सा बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है, सरकारी अस्पतालों में अनसुनी थीं। हालाँकि, पिछले लगभग एक वर्ष से, सरकारी अस्पतालों में जीवन रक्षक हृदय प्रक्रियाएँ निःशुल्क उपलब्ध हैं। औसतन, हर महीने गांधी अस्पताल और उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल (ओजीएच) गरीब मरीजों पर कम से कम 450 एंजियोग्राम और 150 से 160 स्टंट मुफ्त में लगाते हैं।

कैथ लैब और सीटी स्कैन जैसे उच्च-स्तरीय चिकित्सा निदान उपकरणों की उपलब्धता ने अब अस्पताल के सर्जनों के लिए ऐसी प्रक्रिया मुफ्त में पेश करना संभव बना दिया है। दिसंबर, 2021 में स्थापित, गांधी अस्पताल में कैथ लैब और सीटी स्कैन सुविधाएं अनुभवी संकाय को ऐसी जीवन रक्षक सर्जरी करने में सक्षम बना रही हैं।

गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. एम. राजा राव कहते हैं कि हृदय प्रक्रियाओं के अलावा, हम मस्तिष्क में अवरुद्ध रक्त वाहिकाओं से पीड़ित रोगियों के लिए सेरेब्रल एंजियोग्राम के लिए कैथ लैब का भी उपयोग कर रहे हैं, जिसे एन्यूरिज़्म के रूप में जाना जाता है। बेशक, कैथ लैब में 90 प्रतिशत मरीज हृदय रोगी होते हैं, लेकिन बाकी में ब्रेन स्ट्रोक के मरीज होते हैं।

पिछले लगभग एक साल में, आदिलाबाद, वारंगल, खम्मम, महबूबनगर, सिद्दीपेट और हैदराबाद के तृतीयक सरकारी अस्पतालों में उच्च-स्तरीय चिकित्सा उपकरणों के साथ इसी तरह की कैथ लैब स्थापित की गई हैं। ओजीएच के अधीक्षक डॉ. बी नागेंद्र कहते हैं कि हमारी कार्डियोलॉजी टीम, एंजियोग्राम और प्रत्यारोपण करने के अलावा, आपातकालीन हृदय प्रक्रियाओं का संचालन करके कम से कम 200 दिल के दौरे के रोगियों का इलाज करती है। ओजीएच में ऐसी सर्जरी कराने वाले सभी मरीज बेहद गरीब हैं, लेकिन हम यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें मुफ्त में सर्वोत्तम सुविधाएं मिलें।

ओजीएच का कार्डियोलॉजी विभाग जिलों में 20 सरकारी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के केंद्र के रूप में कार्य करता है। एसटी-एलिवेशन मायोकार्डियल इंफार्क्शन (एसटीईएमआई) मॉडल के तहत, जिलों में दिल के दौरे के मरीजों को पहले स्थानीय स्तर पर स्थिर किया जाता है और फिर दिल की सर्जरी के लिए ओजीएच में जल्दी से पहुंचाया जाता है।

विश्व कप फाइनल में भारत की हार पर युवक की हार्टअटैक से मौत

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से टीम इंडिया की हार ने देश भर के क्रिकेट प्रशंसकों को निराश और निराश कर दिया है। एक दुखद घटना में, टीम इंडिया के एक कट्टर प्रशंसक की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई, क्योंकि वह फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करने में असमर्थ था।

तिरूपति के दुर्गासमुद्रम के 32 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर ज्योति कुमार यादव टीम की हार के बाद रोहित शर्मा के आंसुओं के दृश्य देखने के बाद बहुत प्रभावित हुए। उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा और वे बेहोश हो गए। हालाँकि उनके दोस्त उन्हें तुरंत तिरूपति के अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट्स की मानें तो ज्योति कुमार जल्द ही शादी करने वाला था।

चुनाव प्रचार के लिए कर्नाटक से धन जुटा रही है कांग्रेस : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को कांग्रेस पर तेलंगाना में चुनाव प्रचार के लिए कर्नाटक के लोगों पर कर लगाने का आरोप लगाया। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राज्य भाजपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी के आदेश पर, कांग्रेस भ्रष्टाचार में लिप्त है और छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और कर्नाटक में अपने चुनाव अभियानों के वित्तपोषण के लिए कर्नाटक में 'चुनावी कर' के माध्यम से करोड़ों रुपये एकत्र कर रही थी।

राहुल गांधी की इस टिप्पणी के लिए उन पर कड़ा प्रहार करते हुए कि केवल दो प्रतिशत वोटों के साथ भाजपा बीसी को मुख्यमंत्री कैसे बनाएगी, किशन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस ने राज्य में हुए सभी उपचुनावों में अपनी जमानत खो दी और यहां तक कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम भी हार गई और फिर भी वह राज्य में सरकार बनाने के दावे कर रही थी।

गुंडलापल्ली में केसीआर के प्रचार वाहन की जांच की गई

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव अधिकारियों ने सोमवार को गुंडलापल्ली टोलगेट पर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के प्रचार वाहन 'प्रचार रथम' की जांच की। जब वाहन थिम्मापुर में मानकोंदुर प्रजा आशीर्वाद सभा के लिए जा रहा था, जिसमें मुख्यमंत्री ने भाग लिया, तो केंद्रीय सुरक्षा बलों ने गुंडलापल्ली में अभियान वाहन की जाँच की। बस चालक दल ने अधिकारियों के साथ सहयोग किया और उन्हें वाहन का निरीक्षण करने की अनुमति दी, जिसके बाद वे बैठक स्थल पर चले गए।

बसपा की बैठक के दौरान तंबू गिरा, वेमुलावाड़ा में छह घायल

राजन्ना-सिरसिला, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को वेमुलावाड़ा शहर में बसपा की एक सार्वजनिक बैठक में उस समय हल्का तनाव उत्पन्न हो गया जब जनता के लिए लगाया गया तंबू गिर गया। इस घटना में दो पत्रकारों समेत करीब छह लोगों को मामूली चोटें आईं। बसपा ने दूसरे बाइपास रोड में जनसभा की व्यवस्था की थी, जिसमें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आरएस प्रवीण कुमार और अन्य नेता शामिल हुए।

बैठक में जनता को भी लामबंद किया गया। जब बसपा वेमुलावाड़ा के उम्मीदवार गोली मोहन अपना भाषण दे रहे थे, तभी तेज हवा के कारण तंबू गिर गया। अचानक हुए घटनाक्रम से घबराकर टेंट में बैठी जनता बाहर भाग गई, जिससे कई लोग गिरकर चोटिल हो गए। घायल व्यक्तियों को अस्पताल ले जाया गया। बाद में बैठक जारी रही।

श्रमिकों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन किया जाएगा : कूना श्रीशैलम गौड़

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डुंडीगल नगर पालिका के तहत मल्लमपेट में भाजपा उम्मीदवार कुना श्रीशैलम गौड़ ने वरिष्ठ भाजपा नेता मुरलीधर राव के साथ चुनाव प्रचार शुरू किया। भाजपा उम्मीदवार कुना श्रीशैलम गौड़ के समर्थन में मल्लमपेट में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। इससे पहले श्रीशैलम गौड़ और मुरलीधर राव ने मल्लमपेट में अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मल्लमपेटा में आयोजित नुक्कड़ सभा में बोलते हुए मुरलीधर राव ने बीआरएस पार्टी के सभी नेताओं की तुलना जेबकतरों से की। जैसे माया पाखीर की जान तोते के हाथ में है, वैसे ही केसीआर की जान एमआईएम के हाथ में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को वोट देना बीआरएस और एमआईएम को वोट देने जैसा होगा और बीजेपी के सत्ता में आने पर धार्मिक आरक्षण हटा दिया जाएगा। बीआरएस, कांग्रेस और ए म आ ई ए म पारिवारिक पार्टियां हैं और भाजपा भारतीयों की एकमात्र पार्टी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के सत्ता में आने पर बीसी नी को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा और एससी वर्गीकरण के साथ-साथ केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू करने के लिए एक विशेष मंत्रालय बनाया जाएगा. कुथबुल्लापुर से भाजपा उम्मीदवार श्रीशैलम गौड़ ने भारी बहुमत से जीत हासिल की और कहा कि बीआरएस उपद्रवी विधायक को ज्ञान सिखाया जाना चाहिए।

इस अवसर पर कुना श्रीशैलम गौड़ ने कहा कि भाजपा पार्टी सभी वर्गों के लोगों का समर्थन करती है और कहा कि इस क्षेत्र में जहां कई श्रमिक हैं, उनके कल्याण के लिए एक विशेष श्रमिक बोर्ड का गठन किया जाएगा। उन्होंने कुतबुल्लापुर तक मेट्रो का विस्तार करने का वादा किया। इस चुनाव में उन्होंने कमल के फूल के निशान पर वोट दिया और आशीर्वाद मांगा। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. मल्लारेड्डी, जिला महासचिव विग्नेश्वर, मल्लमपेट भाजपा नेता श्रीनिवास गौड़, आतिश बाबू और अन्य ने भाग लिया।

22 सबरीमाला विशेष ट्रेनें चलाएगा दमरे

हैदराबाद, 20 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सबरीमाला तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे विभिन्न गंतव्यों के बीच 22 सबरीमाला विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन नंबर 07129 सिकंदराबाद-कोल्लम 26 नवंबर और 3 दिसंबर को शाम 16.30 बजे सिकंदराबाद से रवाना होगी और 23.55 बजे कोल्लम पहुंचेगी. इसी तरह, ट्रेन नंबर 07130 कोल्लम-सिकंदराबाद 28 नवंबर और 5 दिसंबर को दोपहर 02.30 बजे कोल्लम से रवाना होगी, 28 नवंबर और 05 दिसंबर, 2023 को सुबह 08.55 बजे (बुधवार) से चलेगी।

ट्रेन संख्या 07119 नरसापुर - कोट्टायम 15.50 (रविवार) 16.50 (सोमवार) 26 नवंबर, 3 दिसंबर 2023, ट्रेन संख्या 07120 कोट्टायम - नरसापुर 19.00 (सोम) 21.00 (मंगल) 27 नवंबर और 4 दिसंबर 2023। ट्रेन संख्या 07119/07120 नरसापुर-कोट्टायम-नरसापुर स्पेशल पलाकोल्लू, भीमावरम, भीमावरम टाउन, अकिविदु पर रुकेगी।

ट्रेन नंबर 07123 काचीगुडा-कोल्लम 17.30 (बुध) 23.55 (गुरु) 22 नवंबर, 29 नवंबर और 6 दिसंबर। 07124 कोल्लम - काचीगुडा 02.30 (शुक्र) 10.30 (शनिवार) 24 नवंबर, 1 दिसंबर और 8 दिसंबर, 2023। ट्रेन नंबर 07123 / 07124 काचीगुडा - कोल्लम - काचीगुडा स्पेशल: रास्ते में, ये विशेष ट्रेनें मल्काजगिरी, नलगोंडा, मिर्यालागुडा, नादिकुडे, सत्तेनापल्ली, गुंटूर, तेनाली, बापटला, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर, रेनिगुंटा, काटपाडी, पर रुकेंगी। ट्रेन नंबर 07125 काकीनाडा टाउन-कोट्टायम 17.40 (गुरु) 22.00 (शुक्रवार) 23 नवंबर और 30 नवंबर। ट्रेन नंबर 0%126 कोट्टायम - काकीनाडा टाउन 00.30 (शनिवार) 04.00 (रविवार) 25 नवंबर और 2 दिसंबर, 2023। ट्रेन नंबर 07125/07126 काकीनाडा टाउन-कोट्टायम-काकीनाडा टाउन स्पेशल सामलकोट, अनापर्ती, राजमुंदरी, निदादावोलु, तनुकु, भीमावरम टाउन, अकिविदु, कैकालुरु, गुडीवाड़ा, विजयवाड़ा, तेनाली, बापटला, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर, रेनिगुंटा, काटपाडी, जोलारपेट्टई, पर रुकेंगी। दोनों दिशाओं में सेलम, इरोड, तिरुप्पुर, कोयंबटूर, पलक्कड़, त्रिशूर, अलुवा और एर्नाकुलम टाउन स्टेशन।

ट्रेन नंबर 07127 सिकंदराबाद - कोल्लम 15.00 (शुक्र) 19.30 (शनिवार) 24 नवंबर और 1 दिसंबर 2023 को। ट्रेन नंबर 07128 कोल्लम - सिकंदराबाद 23.00 (शनिवार) 04.30 (सोमवार) 25 नवंबर और 2 दिसंबर 2023 को। ट्रेन नंबर। 07127/07128 सिकंदराबाद - कोल्लम - सिकंदराबाद स्पेशल रास्ते में काचीगुडा, उमदानगर, शादनगर, जडचेरला, महबूबनगर, वनपर्ती रोड, श्रीरामनगर, गडवाल, कुरनूल सिटी, धोने, गूटी, ताड़ीपत्री, येर्रागुंटला, कडपा, रज़ामपेट, पर रुकेंगी।

यूएफओ खोजने के लिए वायुसेना ने राफेल विमान लगाए थे

इंफाल एयरपोर्ट की सूचना पर एयर डिफेंस सिस्टम भी एक्टिवेट किए

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। इंफाल में अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (युएफओ) दिखने के बाद वायु सेना ने इनका पता लगाने के लिए 2 राफेल फाइटर प्लेन लगाए थे। इसके अलावा अपने एयर डिफेंस सिस्टम को भी फौरन एक्टिवेट कर दिया था। हालांकि अब तक की जांच में वायुसेना को कुछ हाथ नहीं लगा। रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया, एयरपोर्ट से सूचना मिलने के बाद वायु सेना की इस्टर्न कमांड ने दो राफेल लड़ाकू विमान को युएफओ की तलाश में भेजा था। हालांकि बारी-बारी से गए दोनों विमानों को कुछ नहीं मिला।

वायुसेना ने बताया कि हमने फौरन अपने एयर डिफेंस सिस्टम को भी एक्टिवेट कर दिया था। युएफओ के होने के वीडियो भी हैं। संबंधित एजेंसियां इसका पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। पूरी जांच-पड़ताल के बाद इंफाल एयरपोर्ट को फ्लाइट ऑपरेशन का क्लीयरैंस दे दिया गया।

दरअसल, इंफाल एयरपोर्ट पर 19 नवंबर को दोपहर 2:30 बजे एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने युएफओ देखने का दावा किया था। इसके बाद एअर इंडिया की दो और इंडिगो की एक फ्लाइट को लैंडिंग नहीं करने को कहा गया। ठीक उसी समय इंफाल आने वाली दो फ्लाइट्स कोलकाता डायवर्ट कर दी गईं। इंफाल एटीसी ने इसकी जानकारी वायुसेना को भी दी।

एयरफोर्स की क्लियरेंस के बाद उड़ान सेवा शुरू हुई :

एटीसी की रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि इंफाल का एयरस्पेस और फ्लाइट ऑपरेशन तुरंत बंद कर दिया गया। इसके चलते करीब एक हजार पैसेंजर्स पर असर पड़ा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने इंफाल एयरस्पेस का नियंत्रण एयरफोर्स को दे दिया। एयरफोर्स की क्लियरेंस के बाद ही इंफाल में कॉमर्शियल फ्लाइट ऑपरेशन बहाल किया गया।

आसमान में कोई उड़ती हुई चीज दिखी थी :

एअर इंडिया की फ्लाइट में दिल्ली जाने वाली एक महिला यात्री ने बताया, प्लेन में बोर्डिंग (बैठना) दोपहर 3 बजे तक पूरी हो चुकी थी, लेकिन टेकऑफ के लिए क्लियरेंस 6:10 बजे दिया गया। इससे यात्री डरे, कुछ बुजुर्गों को चिंता हुई। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि एक बहुत बड़ी चीज करीब एक घंटे तक आसमान में उड़ते हुए दिखी थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.